राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

वार्षिक रिपोर्ट

2015-16

नैम्स हाउस,
अंसारी नगर,महात्मा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली - 110029

डाक का पताः

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

नैम्स हाउस, अंसारी नगर,

महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110029

दूरभाषः

011-26588718

अध्यक्षः 011-26588792

सचिवः 011-26589289

फैक्स नं.:

011-26588992

ई-मेलः nams_aca@yahoo.com

वेबसाइटः http://nams-india.in

विषय-सूची

		पृष्ठ सं.
	परिषद् - 2015-16	1
	अधिकारीगण एवं कार्यपालक कर्मचारी	2
	राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के वर्ष वृत्तांत (एनल्स) का संपादकीय मंडल	3-4
क.	**संगठनात्मक गतिविधियाँ**	**5**
	संगठनात्मक गतिविधियाँ एवं वार्षिक बैठक	7
	वार्षिक बैठक में अध्येतावृत्ति और सदस्यता पुरस्कार	8-18
	वर्ष 2014 के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार	19
	व्याख्यान और पुरस्कार	20-25
	नैम्ल 2007 अमृतसर पुरस्कार	26
	आचार्य जे.एस. बजाज पुरस्कार	26
	परिषद् की बैठकें	27
	अध्येताओं का निर्वाचन- 2015	27-31
	सदस्यों का निर्वाचन- 2015	32-41
	डीएनबी परीक्षा उत्तीर्ण करने पर सदस्यता (एमएनएएमएस) के लिए प्रस्तावित उम्मीदवार	42-50
	अकादमी की सूची में अध्येता/सदस्य	51
	व्याख्यान व पुरस्कार-2015-16 के लिए चिकित्सा वैज्ञानिकों का नामांकन	52-56
	वर्ष 2015 के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार	57
	स्वर्ण जयंती स्मारक पुरस्कार व्याख्यान	57
	इमारत का रख-रखाव	57-58
	वर्ष वृत्तांत (एनल्स) का प्रकाशन	59-61
	मृत्युलेख	62
	17 अक्तूबर, 2015 को पटना, बिहार में वार्षिक दीक्षांत समारोह में अध्यक्ष डॉ. मुकुंद सदाशिव जोशी द्वारा दिए गए अभिभाषण का पाठ (अनुबंध-I)	63-64
	17 अक्तूबर, 2015 को पटना, बिहार में वार्षिक दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. राम नाथ कोविंद, बिहार के राज्यपाल, द्वारा दिए गए अभिभाषण का पाठ (अनुबंध-II)	65-67

ख. शैक्षिक रिपोर्ट **68**

सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम 70

कार्यकलापों की रिपोर्ट 01 अप्रैल, 2015 - 31 मार्च, 2016 70-74

बाह्यसंस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों का राज्यवार वितरण 75-76

एनएएमएस अध्यायों के बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम (अनुबंध-III) 77-78

बाह्यसंस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों पर रिपोर्ट (अनुबंध-IV) 79-91

चिकित्सा वैज्ञानिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (स्वास्थ्य मानवशक्ति विकास) 92

अंतःसंस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों पर रिपोर्ट (अनुबंध-V) 93-100

एनएएमएस अध्याय (अनुबंध-VI) 101-103

एनएएमएस के प्रतिष्ठित आचार्य 104-106

एनएएमएस वेबसाइट 107

ग. वित्तीय रिपोर्ट **108**

सरकारी अनुदान 110-111

लेखा 112-156

घ. अप्रैल, 2016 से 20 सितम्बर, 2016 तक की गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं **157**

परिषद् के नव-निर्वाचित सदस्य 157

वर्ष 2016 के लिए निर्वाचित अध्येता और सदस्य 157-163

विनियमन V के अधीन भर्ती किए गए सदस्य 163-181

संगोष्ठी/ कार्यशाला/ सीएमई कार्यक्रम 182-184

एनएएमएस वैज्ञानिक संगोष्ठी 184

वर्ष 2016 के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार 184

स्वर्ण जयंती स्मारक पुरस्कार व्याख्यान 185

परिषद् 2015-16

डॉ. मुकुंद एस. जोशी, एफएएमएस, अध्यक्ष

डॉ. सी.एस. भास्करन, एफएएमएस, तत्काल पूर्व अध्यक्ष*

डॉ. संजय वधवा, एफएएमएस, उपाध्यक्ष

डॉ. मनोरमा बेरी, एफएएमएस, कोषाध्यक्ष

डॉ. पी.के दवे, एफएएमएस

डॉ. योगेश चावला, एफएएमएस

डॉ. वी. मोहन कुमार, एफएएमएस

डॉ. मीरा रजानी, एफएएमएस

एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डॉ. एम.एस. बोपाराय, एफएएमएस

डॉ. सरोज चूड़ामणि गोपाल, एफएएमएस

डॉ. एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव, एफएएमएस

डॉ. मोहन कामेस्वरन, एफएएमएस

डॉ. आमोद गुप्ता, एफएएमएस

डॉ. अजमेर सिंह, एफएएमएस

डॉ. प्रेमा रामाचंद्रन, एफएएमएस

डॉ. पी. के. मिश्रा, एफएएमएस

डॉ. मायिल वाहनन नटराजन, एफएएमएस

डॉ. राकेश कुमार चड्डा, एफएएमएस

परिषद् के पदेन सदस्य

महानिदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्

अध्यक्ष, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड

अध्यक्ष, भारतीय चिकित्सा परिषद्

केंद्र सरकार के नामिती

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

* दिवंगत

अधिकारीगण 2015-16

अध्यक्ष	डॉ. मुकुंद एस. जोशी, एफएएमएस (18.10.2015 से) डॉ. सी.एस. भास्करन, एफएएमएस (23 फरवरी, 2015 तकः खराब स्वास्थ्य के कारण पदत्याग; दिवंगत)
उपाध्यक्ष	डॉ. संजय वधवा, एफएएमएस
कोषाध्यक्ष	डॉ. मनोरमा बेरी, एफएएमएस

कार्यपालक कर्मचारी

मानद सचिव	डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव
सतत चिकित्सा शिक्षा समन्वयक	डॉ. के.के. शर्मा, एफएएमएस

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के वर्ष वृत्तांत का संपादकीय मंडल

-: एक त्रैमासिक पत्रिका :- (1.1.2015 से)

प्रतिष्ठित संपादक

प्रो. जे.एस. बजाज

संपादक

डॉ. संजीव मिश्रा

सहयोगी संपादक

डॉ. वी. मोहन कुमार

सहायक संपादक

डॉ. मोहन कामेस्वरन

संपादकीय मंडल

डॉ. स्नेहलता देशमुख
डॉ. डब्लयू. सेल्वामूर्ति
डॉ. जे.एन. पांडे
डॉ. प्रेमा रामाचंद्रन
डॉ. एच.एस. संधू
डॉ. ललिता एस. कोठारी
डॉ. विनोद पॉल
डॉ. संजय वधवा

संपादकीय सहयोगी

डॉ. एम.वी पद्मा श्रीवास्तव
डॉ. आर. के. चड्डा
डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव
डॉ. प्रोमिला बजाज
डॉ. एन. आर. जगन्नाथन
डॉ. सुब्रत सिन्हा
डॉ. रविंदर गोस्वामी
डॉ. (ब्रिगेडियर) वेलु नायर

सलाहकार मंडल के सदस्य

डॉ. पी. के. मिश्रा
डॉ. एम. बेरी
एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डॉ. एम.एस. बोपाराय
डॉ. वाई.के. चावला
डॉ. पी. के. दवे
डॉ. आमोद गुप्ता
डॉ. रवि कांत
डॉ. बलराम एरन
डॉ. राजेश्वर दयाल
डॉ. सी. एस. सैंबी
डॉ. आर. मदान
डॉ. राजकुमार
डॉ. मुकुंद एस. जोशी
डॉ. कमल बक्शी
डॉ. हरिभाई एल. पटेल
डॉ. आई. सी. वर्मा

डॉ. सरोज चूड़ामणि गोपाल डॉ. गीता के. वेमुगंटी

वरिष्ठ प्रकाशन सलाहकारः डॉ. कुलदीप सिंह

वार्षिक सदस्यता दर

भारत	रूपये 500.00
विदेश	$ 30.00
	£ 15.00
एकल प्रति	रूपये 150.00

पत्रव्यवहार

पत्रिका से संबंधित सभी पत्रव्यवहार निम्न को संबोधित किया जाएः

मानद सचिव

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)
नैम्स हाउस, अंसारी नगर,
महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110029

दूरभाषः 011-26589289 **ई-मेलः** nams_aca@yahoo.com
वेबसाइटः http://www.nams-india.in

संगठनात्मक गतिविधियाँ

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

वार्षिक रिपोर्ट 2015-16

संगठानात्मक गतिविधियाँ

अकादमी के नियमानुसार अकादमी के सामान्य सरोकार, उसकी पिछले वर्ष की आय और व्यय तथा वर्ष के लिए अनुमान और अकादमी की समृद्धि या अन्यथा स्थिति पर एक रिपोर्ट, अकादमी की आम सभा के समक्ष उसकी वार्षिक बैठक में प्रस्तुत करनी होती है।

वार्षिक बैठक

55वीं वार्षिक बैठक 16, 17 और 18 अक्तूबर, 2015 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना (बिहार) में आयोजित की गई। अकादमी का दीक्षांत समारोह 17 अक्तूबर, 2015 को सायंकाल में आयोजित किया गया।

महामहिम डॉ. राम नाथ कोविंद, बिहार के राज्यपाल, मुख्य अतिथि थे।

डॉ. मुकुंद एस. जोशी, अध्यक्ष, एनएएमएस ने अपने अध्यक्षीय भाषण में विशिष्ट अतिथियों, अकादमी के अध्येताओं और सदस्यों का स्वागत किया। अध्यक्षीय भाषण का पूरा पाठ अनुबंध-। में दिया गया है।

महामहिम डॉ. राम नाथ कोविंद, बिहार के राज्यपाल, ने दीक्षांत भाषण दिया। भाषण का पूरा पाठ अनुबंध-।। में दिया गया है।

अध्येतावृत्ति और सदस्यता पुरस्कार

अध्येता

पटना में आयोजित दीक्षांत समारोह में पच्चीस अध्येताओं को, जिनमें वर्ष 2014 में निर्वाचित 3, और 2015 में निर्वाचित 22 अध्येता सम्मिलित थे, अध्येतावृत्ति प्रदान की गई तथा उन्होंने स्क्रोल प्राप्त किए। भर्ती किये गये अध्येताओं के नाम और संबंधन नीचे दिए गए हैं:

1. डॉ. अनिल कुमार गुप्ता (2014)

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अस्पताल प्रशासन विभाग और चिकित्सा अधीक्षक, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उनकी विशेषज्ञता अस्पताल प्रशासन है।

2. डॉ. वी. आर. जानकी (2014)

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, त्वचारोग विज्ञान विभाग, मद्रास मेडिकल कॉलेज, चेन्नई। उनकी विशेषज्ञता त्वचारोग विज्ञान और रतिजरोग विज्ञान है।

3. डॉ. आशीष सूरी (2014)

आचार्य, तंत्रिकाशल्य विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली। उसकी विशेषता तंत्रिकाशल्य विज्ञान है।

4. डॉ. सुशील प्रकाश अम्बेश (2015)

आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, टाइप V/7, नया कैम्पस, संजय गाँधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ-226015। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

5. डॉ. दिनेश कुमार भरतराज (2015)

वैज्ञानिक ई (उप निदेशक वरिष्ठ श्रेणी) एवं विभागाध्यक्ष औषधि विष विज्ञान, समन्वयक - पीसीटी राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एनआईएन), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत

सरकार, जमाई उस्मानिया पीओ, हैदराबाद-500007। उनकी विशेषज्ञता औषध विज्ञान है।

6. डॉ. प्रदीप दास (2015)

निदेशक, वैज्ञानिक जी, राजेन्द्र मेमोरियल आयुर्विज्ञान अनुसंधान संस्थान, अग्मकुंआ, पटना-800007। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैवविज्ञान है।

7. डॉ. गोपालकृष्ण गुरूराज (2015)

वरिष्ठ आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, महामारी विज्ञान विभाग, निमहांस, बेंगलूर 560029। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा / सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

8. डॉ. रवि गुप्ता (2015)

आचार्य, अस्थिरोग विज्ञान विभाग, सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, 32बी, चंडीगढ़-160031। उनकी विशेषज्ञता अस्थिरोग शल्यचिकित्सा है।

9. डॉ. कृष्णाम्चार हरीश (2015)

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सर्जिकल अर्बुदविज्ञान विभाग, एमएस रमैय्या मेडिकल कॉलेज, बैंगलोर। उनकी विशेषज्ञता सर्जिकल अर्बुदविज्ञान है।

10. डॉ. बिनोद कुमार खेतान (2015)

आचार्य, त्वचारोग विज्ञान और रतिजरोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली 110029। उनकी विशेषज्ञता त्वचा विज्ञान और रतिजरोग है।

11. डॉ. गोपी चंद खिलनानी (2015)

आचार्य, पल्मोनरी मेडिसिन और निद्रा विकार विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली 110029। उनकी विशेषज्ञता श्वसन चिकित्सा है।

12. डॉ. मधु खुल्लर (2015)

आचार्य, प्रायोगिक चिकित्सा एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता आण्विक चिकित्सा है।

13. डॉ. जुगल किशोर (2015)

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा/ सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

14. डॉ. कैलाश कुमार (2015)

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सामान्य चिकित्सा विभाग, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदु विश्वविद्यालय, वाराणसी-221005। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

15. डॉ. संजय माधव मेहेनडले (2015)

निदेशक एवं वैज्ञानिक 'जी', राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान, आर-127, तृतीय एवेन्यू, तमिल नाडू आवसीय बोर्, अयप्पक्कम, चेन्नई-600077। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा/ सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

16. डॉ. हृदानन्द मलिक (2015)

आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029। उनकी विशेषज्ञता चिकित्सा शिक्षा है।

17. डॉ. बिजय रंजन मिर्धा (2015)

आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

18. डॉ. ओम प्रकाश मिश्रा (2015)

आचार्य, बालरोग विज्ञान विभाग, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदु विश्वविद्यालय, वाराणसी-221005। उनकी विशेषज्ञता बालरोग विज्ञान है।

19. डॉ. रवींद्र मोहन पांडे (2015)

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, जैव सांख्यिकी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029। उनकी विशेषज्ञता जैव सांख्यिकी है।

20. डॉ. राजेंद्र प्रसाद (2015)

आचार्य, जैव रसायन विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, सेक्टर 12, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन विज्ञान है।

21. लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ.) अरूणाचलम रविकुमार (2015)

आचार्य एवं निदेशक, ईएनटी विभाग, सिर एवं गर्दन शल्य चिकित्सा, श्री रामचंद्र मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान, श्री रामचंद्र विश्वविद्यालय, पोरूर, चेन्नई-600116। उनकी विशेषज्ञता कान, नाक एवं गला रोग है।

22. डॉ. डेज़ी साहनी (2015)

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शरीर रचना विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

23. डॉ. दलजीत सिंह (2015)

पूर्व प्रधानाचार्य एवं आचार्य, बालरोग विज्ञान विभाग, दयानंद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, लुधियाना। उनकी विशेषज्ञता बालरोग विज्ञान है।

24. डॉ. शशि बाला सिंह (2015)

उत्कृष्ट वैज्ञानिक (वैज्ञानिक 'एच') एवं निदेशक, शरीर क्रिया विज्ञान एवं संबद्ध विज्ञान रक्षा संस्थान, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय, लखनऊ रोड, तिमारपुर, दिल्ली-110054। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

21. लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) प्रेम प्रकाश वर्मा (2015)

वरिष्ठ सलाहकार, ए -12, सर्वोदय एन्क्लेव, नई दिल्ली 110017। उनकी विशेषज्ञता वृक्क विज्ञान है।

सदस्य

वर्ष 2013 में निर्वाचित 1, वर्ष 2014 में निर्वाचित 9 और वर्ष 2015 में निर्वाचित 33 सदस्यों सहित तैंतालीस सदस्यों को पटना में आयोजित दीक्षांत समारोह में सदस्य बनाया गया। भर्ती किए गए सदस्यों के नाम और उनके संबंधन नीचे दिए गए हैं:

1. **डॉ. अतुल शर्मा (2013)**

   आचार्य, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029। उनकी विशेषज्ञता चिकित्सा अर्बुदविज्ञान है।

2. **डॉ. निखिल गुप्ता (2014)**

   सहायक आचार्य, शल्य चिकित्सा विभाग, पीजीआईएमईआर एवं डॉ. आरएमएल अस्पताल, दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता शल्य चिकित्सा है।

3. **डॉ. काजल जैन (2014)**

   अपर आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान और गहन देखभाल विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, सेक्टर 12, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

4. **डॉ. रवि प्रकाश कनौजिया (2014)**

   सह आचार्य, 3103, ब्लॉक 3 ए, प्रोन्नत बाल केंद्र, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, सेक्टर 12, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता बाल सर्जरी है।

5. **डॉ. पलाश कुमार (2014)**

   सलाहकार संवेदनाहरणविज्ञानी, अपोलो ग्लेनीग्लेस अस्पताल, कोलकाता। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

6. **डॉ. प्रदीप कुमार माहेश्वरी (2014)**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, स्नातकोत्तर काय चिकित्सा विभाग एवं तंत्रिका विज्ञान प्रभाग, सरोजनी नायडू मेडिकल कालेज, आगरा। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

7. **डॉ. मधुमिता मुखोपाध्याय (2014)**

आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, कोलकाता। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

8. **डॉ. रणबीर पाल (2014)**

अपर आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा एवं परिवार चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा / सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

9. **डॉ. राजीव सिन्हा (2014)**

सहायक आचार्य, बाल स्वास्थ्य संस्थान, कोलकाता। उनकी विशेषज्ञता बालरोग विज्ञान है।

10. **डॉ. अंजन त्रिखा (2014)**

आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

11. **डॉ. अजय अग्रवाल (2015)**

सह आचार्य, नेत्र विज्ञान विभाग, कल्पना चावला शासकीय मेडिकल कॉलेज, करनाल। उनकी विशेषज्ञता नेत्र विज्ञान है।

12. **डॉ. अविनाश अग्रवाल (2015)**

सह आचार्य, किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

13. **डॉ. दुष्यंत अग्रवाल (2015)**

सहायक आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर-342005। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

15. **डॉ. अंजलि अग्रवाल (2015)**

सहायक आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

16. **डॉ. अनूपकुमार अन्विकार (2015)**

वैज्ञानिक ई, राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान, सेक्टर-8, द्वारका, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

16. **डॉ. मोहम्मद जाहिद अशरफ (2015)**

वैज्ञानिक ई, जीनोमिक्स प्रभाग, शरीर क्रिया विज्ञान एवं संबद्ध विज्ञान रक्षा संस्थान, डीआरडीओ, लखनऊ रोड, तिमारपुर, दिल्ली-100054। उनकी विशेषज्ञता आण्विक चिकित्सा है।

17. **डॉ. मौसमी बसु (2015)**

सह आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, कोलकाता। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा / सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

18. **डॉ. शाल्मोली भट्टाचार्य (2015)**

सह आचार्य, कमरा नंबर 518, जैव भौतिकी विभाग, अनुसंधान ब्लॉक बी, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, सेक्टर 12, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता जैव भौतिकी है।

19. **डॉ. गीतांजलि चिलकोटी (2015)**

सह आचार्य, विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज और गुरू तेग बहादुर अस्पताल, दिलशाद गार्डन, दिल्ली-110095। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

20. **डॉ. रश्मि रंजन दास (2015)**

सहायक आचार्य, बाल रोग विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, सिजुआ, भुवनेश्वर-751019। उनकी विशेषज्ञता बाल रोग विज्ञान है।

21. डॉ. महेश देवनानी (2015)

सहायक आचार्य, कमरा 2087, नया ओपीडी ब्लॉक, अस्पताल प्रशासन विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उनकी विशेषज्ञता अस्पताल प्रशासन है।

22. **डॉ. अभिनव दीक्षित (2015)**

सह आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बासनी, जोधपुर-342005। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

23. **डॉ. शिल्पी गुप्ता दीक्षित (2015)**

सह आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बासनी, जोधपुर-342005। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

24. **डॉ. अजय गुलाटी (2015)**

सहायक आचार्य, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

25. **डॉ. पूजा गुप्ता (2015)**

सहायक आचार्य, भेषजगुण विज्ञान विभाग, चौथा तल, शैक्षिक ब्लॉक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029। उनकी विशेषज्ञता भेषजगुण विज्ञान है।

26. **डॉ. रवि गुप्ता (2015)**

सह आचार्य (2013-2015), मनोरोग विज्ञान विभाग एवं निद्रा क्लिनिक, हिमालयन आयुर्विज्ञान संस्थान, दोइवाला, जॉली ग्रांट, देहरादून-248140। उनकी विशेषज्ञता मनोरोग विज्ञान है।

27. **डॉ. काना राम जाट (2015)**

सहायक आचार्य, बालरोग विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029। उनकी विशेषज्ञता बालरोग विज्ञान है।

28. **डॉ. मनदीप कांग (2015)**

आचार्य, विकिरण निदान एवं इमेजिंग विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

29. **डॉ. चंद्र मोहन कुमार (2015)**

सहायक आचार्य, बालरोग विज्ञान विभाग, हमदर्द आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान, जामिया हमदर्द, हमदर्द नगर, नई दिल्ली- 110062। उनकी विशेषज्ञता बालरोग विज्ञान है।

30. **डॉ. वनिता लाल (2015)**

सह आचार्य, जैव रसायन विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बासनी, जोधपुर-342005। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन विज्ञान है।

31. **डॉ. मधुसूदन के. एस. (2015)**

सहायक आचार्य, विकिरण निदान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

32. **डॉ. सोमनाथ मुखर्जी (2015)**

सहायक आचार्य, रक्ताधान चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, सिजुआ, पटरापदा, भुवनेश्वर-751019। उनकी विशेषज्ञता रक्ताधान चिकित्सा है।

33. **डॉ. निधि बिद्युत पांडा (2015)**

आचार्य, संवेदनाहरण एवं गहन देखभाल विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, सेक्टर 12, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

34. **डॉ. शांतनु पांडे (2015)**

आचार्य, सीवीटीएस विभाग, शैक्षिक सी ब्लॉक, मुख्य अस्पताल बिल्डिंग, संजय गाँधी स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, रायबरेली रोड, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता हृदय एवं वक्ष रोगों की शल्यचिकित्सा है।

35. **डॉ. मुन्ना लाल पटेल (2015)**

सहायक आचार्य, काय चिकित्सा विभाग, आयुर्विज्ञान संकाय, किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

36. **डॉ. बबिता रघुवंशी (2015)**

सहायक आचार्य, रक्ताधान चिकित्सा विभाग एवं रक्त बैंक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, सिजुआ, पटरापदा, भुवनेश्वर-751019। उनकी विशेषज्ञता रक्ताधान चिकित्सा है।

37. **डॉ. शालिनी राव (2015)**

अपर आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश, उत्तराखंड-249201। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

38. **डॉ. मनफूल सिंघल (2015)**

सहायक आचार्य, विकिरण निदान एवं इमेजिंग विभाग, नेहरू अस्पताल, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, सेक्टर - 12, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

39. **डॉ. साधना शर्मा (2015)**

आचार्य, जैव रसायन विज्ञान विभाग, अनुसंधान ब्लॉक ए, कमरा नं. 329. स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, सेक्टर - 12, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन विज्ञान है।

40. **डॉ. उमा शर्मा (2015)**

सहायक आचार्य, एनएमआर एवं एमआरआई विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली- 110029। उनकी विशेषज्ञता जैव भौतिकी है।

41. **डॉ. सोहन लाल सोलंकी (2015)**

सहायक आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, टाटा मेमोरियल केंद्र, परेल, मुंबई-400012। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

42. **डॉ. देवेंद्र कुमार वत्सल (2015)**

निदेशक एवं वरिष्ठ सलाहकार, तंत्रिका शल्य विज्ञान विभाग, आइकॉन अस्पताल, जानकीपुरम, लखनऊ-226021। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका शल्य विज्ञान है।

43. **डॉ. माया वेदमूर्ति (2015)**

परामर्शदाता, त्वचा रोग विज्ञानी, अपोलो अस्पताल, चेन्नई। उनकी विशेषज्ञता त्वचा रोग विज्ञान एवं रतिजरोग विज्ञान है।

जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार

वर्ष 2014 के लिए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) का जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार मरणोपरांत स्वर्गीय डॉ. सी. एस. भास्करन, एफएएमएस; अध्यक्ष, नैम्स (उनके घर में उनकी पत्नी), को प्रदान किया गया। डॉ. सी. एस. भास्करन, एक उत्कृष्ट शिक्षक, उत्कृष्ट अनुसंधान कार्यकर्ता और एक कुशल प्रशासक, को उनके व्यावसायिक उत्कृष्टता और उच्च कोटि की विषय विशेषज्ञता, धैर्य, शैक्षणिक श्रेष्ठता, और व्यावसायिक उत्कृष्टता के गुणों के सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड को मान्यता देते हुए, जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार प्रदान किया गया।

व्याख्यान और पुरस्कार

डॉ. रामनाथ कोविंद, मुख्य अतिथि, ने पटना में आयोजित दीक्षांत समारोह में वर्ष 2014-15 के लिए अकादमी के निम्नलिखित व्याख्यान/पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को पदक प्रदान किएः

व्याख्यान

डॉ. आर.वी. राजम व्याख्यान	**डॉ. टी. राजकुमार, एफएएमएस** आचार्य और विभागाध्यक्ष, आणविक अर्बुद विज्ञान विभाग, कैंसर संस्थान (डब्लयूआईए) अडयार, चेन्नई-600020।
व्याख्यान का शीर्षक	"गर्भाशय ग्रीवा कैंसर - बेंच से बेडसाइड तक"
डॉ. अचंता लक्ष्मीपति व्याख्यान	**डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव, एफएएमएस** आचार्य, विकिरण-निदान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029।
व्याख्यान का शीर्षक	"पेशीयकंकाल घावों में त्वचापेशी नैनो संवहनी विकिरणविज्ञान हस्तक्षेपीय उपचार की भूमिका"
डॉ. कर्नल संघम लाल स्मारक व्याख्यान	**डॉ. संदीप कुमार** आचार्य, शल्य चिकित्सा, निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, साकेत नगर, भोपाल-462020।
व्याख्यान का शीर्षक	"सुदम्य स्तन विकारों की आधुनिक अवधारणा अंतःस्त्राविकीविज्ञान पृष्ठभूमि और उपचार"

जनरल अमीर चंद व्याख्यान	**डॉ. राकेश कुमार चड्ढा, एफएएमएस** आचार्य, मनोरोग विज्ञान विभाग अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029।
व्याख्यान का शीर्षक	"मानसिक विकारों का वैश्विक बोझ: चुनौती का सामना"

डॉ. वी.आर. खानोल्कर व्याख्यान	**डॉ. ललित कुमार, एफएएमएस** आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग, डॉ बी.आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029।
व्याख्यान का शीर्षक	"एकाधिक मायलोमाः लक्षित चिकित्सा से ऑटोलॉगस स्टेम कोशिका प्रत्यारोपण की ओर"

डॉ. के.एल. विग व्याख्यान	**डॉ. राजू सिंह चीना, एफएएमएस** शैक्षिक संकायाध्यक्ष, जठरांत्र विज्ञान आचार्य, दयानंद मेडिकल कालेज टैगोर नगर, सिविल लाइंस, लुधियाना।
व्याख्यान का शीर्षक	"भारत में चिकित्सा शिक्षा के सुदृढ़ीकरण में नवाचार"

डॉ. प्राण नाथ छुट्टानी व्याख्यान	**डॉ. मिलिंद मधुकर गोरे** वैज्ञानिक जी एवं प्रभारी अधिकारी राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान, गोरखपुर यूनिट, बीआरडी मेडिकल कॉलेज कैम्पस, गोरखपुर-273013।
व्याख्यान का शीर्षक	"जापानी मस्तिष्कशोथ वायरस: प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया की अद्वितीयता, टीका विकास और भविष्य की चुनौतियाँ"

डॉ. बी.के. आनंद व्याख्यान	**डॉ. प्रह्लाद किशोर सेठ, एफएएमएस** मुख्य कार्यपालक अधिकारी, बायोटेक पार्क, सैक्टर जी, जानकीपुरम, कुर्सी मार्ग, लखनऊ-226021।
व्याख्यान का शीर्षक	"चुनिंदा तंत्रिका विकारों के लिए मानव प्लेटलेट्स और लिम्फोसाइट्स में जैवमार्कर के रूप में एंजाइम और न्यूरोट्रांसमीटर"

डॉ. बलदेव सिंह व्याख्यान	**डॉ. गगनदीप सिंह,** आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, तंत्रिका विज्ञान विभाग, दयानंद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, लुधियाना-141001 (पंजाब)।
व्याख्यान का शीर्षक	"न्यूरोसिस्टीसरकॉसिसः स्वतंत्रता पूर्व से आधुनिक भारत तक की यात्रा"

डॉ. एस. जानकी स्मारक व्याख्यान	**डॉ. राज कुमार, एफएएमएस** निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश, वीरभद्र रोड, ऋषिकेश, उत्तराखंड-249203।
व्याख्यान का शीर्षक	“बालरोग जनसंख्या में हड्डीदार कपालकशेरुकी जंक्शन विसंगतियों (एटलांटोज़ियल विस्थापन) के कारण उच्च गर्भाशय ग्रीवा मेरुरज्जुविकृति - नैदानिक स्कोरिंग प्रणाली“

पुरस्कार

डॉ. एस. एस. मिश्रा स्मारक पुरस्कार	**डॉ. रेणु गुप्ता,** सहायक आचार्य, शरीररचना विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान जोधपुर।

विषय: "भ्रूण और वयस्क मानव अग्न्याशय और आयु से संबंधित परिवर्तन की आकारमिती - एक इलैक्ट्रानसूक्ष्मदर्शिकी अध्ययन"

डॉ. आर. एम. कासलीवाल पुरस्कार	**डॉ. नवीन कालरा** अपर आचार्य, विकिरणनिदान एवं इमेजिंग विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012।

विषय: "व्रणमय बृहदांत्रशोथ के रोगियों में पारंपरिक कोलोनोस्कोपी के साथ सीटी कोलोनोग्राफी की तुलना"

डॉ. विमला विरमानी पुरस्कार	**डॉ. इस्माइल शहाबुद्दीन टी. एम.** सह आचार्य, मनोरोग विभाग, येनेपोयो मैडिकल कॉलेज, येनेपोयो विश्वविद्यालय, मंगलौर।
विषय: "सिज़ोफ्रेनिया वाले व्यक्तियों में विकलांगता का पारिवारिक बोझ और उनके देखभालकर्ताओं में पारिवारिक विपत्ति से सहसंबद्ध"	
श्याम लाल सक्सेना स्मारक पुरस्कार	**डॉ. शशि आहूजा** सह आचार्य, नेत्र रोग विज्ञान विभाग, जे.आई.पी.एम.ई.आर., पुदुचेरी-605006।
विषय: "अक्षिबिंबशोफ के मामलों में ऑप्टिकल सुसंगति टोमोग्राफी का उपयोग कर रेटिना तंत्रिका फाइबर परत मोटाई विश्लेषण - एक परीक्षण अध्ययन"	
दांतव्य लोक स्वास्थ्य पुरस्कार	**डॉ. अर्पिता मोहन** बी-1306, ओ. सी. आर. कॉम्पलैक्स विधान सभा मार्ग, लखनऊ-226001।
विषय: "लखनऊ के अनाथ बच्चों में मुख और दंत स्वास्थ्य की स्थिति"	
डॉ. एस.एस. सिद्धू पुरस्कार	**डॉ. अमरीश भागोल** सहायक आचार्य मुख एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग. पंडित बी. डी. शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक।
विषय: "निचले जबड़े के उपस्धूलकीय अस्थिभंग के प्रबंधन के लिए एक नई वर्गीकरण प्रणाली का भावी मूल्यांकन"	

डॉ. विनोद कुमार भार्गव पुरस्कार	**डॉ. मोहम्मद इमरान** सहायक आचार्य, भेषजगुण विज्ञान विभाग, शहीद हसन खान मेवाती सरकारी मेडिकल कॉलेज, नलहर, नुह, मेवात, समीप गुड़गाँव, हरियाणा-122107।
विषय: "दीर्घकाल से कार्य कर रहे β2-एगोनिस्ट के टियूट्रॉपियम के साथ सम्मिश्रण: मध्यम सीओपीडी पुरुष रोगियों यादृच्छिक, द्वयंध, कूटभेषज-नियंत्रित, सक्रिय दवा नियंत्रित, समानांतर डिजाइन शैक्षणिक नैदानिक परीक्षण"	
डॉ. ए. एस. थाम्बिया पुरस्कार	**डॉ. सुनील डोगरा** सह आचार्य, त्वचारोग विज्ञान, रतिजरोग विज्ञान एवं कुष्ठरोग विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012।
विषय: "12 माह तक डब्ल्यूएचओ एमडीटी- एमबीआर के साथ उपचारित मल्टीबैसीलरी (एमबी) कुष्ठ रोगियों में नैदानिक विशेषताएं और परिणाम: उत्तरी भारत के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में कुष्ठ रोग क्लिनिक से 730 रोगियों का एक पूर्वव्यापी विश्लेषण"	
डॉ. नन्दगुड़ी सूर्यनारायण राव पुरस्कार	**डॉ. एलियम्मा मैथ्यू, एफएएमएस** आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, कैंसर महामारी विज्ञान एवं जैवसांख्यिकी प्रभाग, क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, त्रिवेंद्रम।
विषय: "भारत के तीन क्षेत्रों में कैंसर के मामलों के अभिनिश्यय की अनुवर्ती, पूर्णता और सटीकता का आकलन"	

नैम्स 2007 अमृतसर पुरस्कार

यह पुरस्कार अकादमी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान पुरस्कार वितरण के समय एक ऐसे पुरस्कार विजेता को दिया जाता है जिसका लेख पैनल द्वारा सर्वश्रेष्ठ उत्कृष्ट घोषित किया गया है। सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया लेख नैम्स की संपत्ति बन जाता है और युवा वर्ग को उच्च गुणवत्ता की प्रस्तुति बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए इसे अकादमी के वर्ष वृत्तांत में प्रकाशित किया जाएगा।

पटना, बिहार, में नैम्सकॉन 2015 के वार्षिक सम्मेलन (16-18 अक्टूबर, 2015) के दौरान इस पुरस्कार को निम्नलिखित विवरण अनुसार डॉ. शशि आहूजा को दिया गया था:

“नैम्स 2007 अमृतसर पुरस्कार”	**डॉ. शशि आहूजा** सह आचार्य नेत्र रोग विज्ञान विभाग, जेआईपीएमईआर, पुद्दुचेरी - 605006
विषयः "अक्षिबिंबशोफ के मामलों में ऑप्टिकल अनुकूल टोमोग्राफी का उपयोग कर रेटिना तंत्रिका फाइबर परत मोटाई विश्लेषण - एक परीक्षण अध्ययन"	

आचार्य जे.एस. बजाज पुरस्कार

16 अक्टूबर, 2015 को "मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य: 2015 में और उससे आगे" पर आयोजित संगोष्ठी के लिए सर्वश्रेष्ठ छात्र प्रदर्शन का आचार्य जे.एस. बजाज पुरस्कार अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना के एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के छात्र श्री वाचस्पति मिश्रा एवं एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र श्री रघुवेंद्र वर्मा को मुख्य अतिथि डॉ. राम नाथ कोविंद, बिहार के राज्यपाल द्वारा 17 अक्टूबर, 2015 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना (बिहार) में आयोजित दीक्षांत समारोह में प्रदान किया गया।

परिषद् की बैठकें

वर्ष 2015 के दौरान परिषद् की तीन बैठकें आयोजित की गई थीं।

पहली बैठक 4 अगस्त, 2015 को और दूसरी बैठक 23 सितम्बर, 2015 को राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली के परिसर में आयोजित की गई थीं। परिषद् की विशेष बैठक 29 अक्टूबर, 2015 को आयोजित की गई थी।

सेवानिवृत्त होने वाले परिषद् के सदस्यों की रिक्तियां भरना-2015

निम्नलिखित उन सदस्यों की सूची है, जो वर्ष 2014 में अपना कार्यकाल पूरा होने पर सेवानिवृत्त हुए और जिन्हें परिषद के सदस्यों के रूप में निर्वाचित किया गया

सेवानिवृत्त		निर्वाचित
1. डॉ. हरिभाई एल. पटेल	1.	डॉ. संजय वधवा
2. डॉ. जे. एन. पांडे	2.	डॉ. प्रेमा रामचंद्रन
3. डॉ. कमल बक्शी	3.	डॉ. (श्रीमती) पी. के. मिश्रा
4. डॉ. एन. एन. सूद	4.	डॉ. मायिल वाहनन नटराजन
5. डॉ. मुकुंद एस. जोशी	5.	डॉ. राकेश कुमार चड्डा

परिषद् ने सेवानिवृत्त हो रहे सदस्यों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं की प्रशंसा करते हुए इसे अपने रिकार्ड पर रखा।

अध्येताओं का निर्वाचन - 2015

साख समिति ने वर्ष 2015 की अध्येतावृत्ति के लिए निर्वाचन हेतु 165 जैवचिकित्सा वैज्ञानिकों पर विचार किया, इनमें से 82 नए नामांकन (58 प्रत्यक्ष और 24 प्रोन्नत) थे और 83 अग्रेनीत नामांकन (47 प्रत्यक्ष और 36 प्रोन्नत) थे। साख समिति ने अध्येतावृत्ति प्रदान करने के लिए 28 जैवचिकित्सा वैज्ञानिकों की सिफारिश की। अध्येतावृत्ति और सदस्यता के निर्वाचन के लिए अनुशंसित जैवचिकित्सा वैज्ञानिकों के जीवनवृत्त की फाइल की जांच करने के बाद साख समिति की सिफारिशों को परिषद् द्वारा अनुमोदित किया गया। उन्हें, नियमों में निर्धारित कार्यविधि के अनुसार, अध्येताओं के आम निकाय द्वारा मतदान करके अध्येताओं के रूप में निर्वाचित किया गया।

निर्वाचित अध्येताओं के नाम नीचे दिए गए हैं:

1. डॉ. सुशील प्रकाश अम्बेश

आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, टाइप V/7, नया कैम्पस, संजय गाँधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ-226015। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

2. डॉ. दिनेश कुमार भरतराज

वैज्ञानिक ई (उप निदेशक वरिष्ठ श्रेणी) एवं विभागाध्यक्ष औषधि विष विज्ञान, समन्वयक - पीसीटी राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एनआईएन), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, जमाई उस्मानिया पीओ, हैदराबाद-500007। उनकी विशेषज्ञता औषध विज्ञान है।

3. डॉ. प्रदीप दास

निदेशक, वैज्ञानिक जी, राजेन्द्र मेमोरियल आयुर्विज्ञान अनुसंधान संस्थान, अग्मकुंआ, पटना-800007। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैवविज्ञान है।

4. डॉ. गोपालकृष्ण गुरूराज

वरिष्ठ आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, महामारी विज्ञान विभाग, निमहांस, बेंगलूर 560029। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा / सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

5. डॉ. रवि गुप्ता

आचार्य, अस्थिरोग विज्ञान विभाग, सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, 32बी, चंडीगढ़-160031। उनकी विशेषज्ञता अस्थिरोग शल्यचिकित्सा है।

6. डॉ. कृष्णाम्चार हरीश

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सर्जिकल अर्बुदविज्ञान विभाग, एमएस रमैय्या मेडिकल कॉलेज, बैंगलोर। उनकी विशेषज्ञता सर्जिकल अर्बुदविज्ञान है।

7. डॉ. बिनोद कुमार खेतान

आचार्य, त्वचारोग विज्ञान और रतिजरोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली 110029। उनकी विशेषज्ञता त्वचा विज्ञान और रतिजरोग है।

8. डॉ. गोपी चंद खिलनानी

आचार्य, पल्मोनरी मेडिसिन और निद्रा विकार विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली 110029। उनकी विशेषज्ञता श्वसन चिकित्सा है।

9. डॉ. मधु खुल्लर

आचार्य, प्रायोगिक चिकित्सा एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता आण्विक चिकित्सा है।

10. डॉ. जुगल किशोर

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा/ सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

11. डॉ. कैलाश कुमार

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सामान्य चिकित्सा विभाग, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदु विश्वविद्यालय, वाराणसी-221005। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

12. डॉ. संजय माधव मेहेनडले

निदेशक एवं वैज्ञानिक 'जी', राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान, आर-127, तृतीय एवेन्यू, तमिल नाडू आवसीय बोर्, अयप्पक्कम, चेन्नई-600077। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा/ सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

13. डॉ. हृदानन्द मलिक

आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029। उनकी विशेषज्ञता चिकित्सा शिक्षा है।

14. डॉ. बिजय रंजन मिर्धा

आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

15. डॉ. ओम प्रकाश मिश्रा

आचार्य, बालरोग विज्ञान विभाग, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदु विश्वविद्यालय, वाराणसी-221005। उनकी विशेषज्ञता बालरोग विज्ञान है।

16. डॉ. रवींद्र मोहन पांडे

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, जैव सांख्यिकी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029। उनकी विशेषज्ञता जैव सांख्यिकी है।

17. डॉ. राजेंद्र प्रसाद

आचार्य, जैव रसायन विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, सेक्टर 12, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन विज्ञान है।

18. लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ.) अरूणाचलम रविकुमार

आचार्य एवं निदेशक, ईएनटी विभाग, सिर एवं गर्दन शल्य चिकित्सा, श्री रामचंद्र मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान, श्री रामचंद्र विश्वविद्यालय, पोरूर, चेन्नई-600116। उनकी विशेषज्ञता कान, नाक एवं गला रोग है।

19. डॉ. डेज़ी साहनी

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शरीर रचना विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

20. डॉ. वाणी संतोष

आचार्य, तंत्रिका-विकृति विज्ञान विभाग एवं विभागाध्यक्ष, नैदानिक तंत्रिकाविज्ञान विभाग, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिकाविज्ञान संस्थान, बंगलौर-560029। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

21. डॉ. दलजीत सिंह

पूर्व प्रधानाचार्य एवं आचार्य, बालरोग विज्ञान विभाग, दयानंद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, लुधियाना। उनकी विशेषज्ञता बालरोग विज्ञान है।

22. डॉ. शशि बाला सिंह

उत्कृष्ट वैज्ञानिक (वैज्ञानिक 'एच') एवं निदेशक, शरीर क्रिया विज्ञान एवं संबद्ध विज्ञान रक्षा संस्थान, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय, लखनऊ रोड, तिमारपुर, दिल्ली-110054। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

23. डॉ. जी. एस. टोटेजा

निदेशक, मरुस्थलीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान केन्द्र (आईसीएमआर), जोधपुर; वैज्ञानिक-जी और अध्यक्ष (पोषण), भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली और अध्यक्ष, पोषण अनुसंधान संवर्धन एवं प्रशिक्षण केंद्र (आईसीएमआर), 3 रेड क्रॉस रोड, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता पोषण है।

24. लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) प्रेम प्रकाश वर्मा

वरिष्ठ सलाहकार, ए -12, सर्वोदय एन्क्लेव, नई दिल्ली 110017। उनकी विशेषज्ञता वृक्क विज्ञान है।

25. डॉ. लिंगम् विजया

निदेशक, श्रीमती जाधव बाई नाथाल सिंघवी ग्लूकोमा सेवा, शंकर नेत्रालय, चेन्नई-600006। उनकी विशेषज्ञता नेत्र विज्ञान है।

सदस्यों का निर्वाचन-2015

सदस्यता के निर्वाचन के लिए कुल 122 उम्मीदवारों के नाम पर विचार किया गया (जिनमें 105 नए नामांकन और 17 अग्रेषित नामांकन थे)। साख समिति ने 70 उम्मीदवारों की सिफारिश की और वे परिषद् द्वारा अनुमोदित किए गए। इसके बाद उनको, अध्येताओं की सामान्य निकाय द्वारा नियमों में निर्धारित कार्यविधि के अनुसार, मतदान द्वारा सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया। निर्वाचित सदस्यों के नाम नीचे दिए गए हैं:

1. **डॉ. हैदर अब्बास**

   आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ-226003। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

2. **डॉ. अजय अग्रवाल**

   सह आचार्य, नेत्र विज्ञान विभाग, कल्पना चावला शासकीय मेडिकल कॉलेज, करनाल। उनकी विशेषज्ञता नेत्र विज्ञान है।

3. **डॉ. अविनाश अग्रवाल**

   सह आचार्य, किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

4. **डॉ. दुष्यंत अग्रवाल**

   सहायक आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर-342005। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

5. **डॉ. कौशल किशोर अग्रवाल**

   सहायक आचार्य, प्रोस्थोडोन्टिक्स विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

6. **डॉ. समीर अग्रवाल**

   अपर आचार्य, अस्थि रोग विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता अस्थि रोग शल्य चिकित्सा है।

7. **डॉ. अंजलि अग्रवाल**

सहायक आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

8. **डॉ. सैयद मोईद अहमद**

आचार्य, संवेदनाहरण विभाग, जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, अलीगढ़-202002। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

9. **डॉ. अनूपकुमार अन्विकार**

वैज्ञानिक ई, राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान, सेक्टर-8, द्वारका, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

10. **डॉ. मोहम्मद जाहिद अशरफ**

वैज्ञानिक ई, जीनोमिक्स प्रभाग, शरीर क्रिया विज्ञान एवं संबद्ध विज्ञान रक्षा संस्थान, डीआरडीओ, लखनऊ रोड, तिमारपुर, दिल्ली-100054। उनकी विशेषज्ञता आण्विक चिकित्सा है।

11. **डॉ. अंजु बंसल**

वैज्ञानिक एफ, राष्ट्रीय विकृति विज्ञान संस्थान (आईसीएमआर), सफदरजंग अस्पताल परिसर, नई दिल्ली 110029। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

12. **डॉ. रिनती बनर्जी**

आचार्य, जैव विज्ञान और जैव इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई 400076। उनकी विशेषज्ञता बायोमेडिकल इंजीनियरिंग है।

13. **डॉ. मौसमी बसु**

सह आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, कोलकाता। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा / सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

14. **डॉ. विट्ठल कुमार मल्लेशी बेतीगेरी**

आचार्य, हृदय व वक्ष रोग शल्य चिकित्सा विभाग, जी. बी. पंत अस्पताल, नई दिल्ली-110003। उनकी विशेषज्ञता हृदय व वक्ष रोग शल्य चिकित्सा है।

15. **डॉ. शाल्मोली भट्टाचार्य**

सह आचार्य, कमरा नंबर 518, जैव भौतिकी विभाग, अनुसंधान ब्लॉक बी, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, सेक्टर 12, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता जैव भौतिकी है।

16. **डॉ. गीतांजलि चिलकोटी**

सह आचार्य, विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज और गुरू तेग बहादुर अस्पताल, दिलशाद गार्डन, दिल्ली-110095। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

17. **डॉ. कुंजंग चोसडोल**

अपर आचार्य, जैव रसायन विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन विज्ञान है।

18. **डॉ. राजीव कुमार चुग**

वरिष्ठ सलाहकार, एंडोडोंटिस्ट और रोगनाशक दंत चिकित्सक, निज अभ्यास, डॉ. चुग दंत केंद्र, डब्ल्यू एस, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली-110048। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

19. **डॉ. रश्मि रंजन दास**

सहायक आचार्य, बाल रोग विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, सिजुआ, भुवनेश्वर-751019। उनकी विशेषज्ञता बाल रोग विज्ञान है।

20. **डॉ. महेश देवनानी**

सहायक आचार्य, कमरा 2087, नया ओपीडी ब्लॉक, अस्पताल प्रशासन विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उनकी विशेषज्ञता अस्पताल प्रशासन है।

21. **डॉ. अभिनव दीक्षित**

सह आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बासनी, जोधपुर-342005। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

22. **डॉ. शिल्पी गुप्ता दीक्षित**

सह आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बासनी, जोधपुर-342005। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

23. **डॉ. दीपक गोयल**

आचार्य, काय चिकित्सा विभाग, हिमालयन आयुर्विज्ञान संस्थान, दोइवाला, जॉली ग्रांट, देहरादून-248140। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

24. **डॉ. अजय गुलाटी**

सहायक आचार्य, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

25. **डॉ. माधवी माथुर गुप्ता**

आचार्य, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और लोकनायक अस्पताल, नई दिल्ली-110049। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

26. **डॉ. नीरज गुप्ता**

सहायक आचार्य, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर-342005। उनकी विशेषज्ञता बाल रोग विज्ञान है।

27. **डॉ. पल्लव गुप्ता**

सह सलाहकार, विकृति विज्ञान विभाग, सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली-110060। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

28. **डॉ. पूजा गुप्ता**

सहायक आचार्य, भेषजगुण विज्ञान विभाग, चौथा तल, शैक्षिक ब्लॉक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029। उनकी विशेषज्ञता भेषजगुण विज्ञान है।

29. **डॉ. रवि गुप्ता**

सह आचार्य (2013-2015), मनोरोग विज्ञान विभाग एवं निद्रा क्लिनिक, हिमालयन आयुर्विज्ञान संस्थान, दोइवाला, जॉली ग्रांट, देहरादून-248140। उनकी विशेषज्ञता मनोरोग विज्ञान है।

30. **डॉ. स्मृति हरि**

अपर आचार्य, विकिरण विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029। उनकी विशेषज्ञता विकिरण विज्ञान है।

31. **डॉ. काना राम जाट**

सहायक आचार्य, बालरोग विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029। उनकी विशेषज्ञता बालरोग विज्ञान है।

33. **डॉ. सुजाता जेटली**

आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, हमदर्द चिकित्सा एवं अनुसंधान संस्थान, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली 110019। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

33. **डॉ. विवेका पी. ज्योत्सना**

अपर आचार्य, अंतःस्त्राविकी एवं चयापचय विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली -110029। उनकी विशेषज्ञता मधुमेह रोग विज्ञान और अंतःस्त्राविकी है।

34. **डॉ. मनीष कक्कड़**

वरिष्ठ लोक स्वास्थ्य विशेषज्ञ, भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिष्ठान, बिल्डिंग 47, सेक्टर 44, गुड़गांव-122002। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा / सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

35. **डॉ. नमिता कालरा**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, बाल दंत चिकित्सा और निवारक दंत चिकित्सा विभाग, विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज और जीटीबी अस्पताल, दिलशाद गार्डन, दिल्ली-110095। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

36. **डॉ. मनदीप कांग**

आचार्य, विकिरण निदान एवं इमेजिंग विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

37. **डॉ. इंशाद अली खान**

मुख्य वैज्ञानिक, नैदानिक सूक्ष्म जैव विज्ञान प्रभाग, सीएसआईआर- समेकित चिकित्सा संस्थान, कनाल रोड, जम्मू-180001। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

38. **डॉ. शहजादा मोहम्मद सलीम खान**

सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सामाजिक और निवारक चिकित्सा विभाग (सामुदायिक चिकित्सा), शासकीय मेडिकल कॉलेज, श्रीनगर-190010। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा / सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

39. **डॉ. चंद्र मोहन कुमार**

सहायक आचार्य, बालरोग विज्ञान विभाग, हमदर्द आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान, जामिया हमदर्द, हमदर्द नगर, नई दिल्ली- 110062। उनकी विशेषज्ञता बालरोग विज्ञान है।

40. **डॉ. वनिता लाल**

सह आचार्य, जैव रसायन विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बासनी, जोधपुर-342005। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन विज्ञान है।

41. **डॉ. ललिता के.**

सह आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, एम. एस. रमैय्या मेडिकल कॉलेज, बेंगलुरू-560054। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा / सामाजिक और निवारक चिकित्सा है ।

42. **डॉ. संजीव लालवानी**

अपर आचार्य, न्याय चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029। उनकी विशेषज्ञता न्याय चिकित्सा है।

43. **डॉ. मधुसूदन के. एस.**

सहायक आचार्य, विकिरण निदान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

44. **डॉ. पूर्वा माथुर**

अपर आचार्य, प्रयोगशाला चिकित्सा, ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली-110029। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

45. **डॉ. अखिल मेहरोत्रा**

वरिष्ठ सलाहकार, हृद्य रोग विज्ञान फोर्ड अस्पताल, मुख्य सलाहकार गैर इनवेसिव हृद्य रोग विज्ञान, प्रकाश हृद्य क्लिनिक प्रकाश डायग्नोस्टिक केंद्र व हृद्य स्टेशन, डीएमआर, भारतीय जीवन बीमा निगम, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता हृद्य रोग विज्ञान है।

46. **डॉ. सोमनाथ मुखर्जी**

सहायक आचार्य, रक्ताधान चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, सिजुआ, पटरापदा, भुवनेश्वर-751019। उनकी विशेषज्ञता रक्ताधान चिकित्सा है।

47. **डॉ. अरूणा निगम**

सह आचार्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, हमदर्द आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान, जामिया हमदर्द, हमदर्द नगर, नई दिल्ली- 110062। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

48. **डॉ. निधि बिद्युत पांडा**

आचार्य, संवेदनाहरण एवं गहन देखभाल विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, सेक्टर 12, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

49. **डॉ. शांतनु पांडे**

आचार्य, सीवीटीएस विभाग, शैक्षिक सी ब्लॉक, मुख्य अस्पताल बिल्डिंग, संजय गाँधी स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, रायबरेली रोड, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता हृदय एवं वक्ष रोग शल्यचिकित्सा है।

50. **डॉ. मुन्ना लाल पटेल**

सहायक आचार्य, काय चिकित्सा विभाग, आयुर्विज्ञान संकाय, किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

51. **डॉ. आर. इंद्रा प्रियदर्शिनी**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, विनायक मिशन किरुपनान्दा वरियार मेडिकल कॉलेज, सलेम, तमिलनाडु। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

52. **डॉ. बबिता रघुवंशी**

सहायक आचार्य, रक्ताधान चिकित्सा विभाग एवं रक्त बैंक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, सिजुआ, पटरापदा, भुवनेश्वर-751019। उनकी विशेषज्ञता रक्ताधान चिकित्सा है।

53. **डॉ. प्रत्यूष रंजन**

सलाहकार, नेत्र रोग विज्ञान विभाग, शहीद भगत सिंह नेत्र अस्पताल, बरेली। उनकी विशेषज्ञता नेत्र रोग विज्ञान है।

54. **डॉ. शालिनी राव**

अपर आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश, उत्तराखंड-249201। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

55. **डॉ. नीरज संदुजा**

निदेशक एवं वरिष्ठ सलाहकार, दिल्ली रेटिना केंद्र, 4802/24, भगत राम मार्ग, दरियागंज, दिल्ली- 110002। उनकी विशेषज्ञता नेत्र रोग विज्ञान है।

56. **डॉ. एस. एन. संखवार**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, मूत्र रोग विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ-226003। उनकी विशेषज्ञता मूत्र रोग विज्ञान है।

57. **डॉ. पिकी सक्सेना**

आचार्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज एवं सुचेता कृपलानी अस्पताल, नई दिल्ली- 110001। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

58. **डॉ. रोहित सक्सेना**

अपर आचार्य, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्ररोग विज्ञान केंद्र, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली- 110029। उनकी विशेषज्ञता नेत्ररोग विज्ञान है।

59. **डॉ. वर्तिका सक्सेना**

अपर आचार्य, सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश, उत्तराखंड-249203। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा / सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

60. **डॉ. निर्भय सिंह**

सहायक आचार्य, प्रोन्नत नेत्र केंद्र, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, सेक्टर - 12, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता आण्विक विज्ञान है।

61. **डॉ. नताशा सिंह**

वरिष्ठ सलाहकार और अनुभाग समन्वयक तथा डीएनबी शिक्षक, नाभिकीय औषधि और पीईटी-सीटी विभाग, पीडी हिंदुजा राष्ट्रीय अस्पताल और चिकित्सा अनुसंधान केंद्र माहिम, मुंबई 400016। उनकी विशेषज्ञता नाभिकीय औषधि है।

62. **डॉ. मनफूल सिंघल**

सहायक आचार्य, विकिरण निदान एवं इमेजिंग विभाग, नेहरू अस्पताल, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, सेक्टर - 12, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

63. **डॉ. प्रवीण राजाशेखर शाहापुर**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग, बलदिया विश्वविद्यालय, श्री बी. एम. पाटिल मेडिकल कॉलेज, बीजापुर-586103। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्मजैव विज्ञान है।

64. **डॉ. साधना शर्मा**

आचार्य, जैव रसायन विज्ञान विभाग, अनुसंधान ब्लॉक ए, कमरा नं. 329. स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, सेक्टर - 12, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन विज्ञान है।

65. **डॉ. उमा शर्मा**

सहायक आचार्य, एनएमआर एवं एमआरआई विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली- 110029। उनकी विशेषज्ञता जैव भौतिकी है।

66. **डॉ. सोहन लाल सोलंकी**

सहायक आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, टाटा मेमोरियल केंद्र, परेल, मुंबई-400012। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

67. **डॉ. देवेंद्र कुमार वत्सल**

निदेशक एवं वरिष्ठ सलाहकार, तंत्रिका शल्य विज्ञान विभाग, आइकॉन अस्पताल, जानकीपुरम, लखनऊ-226021। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका शल्य विज्ञान है।

68. **डॉ. माया वेदमूर्ति**

परामर्शदाता, त्वचा रोग विज्ञानी, अपोलो अस्पताल, चेन्नई। उनकी विशेषज्ञता त्वचा रोग विज्ञान एवं रतिजरोग विज्ञान है।

69. **डॉ. लीना वर्मा**

वरिष्ठ सहायक आचार्य, बाल दंत चिकित्सा विभाग, डॉ. हरवंश सिंह जज दंत विज्ञान संस्थान, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

70. **डॉ. मनदीप के. वालिया**

सहायक आचार्य, बाल रोग विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता बाल रोग विज्ञान है।

एमएनएएमएस

विनियमन-V के अंतर्गत अकादमी की सदस्यता-जिन उम्मीदवारों ने राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा संचालित परीक्षा उत्तीर्ण की है और जिनका नाम सदस्यता (एनएनएएमएस) के लिए विधिवत प्रस्तावित किया गया है।

विनियमन- V निम्नानुसार प्रदान करता हैः

> **'वे उम्मीदवार, जो राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा संचालित परीक्षा उत्तीर्ण कर लेते हैं, वे राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के सदस्य के रूप में प्रवेश के लिए व्यक्तिगत रूप से आवेदन प्रस्तुत करेंगे। उनका नाम अकादमी के कम से कम एक अध्येता द्वारा विधिवत प्रस्तावित किया गया हो तथा उम्मीदवार के चरित्र एवं आचरण को सत्यापित किया गया हो। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी की परिषद् के अनुमोदन के आधार पर उम्मीदवार को एककालिक 7000/- रुपये के आजीवन सदस्यता शुल्क (1000/- रुपये के प्रवेश शुल्क सहित) अथवा समय-समय पर यथा-प्रभारित शुल्क तथा दायित्व बंधयपत्र के निष्पादन के बाद अकादमी के सदस्य के रुप में भर्ती किया जाएगा।'**

तदनुसार, उम्मीदवारों के अनुरोध पर अकादमी द्वारा आवेदन प्रपत्रों को जारी किया गया।

निम्नलिखित उम्मीदवार, जिन्होंने उपर्युक्त श्रेणी के अधीन अकादमी की सदस्यता (एमएनएएमएस) के लिए आवेदन किया था और जिन्हें विनियमन-V के अधीन यथानिर्दिष्ट कम से कम एक अध्येता (फेलो) द्वारा विधिवत प्रस्तावित किया गया था, के नामों को परिषद् के समक्ष विचारार्थ दिनांक 4 अगस्त, 2015 को और 23 सितंबर, 2015 को आयोजित बैठक में रखा गया। परिषद ने उसे अनुमोदित किया।

दिनांक 4 अगस्त, 2015 को आयोजित परिषद की बैठक में अनुमोदित नाम

1	डॉ. साइमा जावेद
2	डॉ. समीर एस.
3	डॉ. पद्मिनी सी.
4	डॉ. बीजूमॉन ए वी
5	डॉ. वेंकटचलम जे.

6	डॉ. वनिता अन्ना सेल्वी
7	डॉ. मंजीत सरमा
8	डॉ. चिन्मय बी. कुलकर्णी
9	डॉ. जलंधारा भारती राघवभाई
10	डॉ. अमृत के. एच.

11	डॉ. एम. मनोज
12	डॉ. बंसल रोहन घनश्याम
13	डॉ. पांडेय मीरा जयगोविंद
14	डॉ. वर्षा विद्याधरन
15	डॉ. संदीप बनर्जी
16	डॉ. वीरन्ना लोकपुर
17	डॉ. पाटिल रविंद्र
18	डॉ. विनय राघवेंद्र एच.
19	डॉ. सुरेश कुमार
20	डॉ. राठी मोहित बालकिशन
21	डॉ. देबाशीष दास अधिकारी
22	डॉ. इंदु भूषण दुबे
23	डॉ. बी. रेणुका
24	डॉ. एन. सुरेश खन्ना
25	डॉ. प्रीति गोयल
26	डॉ. स्वाति जुगलकिशोर लोहिया
27	डॉ. मितुल अभयकुमार शाह
28	डॉ. अनुभव गोयल
29	डॉ. भादाने नीलेश सुभाष
30	डॉ. देशमुख श्रद्धा विजय
31	डॉ. जिनेन मुकेशभाई शाह
32	डॉ. सिंह अभिषेक गजेंद्र
33	डॉ. शाह सागर कीर्तिभाई
34	डॉ. सुब्बालक्ष्मी एस.
35	डॉ. श्रीनिधि आई. एस.
36	डॉ. जयकुमार एस.
37	डॉ. शर्मा देव ज्योति ओ.
38	डॉ. दिनेश के. एम.

39	डॉ. लोहिया कविता जुगलकिशोर
40	डॉ. जाबीद पी.
41	डॉ. कृष्णेंदु गोस्वामी
42	डॉ. अनुवती नाग
43	डॉ. त्रिनाथ डैश
44	डॉ. अरुल डैनियल ए.
45	डॉ. शिंदे अभिषेक त्रयम्बक
46	डॉ. नीतू मिश्रा
47	डॉ. वाइकिंग भानू
48	डॉ. सैयद फैज़ल सी.
49	डॉ. मुरारका अचिन कैलाश
50	डॉ. अग्रवाल राखी श्यामसुंदर
51	डॉ. मोहम्मद हर्षद एच.
52	डॉ. अब्दुल हादी शरीफ
53	डॉ. कविता पवित्रन
54	डॉ. मुनीश कुमार गुप्ता
55	डॉ. राम राज आर.
56	डॉ. आनंद मिश्रा
57	डॉ. शिल्पा तिवारी
58	डॉ. बोरीचा यश भानजी
59	डॉ. महालक्ष्मी टी.
60	डॉ. विनोद कुमार के.
61	डॉ. राजीव कुमार सेठिया
62	डॉ. प्रीति बघेल
63	डॉ सुरनरे कैलाश रामाराव
64	डॉ संतोष कुमार एम.
65	डॉ नाबीद एन. पी. आर.
66	डॉ नीतू भरी

67	डॉ दिलीप कुमार सामल
68	डॉ क्लिमेंट विल्फ्रेड डी.
69	डॉ कोंथौजम शफाबा सिंह
70	डॉ शमीम जी. एम.
71	डॉ प्रियंका सेठी
72	डॉ जुब्बीन जगन जैकब
73	डॉ वैद्य आनंद शरद
74	डॉ परमार भाविक शांतिभाई
75	डॉ. मुकेश कुमार
76	डॉ. कोकिल गौतमी मुकुंद
77	डॉ. विवेक मैथ्यू
78	डॉ. विभा सूद
79	डॉ. तनु मिधा
80	डॉ. भोला नाथ
81	डॉ. तरुण एस.
82	डॉ. सान्याल ए. अंजनकुमार
83	डॉ. राम नारायण
84	डॉ. जुनैद नसीम मलिक
85	डॉ. रुचि गर्ग
86	डॉ. अश्विन एन.
87	डॉ. देसाई जिगर किशोरचंद्र
88	डॉ. नताशा सिंह
89	डॉ. मुगुंथन नारायणपेरूमल
90	डॉ. प्रेम कुमार बत्तीना
91	डॉ. सिंह कुलवंत उपकार
92	डॉ. दयानंदस्वामी
93	डॉ. बागड़े अभिजीत अनंत
94	डॉ. नजमुद्दीन मनप्पट्टप

95	डॉ. अंजन कुमार धूना
96	डॉ. शेवड़े रहूटा राजाराम
97	डॉ. निंबोलकर जनार्दन गणु
98	डॉ. शालिनी मल्होत्रा
99	डॉ. अंकुर शर्मा
100	डॉ. जयपुरिया अभिषेक संतोष
101	डॉ. इलामुरूगन टी. पी.
102	डॉ. चौधरी हरेश Fatesinh
103	डॉ. नित्यानंद राव पाटिल
104	डॉ. रीतिका
105	डॉ. प्रभु जी.
106	डॉ. अब्दुल रसिक थाचोरथ
107	डॉ. धनशेखरप्रभु टी. बी.
108	डॉ. कुंदन मिश्रा
109	डॉ. निकेश एच.
110	डॉ. अब्दुल वदूद मोहम्मद
111	डॉ. श्रीकंठ राठी
112	डॉ. लक्ष्मी पी. मूर्ति
113	डॉ. दिनेश कुमार गोयल
115	डॉ. गुड़े दिलीप चंद्र
116	डॉ. शेख मो. सिकंदर मो. मासूम
116	डॉ. प्रसाद टी. वी.
117	डॉ. संजय एम. एच.
118	डॉ. फरहान उल हक
119	डॉ. इंदिरा एम.
120	डॉ. पी. कासी कृष्णा राजा
121	डॉ. जावेद हुसैन फारूकी
122	डॉ. तरूणा यादव

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

123	डॉ. सोमाशरण एस. बेतेगरी
124	डॉ. भारती देवनानी
125	डॉ. विष्णुकांत जी.
126	डॉ. वी. एस. हरिप्रसाद
127	डॉ. राज कपूर
128	डॉ. नागराज अशोक देसाई
129	डॉ. बबिता ए. एम.
130	डॉ. फ़िरोज़ ख़ान
131	डॉ. मिधुन रमेश
132	डॉ. जिपु पुरुषोत्तमन
133	डॉ. राजेश सरदाना
134	डॉ. मिताली कार
135	डॉ. सतीश पवार
136	डॉ. संदीप गोपीनाथ हुइलगोल
137	डॉ. तहमीना एस.
138	डॉ. मोहम्मद सैफ खान
139	डॉ. रविंद्र सिंह
140	डॉ. अंकेश राजू साहेत्या
141	डॉ. शाह रितेश मनेशकुमार
142	डॉ. विशाल अरोड़ा
143	डॉ. श्वेता एम. पवार
144	डा अश्विनी कुमार
145	डॉ. कुदुमुला चरण रेड्डी कवेंकटरामी
146	डॉ. बंसल कुणाल रमेश
147	डॉ. एल. एम. चंद्र शेखर राव एस.
148	डॉ. शर्मा राकेश मणिलाल
149	डॉ. गुरविंदर सिंह

150	डॉ. अमित शर्मा
151	डॉ. दिव्या सिंह
152	डॉ. अनु जॉन
153	डॉ. जियोबी पॉल
154	डॉ. अंकुर कटारिया
155	डॉ. कविता सोनी
156	डॉ. कदम निकित दत्ता
157	डॉ. मुरली एस. एम.
158	डॉ. नितिन बिथर
159	डॉ. अर्घ्य बसु
160	डॉ. सनप मनोज मारुति
161	डॉ. भंडारी निखिल भागचंद
162	डॉ. पटेल भाविककुमार हसमुखलाल
163	डॉ. सुधाकर आर.
164	डॉ. पिल्लई अवनि गोपालकृष्ण
165	डॉ. आशीष शर्मा
166	डॉ. के. बीना
167	डॉ. रवि कुमार एन.
168	डॉ. हरि निवास पी एस
169	डॉ. चेतना टंडन
170	डॉ. सत्यमनसा गायत्री विनय एस.
171	डॉ. तपूरिया अभिषेक कमलकुमार
172	डॉ. जैन मिखिल विजय
173	डॉ. सतीश कुमार एम.
174	डॉ. बरनी आर.
175	डॉ. कुमार वी. एस. वी.
176	डॉ. वेलुमुरूगन एस.

177	डॉ. सुधाकरन एम.
178	डॉ. खान मिस्बाह शाह आलम
179	डॉ. सुपे अमित चंद्रकांत
180	डॉ. अरिजीत दास
181	डॉ. माधवे अमोल अशोक
182	डॉ. पाटिल अक्षयदीप संभाजीराव
183	डॉ. आर. राजगोपालन
184	डॉ. नांबियार प्रगति उन्नीकृष्णन
185	डॉ. डी. राजेश बाबू
186	डॉ. मीनू बरारा
187	डॉ. जयभाई अमोल प्रल्हादराव
188	डॉ. इंदुबाला मौर्य
189	डॉ. गायकवाड़ विवेक रंगनाथ
190	डॉ. पीयूष मिश्रा
191	डॉ. घोरपड़े कपिल रावासो
192	डॉ. पी. रविकुमार
193	डॉ. बीजू बाबू
194	डॉ. नित्या जे.
195	डॉ. अनिमेष रे
196	डॉ. साउजी पीयूष प्रदीप
197	डॉ. कुमार कौशिक डैश
198	डॉ. कविता बिशेरवाल
199	डॉ. शिवकुमार एस. पी.
200	डॉ. अनिल लोहार
201	डॉ. चंद पाशा बी.
202	डॉ. कुलकर्णी सुयश सुरेशचंद्र
203	डॉ. नितिन सुधाकर शेट्टी
204	डॉ. अरूलप्रकाश

205	डॉ. उदयसन चेरायिल नानू
206	डॉ. विद्यासागर मुरलीमोहन सिस्तला
207	डॉ. चौधरी स्वाति
208	डॉ. दिव्या जोस
209	डॉ. अंशुल गोयल
210	डॉ. नितिन जी. पाई
211	डॉ. कलारीकक्ल नराबृन राजेश
212	डॉ. मूलचंदानी रेशम दर्शन
213	डॉ. पाटिल मयूर मधुकर
215	डॉ. पोपलवाल हर्षानंद जनार्धनराव
216	डॉ. धान्या टी. एच.
216	डॉ. भावना गोयल
217	डॉ. निशांत जैन
218	डॉ. पाटिल अनुराधा जगदीश
219	डॉ. सोमशेखरप्पा बी. कडुर
220	डॉ. साहू सौरभ
221	डॉ. स्कंद बाहरे
222	डॉ. प्रीतेश चौधरी
223	डॉ. लोटलीकर श्रेया आनंद
224	डॉ. प्रभु तनय रामचंद्र
225	डॉ. सुप्रिया मलिक
226	डॉ. तंकसले श्रीदेवी जयंत
227	डॉ. महेश चंद्र
228	डॉ. विग्नेश कुमार सी.
229	डॉ. कादे महेश रामचंद्र
230	डॉ. ओम प्रकाश गुप्ता
231	डॉ. राजेश अरोड़ा

232	डॉ. तेजिंदर कौर
233	डॉ. कालशेट्टी अश्विनी अशोक
234	डॉ. मोहम्मद अब्दुल बसीर
235	डॉ. चानना गौरव
236	डॉ. मेघा प्रुथी
237	डॉ. राजू एल. हादीमानी
238	डॉ. गीतांजलि एस. वर्मा
239	डॉ. सौरभ गुप्ता
240	डॉ. अमल श्याम
241	डॉ. आलोक कुमार गुप्ता
242	डॉ. सुमन पोद्दार
243	डॉ. अनिलकुमार वी.
244	डॉ. सोनवणे अतुल अरुण
245	डॉ. शुभ्रा अग्रवाल
246	डॉ. कार्तिक कृष्ण भट्ट एस. वी.
247	डॉ. बसप्पा सुभाष हूगर
248	डॉ. शिवराज एस.
249	डॉ. देधिया विक्की कुशलचंद
250	डॉ. रितेश जॉर्ज मेनेजीस
251	डॉ. एलिजाबेथ जोसेफ
252	डॉ. मुरलीधर एस.
253	डॉ. सविता लासराडो
254	डॉ. सैयद मुइनूद्दीन
255	डॉ. सूर्या जयति चौधरी
256	डॉ. अनुजा थॉमस
257	डॉ. नूर मोहम्मद
258	डॉ. रूपा प्रसाद
259	डॉ. अमित बानिक

260	डॉ. मुरली मोहन सोमा
261	डॉ. सरावगी मोहित राजेंद्र
262	डॉ. दोदुल मंडल
263	डॉ. महिमा अग्रवाल
264	डॉ. अंजना एम. वी.
265	डॉ. नवप्रीत अरोड़ा
266	डॉ. विजयश्री जी.
267	डॉ. अजिता वेदामणिक्कम
268	डॉ. फ्रांसिस एन. पी. मोंटोरियो
269	डॉ. दीपन्विता दत्ता
270	डॉ. शालू गर्ग
271	डॉ. आनंद कुमार
272	डॉ. विजय कुमार सिन्हा
273	डॉ. मनु एम. एस.
274	डॉ. महाजन अभिषेक सुरेश
275	डॉ. दीपक गोयल
276	डॉ. मोइदु शमीर के. पी.
277	डॉ. सुंदर मैथ्यू
278	डॉ. सावनकर शीतल गोविंद
279	डॉ. कमला आर.
280	डॉ. देवराज नाइक के.
281	डॉ. आनंद एम. एस.
282	डॉ. राहुल पोद्दार
283	डॉ. कार्तिक राम मोहन
284	डॉ. दर्शककुमार दीपकभाई मकाड़िया
285	डॉ. परसेवर सुमित सुरेश
286	डॉ. गरिमा मिश्रा

287	डॉ. तनुश्री साहू
288	डॉ. पारुल जैन
289	डॉ. नीतू सैनी
290	डॉ. अंकित चावला
291	डॉ. अग्रवाल आशीष राकेश
292	डॉ. विनीत धवन
293	डॉ. गिंडोडिया पल्लवी घनश्यामदास
294	डॉ. सौरभ गर्ग
295	डॉ. रोहित कुमार
296	डॉ. राहुल मोहन
297	डॉ. रविंद्र जी. आर.
299	डॉ. तंडेल कौशिक मणिलाल
299	डॉ. गिलितवाला नम्रता मनहरलाल
300	डॉ. मोहन अभिनव अमरनाथ

301	डॉ. उचाले सतीश बंशी
302	डॉ. निशा विलास फदतरे
303	डॉ. पंसारे निखील वसंत
304	डॉ. मोहित गुप्ता
305	डॉ. मेहता चिंतन हर्षद
306	डॉ. पाटिल प्रकाश विश्वनाथ
307	डॉ. सालुंके मकरंद सुधाकर
308	डॉ. मनीष कुमार शर्मा
309	डॉ. सिन्नारकर श्रीकला सतीश
310	डॉ. काकातकर सागर विवेक
311	डॉ. एस. सैयद अली
312	डॉ. नीलमणि माथुर
313	डॉ. इश्तियाक अब्दुल्ला
314	डॉ. पांखुड़ी जौहरी
315	डॉ. श्रद्धा सिंह

दिनांक 23 सितंबर, 2015 को आयोजित परिषद की बैठक में अनुमोदित नाम

1	डॉ. विनीत कुमार गुप्ता
2	डॉ. नीरज चंद्रा
3	डॉ. अहमद गनई मुश्ताक
4	डॉ. अंकित रूहेला
5	डॉ. अनुमेह जोशी
6	डॉ. यादव ब्रजेशकुमार मुनिलाल
7	डॉ. चते सोमेश्वर वेंकटराव
8	डॉ. मिश्रा ज्ञानशंकर प्रफुल्लकुमार
9	डॉ. चंद्रशेखर देबनाथ

10	डॉ. शिल्पी सचदेव
11	डॉ. सोनाली बजाज
12	डॉ. प्रसन्ना एल. सी.
13	डॉ. जीविता के. जे.
14	डॉ. वंदना
15	डॉ. उदित चौहान
16	डॉ. दीप्ति अग्रवाल
17	डॉ. वेदांग शाह
18	डॉ. भलोटिया अमित राजेंद्र प्रसाद

19	डॉ. अंजू गुप्ता
20	डॉ. श्रुति श्रीवास्तव
21	डॉ. मोहित बिहानी
22	डॉ. राहुल इलापरमभट्ट
23	डॉ. गोर संदीप तुकरामजी
24	डॉ. अभिलाष एलेक्स फ्रांसिस
25	डॉ. फर्डिनेन्ट जे.
26	डॉ. सूजा पी. सुकुमार
27	डॉ. अर्जुन
28	डॉ. जिस जोसेफ पनक्कल
29	डॉ. हिंदुस्तान वाला मोहम्मद अदनान
30	डॉ. गुलाब ट्रेसा जॉर्ज
31	डॉ. सतीश जैकब
32	डॉ. आशुतोष अजारी अरविंद
33	डॉ. निकुंज अग्रवाल
34	डॉ. शांताकुमारी निशा
35	डॉ. सरावगी आकाश अशोक
36	डॉ. शिवानी कोचर
37	डॉ. लाल चंद डागा
38	डॉ. पवन कुमार
39	डॉ. सनीज कान्हीरत
40	डॉ. शेवाले योगेश देवीदास
41	डॉ. मृगांक मौली साहा
42	डॉ. एम. एस. विजयलक्ष्मी
43	डॉ. चेरालथन एस.
44	डॉ. अग्रवाल पायल धनेश

45	डॉ. अग्रवाल सौरभ ज्वालाप्रसाद
46	डॉ. तैवड़े समीर कमलाकर
47	डॉ. शैलेंद्र तुकाराम पाटिल
48	डॉ. मनोज गुप्ता
49	डॉ. गौरव गर्ग
50	डॉ. तरूणिका गुप्ता
51	डॉ. बंसल शैफाली
52	डॉ. प्रियंका सुहाग
53	डॉ. प्रभजोत मनचंदा
54	डॉ. निधि भटनागर
55	डॉ. रूपम जैन
56	डॉ. अरुल जोठी वी.
57	डॉ. शिजीथ के. पी.
58	डॉ. उद्दानदम राजेश
59	डॉ. संध्या बी.
60	डॉ. सुधींद्र एम. राव
61	डॉ. कृष्णा कुंकुमल्ला
62	डॉ. माने शशिकांत रघुनाथ
63	डॉ. नीतू मोहन
64	डॉ. थाली पुनीत रमेश
65	डॉ. जोशी अमिता
66	डॉ. सुधाकर टी.
67	डॉ. जसमीत सिंह
68	डॉ. मेघा गुप्ता
69	डॉ. संदीप पी. के.
70	डॉ. विजयराघवन आर. एल.

71	डॉ. राजेश गायकवाड़
72	डॉ. बदौले मनोज पंचम
73	डॉ. वी. यू. जगदीशवरम्
74	डॉ. संजय सतरावल
75	डॉ. पार्थ प्रतिम चक्रवर्ती
76	डॉ. किरणजीत कौर
77	डॉ. शेवगन पवन सरदारसिंह
78	डॉ. अरुण कुमार यादव
79	डॉ. रंजीता कुमारी
80	डॉ. रंजीत पी.
81	डॉ. शिंगी श्वेता रतिलाल
82	डॉ. जितेंद्र कुमार पांडेय
83	डॉ. आदर्श यू.
84	डॉ. सैयद नवाज अहमद
85	डॉ. एस. रेणु बाला
86	डॉ. नम्रता नरेंद्र जाधव
87	डॉ. आशीष गर्ग
88	डॉ. लापशिया विशाल शांतिलाल
89	डॉ. बोरकर निखिलेश रामकृष्ण
90	डॉ. आसिफ एन. इकबाल
91	डॉ. सिद्धार्थ सरकार
92	डॉ. चोरादिया पूजा लीलम

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

अकादमी की सूची में अध्येता/सदस्य

	मानद अध्येता	अध्येता एफएएमएस	सदस्य एमएएमएस	सदस्य एमएनएएमएस
दिनांक 31.03.2015 की यथास्थिति	3	866	1,772	4382
दिवंगत (2015-2016 की अवधि के दौरान)	-	(-) 15	(-) 2	-
वर्ष 2015 में निर्वाचित	-	(+) 25*	(+) 70	-
वर्ष 2015 में सदस्यगण जिन्हें अध्येतावृत्ति को प्रोन्नत किया गया	-	-	(-) 11	-
वर्ष 2015 में डीएनबी परीक्षा में अर्हता प्राप्त करने के बाद विनियमन-V द्वारा प्रवेश दिए गए सदस्य	-	-	-	407
दिनांक 31.03.2016 की यथास्थिति रोल पर	**3**	**876**	**1,829**	**4,789**

* इसमें अध्येतावृत्ति को प्रोन्नत 11 सदस्य सम्मिलित हैं।

चिकित्सा वैज्ञानिकों का व्याख्यान तथा पुरस्कार के लिए नामांकन-2015-16

व्याख्यान तथा पुरस्कार समिति की सिफारिशों के आधार पर परिषद् ने वर्ष 2015-16 के लिए निम्नलिखित वैज्ञानिकों को व्याख्यान तथा पुरस्कार प्रदान करना अनुमोदित कियाः

व्याख्यान	
डॉ. अचंता लक्ष्मीपति व्याख्यान	डॉ. एलियम्मा मैथ्यू, एफएएमएस आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, कैंसर महामारी विज्ञान एवं जैवसांख्यिकी प्रभाग, क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, त्रिवेंद्रम-695011।
व्याख्यान का शीर्षक	“महिलाओं में कैंसर”
डॉ. वी.आर. खानोल्कर व्याख्यान	डॉ. देबब्रत दाश, एफएएमएस आचार्य, जैव रसायन विभाग, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी-221005, उत्तर प्रदेश।
व्याख्यान का शीर्षक	"नेनोपदार्थों के जैव चिकित्सा अनुप्रयोग: घनास्त्रता विकारों का निदान और चिकित्सा"

डॉ. कर्नल संघम लाल स्मारक व्याख्यान	डॉ. विस्वेसर भट्टाचार्य, एफएएमएस पूर्व विभागाध्यक्ष, प्लास्टिक सर्जरी विभाग, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी-221005, उत्तर प्रदेश।
व्याख्यान का शीर्षक	"पुनर्निर्माण सर्जरी के लिए ऊतक स्थानांतरण में गहरी प्रावरणी के समावेश की प्रायोगिक और नैदानिक साक्ष्य-आधारित तार्किकता"

डॉ. बलदेव सिंह व्याख्यान	डॉ संजीव वी. थॉमस, एफएएमएस आचार्य, तंत्रिका विज्ञान एवं अध्यक्ष, आर. माधवन नायर समेकित मिर्गी देखभाल केंद्र, तंत्रिका विज्ञान विभाग श्री चित्रा तिरुनल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेंद्रम-695011, केरल।
व्याख्यान का शीर्षक	“मिर्गी पीड़ित महिलाओं में प्रजनन समस्याएं”

डॉ. आर.वी. राजम व्याख्यान	डॉ. राजेश कुमार, एफएएमएस आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सामुदायिक चिकित्सा विभाग एवं जन स्वास्थ्य विद्यालय, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012।
व्याख्यान का शीर्षक	"एचआईवी / एड्स की रोकथाम के लिए

	निगरानी और लक्षित कार्रवाई"

जनरल अमीर चंद व्याख्यान	डॉ. ओ. पी. कालरा, एफएएमएस कुलपति, पं. बी. डी. शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक-124001, हरियाणा।
व्याख्यान का शीर्षक	"मधुमेह अपवृक्कता के आनुवंशिक आधार"

डॉ. एस. जानकी स्मारक व्याख्यान	डॉ. शेफाली गुलाटी, एमएएमएस आचार्य, प्रमुख, बाल तंत्रिका विज्ञान प्रभाग बाल रोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029।
व्याख्यान का शीर्षक	“तंत्रिका विकासात्मक विकारः यात्रा, स्वपन एवं उनकी पूर्ति”

डॉ. प्राण नाथ छुट्टानी व्याख्यान	डॉ. काशी नाथ प्रसाद, एफएएमएस आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, संजय गाँधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ-226015, उत्तर प्रदेश।
व्याख्यान का शीर्षक	"उत्तर भारत के सुअर पालन समुदाय में न्यूरोसिस्टीसरकोसिस बोझ"

पुरस्कार

डॉ. एस. एस. मिश्रा स्मारक पुरस्कार	डॉ. मधुसूदन के. एस. सहायक आचार्य, विकिरण निदान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029।
विषय: "इसोफेजियल कार्सिनोमा के रोगियों में मल्टी-डिटेक्टर कंप्यूटिड टोमोग्राफी इसोफेजोग्राफी की भूमिका"	
डॉ. विमला विरमानी पुरस्कार	डॉ. जगदीशा थिरथल्ली आचार्य, मनोरोग विभाग, निमहांस, बंगलौर-560029, कर्नाटक।
विषय: "प्रतिमनोविकारी उपचारित एवं अनुपचारित सिज़ोफ्रेनिया रोगियों में विकलांगता की प्रक्रिया की संभावित तुलना"	
डॉ. एस.एस. सिद्धू पुरस्कार	डॉ. अशोक कुमार जेना दंत शल्य चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, सिजुआ, पटरापदा, भुवनेश्वर, ओडिशा।
विषय: "विदर ओष्ठ और तालु विकृति वाले वयस्क रोगियों में नाक सूचकांक पर ऊपरी जबड़े के विकर्षण अस्थिजनन के दीर्घकालिक प्रभाव"	
डॉ. विनोद कुमार भार्गव पुरस्कार	डॉ. गणेश वेंकटरमन सह आचार्य, मानव आनुवंशिकी विभाग, जैव चिकित्सा विज्ञान, प्रौद्योगिकी

	एवं अनुसंधान महाविद्यालय, श्री रामचंद्र विश्वविद्यालय, पोरुर, चेन्नई - 600116, तमिलनाडु।
विषय: "अग्नाशय के कैंसर में पी21 सक्रिय काइनेज 1 संकेत चिकित्सीय परिणामों को प्रभावित करते हैं"	
डॉ. ए. एस. थाम्बिया पुरस्कार	डॉ. सुनील डोगरा सह आचार्य, त्वचारोग विज्ञान, रतिजरोग विज्ञान एवं कुष्ठरोग विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012।
विषय: "12 माह तक डब्ल्यूएचओ एमडीटी- एमबीआर के साथ उपचारित मल्टीबैसीलरी (एमबी) कुष्ठ रोगियों में नैदानिक विशेषताएं और परिणाम: उत्तरी भारत के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में कुष्ठ रोग क्लिनिक से 730 रोगियों का एक पूर्वव्यापी विश्लेषण"	
डॉ. नन्दगुड़ी सूर्यनारायण राव पुरस्कार	डॉ. केयूर पारिख राव पुरस्कार अध्यक्ष, सिम्स अस्पताल प्राइवेट लिमिटेड, हृदयवक्षीय देखभाल सलाहकार, शुकान मॉल के पास, कार्यालय- साइंस सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060, गुजरात।
विषय: "भारतीय महिलाओं में कोरोनरी धमनी रोग के अद्वितीय पहलू"	

स्वर्ण जयंती स्मारक पुरस्कार व्याख्यान

साख समिति की अनुशंसा के आधार पर और परिषद् की सहमति से, वर्ष के दौरान अध्येता चुने गए सबसे युवा जैवचिकित्सा वैज्ञानिक को अकादमी की वार्षिक सभा में स्वर्ण जयंती स्मारक पुरस्कार व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

डॉ. आशीष सूरी, एफएएमएस आचार्य, तंत्रिकाशल्यविज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, वर्ष 2014 के दौरान अध्येता चुने गए सबसे युवा जैवचिकित्सा वैज्ञानिक थे। उन्होंने 18 अक्तूबर 2015 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना में स्वर्ण जयंती स्मारक पुरस्कार व्याख्यान दिया। उनके व्याख्यान का विषय "तंत्रिकाशल्यविज्ञान में अनुकरण आधारित कौशल प्रशिक्षण और समकालीन शल्य पद्धतियाँ" था।

जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार

परिषद् ने 4 अगस्त, 2015 को आयोजित अपनी बैठक में नियम 34 (डी) के तहत वर्ष 2015 के लिए सेवानिवृत्त एयर मार्शल (डॉ.) एम. एस. बोपाराय, एफएएमएस, को नेत्र विज्ञान सेवाओं एवं चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में व्यावसायिक उत्कृष्टता और नेतृत्व, धैर्य, शैक्षणिक श्रेष्ठता, और व्यावसायिक उत्कृष्टता के गुणों के सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड और उच्च कोटि की विषय विशेषज्ञता को मान्यता देते हुए, जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार प्रदान करने हेतु अनुमोदित किया है। उन्होंने परिषद सदस्य, प्रतिष्ठित आचार्य एव. विभिन्न स्थायी समितियों के सदस्य के रूप में उत्कृष्टता पूर्वक अकादमी की सेवा की है।

इमारत का रख-रखाव

इमारत के रख-रखाव पर होने वाले व्यय की भागीदारी 50:50 आधार पर एनएएमएस और एनबीई द्वारा की जाती है। गृह-सज्जा और सुरक्षा के कार्य संविदा आधार पर सौंपे गए हैं।

नीचे दिए गए विवरण के अनुसार अकादमी का मरम्मत कार्य चार चरणों में किया गया था: -

1. क्षतिग्रस्त छत की मरम्मत, छत की वॉटर प्रूफिंग
2. ओवर हेड टंकी, छज्जा और ग्रिड वाश बनाना व उपलब्ध कराना
3. दूसरी मंजिल के क्षतिग्रस्त जी.आई. और सीवेज पाइप लाइनों की मरम्मत / बदलना

4. पहली मंजिल के शौचालय और सभी सीवेज पाइप लाइनों के जोड़ों का नवीनीकरण आदि।

क्रम संख्या 1, 2 और 4 में उल्लेखित कार्य के लिए निविदाएं अकादमी द्वारा आमंत्रित की गईं थीं और कार्य छांटे गए ठेकेदारों को दिया गया। कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। ऊपर क्रम संख्या 3 से संबंधित कार्य, उनसे प्राप्त सूचना के अनुसार, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा किया गया था।

ऑडियो प्रणाली सभागार भवन में लगाई गई है और चालू है।

भूतल पर लगाया गया एयर कंडीशनर प्लांट स्टार्टर अब एसी प्लांट के साथ जोड़ दिया गया है और अपने नियमित कार्य (चलाना/ बंद करना) के लिए एसी प्लांट का सुचारू रूप से आवश्यकतानुसार परिचालन हो रहा है।

(सभागार इमारत के चित्र के लिए कृपया वार्षिक रिपोर्ट के पृष्ठभाग को देखिए)

वर्ष वृत्तांत (एनल्स) का प्रकाशन

1. राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के वर्ष वृत्तांत पर रिपोर्ट

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर के नैम्स चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान केंद्र को अकादमी की अधिकारिक पत्रिका- राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के वर्ष वृत्तांत के प्रकाशन का अतिरिक्त उत्तरदायित्व सौंपा गया था। जोधपुर में हम 2 वर्षों में वर्ष वृत्तांत के सात अंकों को प्रकाशित करने में सक्षम रहे हैं। ये हैं:

1. स्वर्ण जयंती व्याख्यान, 2013;

2. निद्रा चिकित्सा, 2013;

3. चिकित्सा शिक्षा में अनुसंधान, 2015;

4. जनवरी - जून अंक 2014;

5. जुलाई - दिसंबर 2014;

6. जून - सितम्बर 2015;

7. अक्टूबर - दिसंबर 2015।

2016 का अगला अंक (52 संख्या 1) अब मुद्रण एवं वितरण के लिए तैयार है।

1 अप्रैल 2015 - 31 मार्च 2016 के वित्तीय वर्ष के दौरान वर्ष वृत्तांत के तीन अंकों को प्रकाशित किया गया।

नैम्स कैंप कार्यालय में 23 जनवरी, 2015 को 10.30 बजे एक अनौपचारिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की कार्यसूची पर समयानुसार टेलीकांफ्रेंस और ई-मेल द्वारा चर्चा की गई। वर्ष वृत्तांत के प्रकाशन की निरंतरता सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया और यह निर्णय लिया गया कि जनवरी 2015 के अंक से आकार, स्वरूप और मुख्य पृष्ठ के रंग आदि में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

नैम्स के वर्ष वृत्तांत का मुद्रण: मुद्रण की लागत, लिफाफे की लागत, डाक खर्च आदि सहित वर्ष वृत्तांत की अनुमानित लागत अब तय कर ली गई है।

2. "नियम 26 के अनुसार संपादक और संपादकीय बोर्ड का कार्यकाल 3 वर्ष है। संपादकीय बोर्ड का 2007 में गठन किया गया और 12 जुलाई, 2008 को आयोजित परिषद की बैठक में अनुमोदित किया गया था।" वर्षवृत्तांत का अंतिम अंक अक्टूबर, 2010 में मधुमेह पर प्रकाशित किया गया था तब से वही संपादकीय बोर्ड विद्यमान था परंतु वर्षवृत्तांत का एक भी अंक प्रकाशित नहीं हो पाया। प्रो. जे. एस. बजाज को नैम्स के वर्षवृत्तांत के लिए नया संपादकीय बोर्ड गठित करने के लिए अधिकृत किया गया था। 4 अक्टूबर, 2015 को परिषद की बैठक में प्रस्तुत किए गए नए संपादकीय बोर्ड का समर्थन किया गया और 1 जनवरी, 2015 से प्रभावी हो गया था, वर्षवृत्तांत का पहला अंक जनवरी, 2015 में मुद्रित और वितरित किया गया। जुलाई, 2015 से डॉ. कुलदीप सिंह को सहयोगी संपादक के रूप में नामित किया गया।

3. एम्स, जोधपुर में मुद्रित होने वाले नैम्स के वर्षवृत्तांत के सभी आगामी अंकों को नैम्स चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान केंद्र, जोधपुर द्वारा बिना किसी अतिरिक्त लागत के राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी की वेबसाइट http://annals-nams.in पर इसके वितरण के 3 दिन के भीतर डाल दिया जाएगा।

4. यदि प्रकाशन की अपेक्षित निरंतरता को बनाए रखा जाता है तो अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर में स्थापित नैम्स चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान केंद्र वर्षवृत्तांत के अनुक्रमण के लिए प्रयास करेगा। इसमें कोई लागत नहीं आएगी। यदि हम इस लक्ष्य को प्राप्त करते हैं, तो नैम्स के वर्षवृत्तांत पबमेड (अंतरराष्ट्रीय अनुक्रमण प्रणाली) पर उपलब्ध होंगे। इसके लिए संपादकीय बोर्ड के सभी सदस्यों के उनके डाक पते, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि सहित संपर्क विवरण प्रदान किए जाने की आवश्यकता है। यह एक सार्वजनिक डोमेन में नहीं होगा लेकिन यह संगठन की पूर्व-आवश्यकता है।

5. जब तक पबमेड अनुक्रमण प्राप्त किया जाता है तब तक नैम्स केंद्र कई अन्य ओपन अनुक्रमण प्रणालियों में अनुक्रमण की संभावनाएं खोजेगा जिससे पत्रिका की दृश्यता में विस्तार होगा। हमने निम्नलिखित उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं:

   (क) गूगल विश्लेषिकी सत्यापन किया गया, गूगल खोज में हमारी पत्रिका दूसरे स्थान पर है तथा यह केवल आधिकारिक नैम्स वेबसाइट के बाद दूसरे स्थान पर है।

   (ख) गूगल स्कॉलर उद्धरण सूचकांक में दिखा रहा है।

(ग) हार्वर्ड में डाटावर्स परियोजना ने हमारी पत्रिका के साथ एक लिंक स्थापित किया है और सभी लेख इसके डेटाबेस पर निकाले जाएंगे।

(घ) वर्ल्डकैट अनुक्रमण और हमारे लेखों का संग्रह रख रहा है (सभी लेख ऑनलाइन पुस्तकालय http://www.worldcat.org/libraries/148448 पर उपलब्ध हैं)।

(ड़) हमारे वर्षवृत्तांत बेस - बीलेफेल्ड अकादमिक सर्च इंजन में अनुक्रमित हैं (http://www.base-search.net/ में खोजे जा सकते हैं)

(च) वर्षवृत्तांत अब सूचकांक मेडीकस (डब्ल्यूएचओ)के साथ अनुक्रमित है।

(छ) 2015 के बाद से वर्षवृत्तांत "ओपन एक्सेस पत्रिकाओं की निर्देशिका' में भी सूचीबद्ध हैं।

(ज) वर्षवृत्तांत अब साइटफैक्टर में भी अनुक्रमित हैं - http://www.citefactor.org/journal/index/13197/annals-of-the-nationalacademy-of-medical-sciences-india#.V3HqffI97IU।

केंद्र ने सूचकांक कॉपरनिकस के साथ अनुक्रमण भी प्रारंभ कर दिया है।

<u>भविष्य की योजनाएं :</u>

6. नैम्स चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान केंद्र, जोधपुर द्वारा पांडुलिपियों को ऑनलाइन जमा करने के प्रयास आरंभ किए जा रहे हैं। संपादकीय सुधार, अकादमी के किसी भी सदस्य द्वारा की गई किसी भी उचित टिप्पणी के लिए पांडुलिपियों की समीक्षा करने का अधिकार प्रतिष्ठित संपादक के अधीन रहेगा और उसके लिए सभी समीक्षकों, अध्येताओं, सदस्यों की संबंद्धता एवं ई-मेल पते लिए जाएंगे। पुराने अंक भी पीडीएफ प्रारूप में अपलोड किए जाएंगे जिससे पबमेड अनुक्रमण में सहायता होगी।

मृत्युलेख

अकादमी के निम्नलिखित प्रतिष्ठित अध्येताओं/ सदस्यों की मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया गया हैः

अध्येताः

1. डॉ. सोहन लाल अग्रवाल
2. डॉ. बी.सी. बापना
3. डॉ. (श्रीमती) सी. श्यामला भास्करन
4. डॉ. रंजीत रॉय चौधरी
5. डॉ. पन्ना चौधरी
6. डॉ. हीरालाल गुलाबभाई देसाई
7. डॉ. धीरज गुप्ता
8. डॉ. भगवंत आर. कल्के
9. डॉ. जे. एस. नेकी
10. डॉ. मोहन चंद्र पंत
11. डॉ. वी. एन. शर्मा
12. डॉ. हेम कुमार तिवारी
13. डॉ. इरीन मनोरमा थॉमस
14. डॉ. नोशिर होरमुसजी वाडिया

सदस्यः

1. डॉ. राघव प्रसाद
2. डॉ. छत्रपति बनर्जी

अनुबंध-I

पटना (बिहार) में दिनांक 17 अक्टूबर, 2015 को आयोजित वार्षिक दीक्षांत समारोह में डॉ. मुकुंद एस. जोशी, अध्यक्ष, एनएएमएस द्वारा दिए गए अभिभाषण का पाठ

16 अक्टूबर से 18 अक्तूबर 2015 को राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के 55वें वार्षिक सम्मेलन - नैम्सकॉन 2015 के अवसर पर सभी प्रतिनिधियों, आमंत्रितों और प्रतिभागियों का अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना, पाटलिपुत्र की वह भूमि जहां महान शासकों ने विश्व पर शासन किया, में स्वागत करते हुए मुझे असीम प्रसन्नता हो रही है।

'वैज्ञानिक ज्ञान के विकास और मानव कल्याण के लिए इसके अनुप्रयोग": के प्राथमिक उद्देश्य के साथ राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी की स्थापना की गई थी। मुझे खुशी है कि पिछले कुछ वर्षों में अकादमी की प्रगति के बीज, भारतीय वैज्ञानिकों की बड़ी संख्या द्वारा अनुप्रयुक्त, आधारभूत और सामुदायिक स्वास्थ्य अनुसंधान के माध्यम से इस उद्देश्य को पूरा करने की सीमा तक विकसित हुए हैं, उनमें से कुछ को इस अकादमी की अध्येतावृति द्वारा सम्मानित किया गया है और यह संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। यह महान संतुष्टि का विषय है कि अकादमी अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए उत्कृष्ट कार्य कर रही है।

नैम्स वार्षिक सम्मेलन से पहले " मातृ एवं बाल स्वास्थ्यः 2015 तक और उसके बाद" पर एक सीएमई कार्यक्रम होगा जो कि सार्थक विचार-विमर्श के लिए एक महान अवसर प्रदान करेगा और इस क्षेत्र में युवा मस्तिष्क के ज्ञान में वृद्धि करेगा और एक दूसरे और इस क्षेत्र में विशेषज्ञों के साथ बातचीत करने के लिए अवसर प्रदान करेगा।

अकादमी अध्येतावृत्तियों, सदस्यता, व्याख्यान और पुरस्कार प्रदान करके वैज्ञानिकों की उत्कृष्ट उपलब्धियों को मान्यता देती है और मैं दीक्षांत समारोह में स्क्रॉल प्राप्त करने वाले नव निर्वाचित अध्येताओं और सदस्यों को हार्दिक बधाई देता हूँ। उन सब को मेरा अभिवादन और दूसरों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं जिन्हें मेरा दृढ़ विश्वास है कि भविष्य में मान्यता प्राप्त होगी।

मैं अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान पटना में आयोजन सचिव और नैम्सकॉन 2015 की पूरी टीम को भी इस वार्षिक सम्मेलन और सीएमई के आयोजन के लिए बधाई देता हूं। मैं दिल्ली

में अपने ही नैम्स स्टाफ को भी धन्यवाद देना चाहता हूँ जिन्होंने इस सम्मेलन की भव्य सफलता और आने वाले वर्षों के लिए यादगार बनाने के लिए पृष्ठभूमि में अथक प्रयास किए।

मैं नैम्सकॉन 2015 सम्मेलन की भव्य सफलता की कामना करता हूँ।

जय हिंद।

अनुबंध- //

पटना (बिहार) में दिनांक 17 अक्तूबर, 2015 को आयोजित 55वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि महामहिम डॉ. राम नाथ कोविंद, बिहार के राज्यपाल, द्वारा दिए गए अभिभाषण का पाठ

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के 55वें वार्षिक सम्मेलन के अवसर पर एकत्रित हुए अतिथियों, निदेशक, संकाय, छात्रों और कर्मचारियों का बिहार में स्वागत करता हूँ।

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी का भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा 21 अप्रैल, 1961 को उद्घाटन किया गया था। तब से इसने अपने पेशे में शैक्षणिक उत्कृष्टता के आधार पर कई डॉक्टरों को अध्येतावृत्ति और सदस्यता प्रदान की है। उन सभी को मेरी शुभकामनाएं और बधाई जिन्हें इस वर्ष अध्येतावृत्तियों और सदस्यता से सम्मानित किया जा रहा है। वे भी क्षेत्रीय समस्याओं को हल करने के लिए इस तरह के सम्मेलनों का आयोजन करने में सहायता करते हैं। मुझे आशा है कि इस सम्मेलन में भी विचार-विमर्श द्वारा बिहार में क्षेत्रीय प्रासंगिक स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान करने में सहायता मिलेगी।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की भारत में स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा में क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने के लिए कल्पना की गई थी। कैसे आधुनिक विज्ञान के लाभ कतार में आखिरी व्यक्ति तक सस्ती कीमत पर उसके द्वार तक पहुंचेंगे, यह पर्याप्त मात्रा में राष्ट्र को समर्पित ऐसे संस्थानों का जनादेश है। इस जनादेश के साथ यह 3 साल का शिशु संस्थान कई मायनों में देश के अन्य चिकित्सा शिक्षण संस्थानों की तुलना में पहले से ही अनूठा है। कैसे आप इनके प्रकाशन आइना 12, 13 और 14 से जान सकते हैं जिनमें अंतर का वर्णन करने वाली समाचार रिपोर्टों को प्रस्तुत किया गया है।

कैसे सरल, सुरक्षित, कम लागत और प्रभावी उपचार दूर स्थानों पर अंतिम व्यक्ति के लिए दिया जा सकता है, यह कई मायनों में उनके द्वारा हल किया जा चुका है? उन्होंने बिहार सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा दूरदराज के क्षेत्रों में नियुक्त और नेटवर्क की जा रही त्वरित चिकित्सा अनुक्रिया टीम को प्रशिक्षित करने में सहायता की। उनका अपनी टेली-

चिकित्सा शिक्षा साइट http://www.sankatmochannagrik.in पर आम आदमी के लिए एक आभासी विद्यालय है जो चिकित्सा आपात स्थिति या आपदा के लिए सही ढंग से प्रतिक्रिया करने के लिए सीखना चाहता है। उन्होंने संकट नामक एक एप तैयार की है जो एक आम आदमी जैसे ऑटो चालक द्वारा मोबाइल के माध्यम के एक पूर्व कोडित संदेश भेजने की सुविधा उपलब्ध कराती है जो पहली प्रतिक्रिया एम्बुलेंस, आग टेंडर या पुलिस की मोबाइल स्क्रीन पर एक गूगल मानचित्र पर आपदा या आपात की स्थिति की पहचान करती है जिससे निकटतम सहायता बिना किसी देरी के पहुँच सके। उनका छत्तीसा एक दूर स्थित कंप्यूटर प्रवीण नौजवान होता है जिसे नेट के माध्यम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा एक एम्स विशेषज्ञ से विश्वसनीय नि: शुल्क परामर्श प्राप्त होता है जो दूरस्थ रोगी को यही परामर्श प्राप्त करने के लिए पटना की यात्रा के कम से कम 2,000 रूपये की बचत करवाता है। मुझे बताया गया है कि बिहार के तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री श्री अश्विनी चौबे द्वारा 23 जनवरी 2013 को अपनी स्थापना के बाद से इस कार्यक्रम ने 87000 रोगियों को परामर्श प्रदान किया है और 50000 की यात्रा बचाई है जो गरीब आदमी के स्वास्थ्य धन के 10 करोड़ रूपये हैं। एईएस जेई 2012 महामारी के उनके सूक्ष्म मानचित्रण ने इस परिकल्पना को सिद्ध किया कि सरयू और गंगा के उत्तरी किनारे पर एक अंतर मल वहन जल प्रेषित विषाणु के कारण होता है। इस जानकारी के द्वारा राज्य स्वास्थ्य विभाग एक गहन जल प्रदूषण नियंत्रण और पता लगाने, पुनर्प्राप्ति और एसओपी आधारित प्रबंधन द्वारा मुजफ्फरपुर में रोग की घटनाओं को गत वर्ष 1300 से इस बर्ष 100 से कम करने में सक्षम हो पाया।

इसके अलावा संस्थान की ओपीडी में आने वाले रोगी बड़ी कतारों से बचने के लिए अपने मोबाइल फोन के माध्यम से स्वंय का पंजीकरण कर सकते हैं। सभी चित्र, वीडियो, संदेश, और नंबर सहित उनका डेटा सृजन के समय से नेट पर जमा हो जाते हैं और विभिन्न दूरस्थ स्थानों पर मोबाइल के माध्यम से प्राप्त, प्रयोग और अद्यतन किए जा सकते हैं। डेटा बहुत शुरुआत से डिजिटल होने के कारण अनुसंधान और अच्छे नैदानिक अभ्यास और नीतिगत दिशानिर्देशों के निर्माण के लिए प्रयुक्त किया जा सकता है।

उन्होंने मार्च 2014 के बाद से मृत्यु के बिना अपने 4 आधुनिक थिएटर में कर्णावत प्रत्यारोपण और जोड़ प्रतिस्थापन की तरह के 2000 बड़े ऑपरेशन किए हैं। शीघ्र ही प्रतीक्षा सूचियों में कमी के लिए उनके पास 3 और थिएटर होंगे और निकट भविष्य में सीटी स्कैन और ब्लड बैंक की स्थापना के साथ उनकी आपातकालीन सेवाएं आरंभ हो जाएंगी।

मुझे बताया गया है कि उनकी शिक्षण तकनीकों में ई लर्निंग शामिल हैं और वे बहुत आधुनिक और विकसित हैं।

उनकी आरएमआरआई, यूनिसेफ, पाथ, डब्ल्यूएचओ, राज्य सरकार आपदा और स्वास्थ्य विभागों, बिहार के आईआईटी और आईआईएम और राष्ट्रीय स्तर पर नैम्स जैसे शक्तिशाली मित्र बनाने की क्षमता और उन लोगों के साथ नेटवर्क मृत्यु और बीमारी के खिलाफ अंतहीन युद्ध में मुकाबला करने के लिए हर किसी की सहायता करेगा।

मैं राष्ट्र, विश्व और मानवता के लिए उपयोगी होने में आपकी सफलता की कामना करता हूँ और यहाँ विराम लेता हूँ।

जय हिन्द

शैक्षिक रिपोर्ट

सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम

01 अप्रैल, 2015 से 31 मार्च, 2016 के दौरान सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यकलापों की रिपोर्ट

सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम समिति के निम्नलिखित सदस्य हैं:

1.	डॉ. प्रेमा रामाचंद्रन, एफएएमएस	-	अध्यक्ष
2.	डॉ. कमल बक्शी, एफएएमएस	-	सदस्य
3.	डॉ. राजेश्वर दयाल, एफएएमएस	-	सदस्य
4.	डॉ. मोहन कामेश्वरन, एफएएमएस	-	सदस्य
5.	डॉ. सरोज चूड़ामणि गोपाल, एफएएमएस	-	सदस्य
6.	डॉ. राजू सिंह चीना, एफएएमएस	-	सदस्य
7.	डॉ. एम. वी. पदमा श्रीवास्तव, एफएएमएस	-	सदस्य
8.	डॉ. संजीव मिश्रा, एफएएमएस	-	सदस्य
9.	डॉ. के.के. शर्मा, एफएएमएस	-	सदस्य
10.	डॉ. मुकुंद एस. जोशी, एफएएमएस	-	अध्यक्ष, नैम्स (पदेन सदस्य)
11.	डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव, एफएएमएस	-	सचिव, नैम्स

वर्ष 2015-2016 के दौरान, सीएमई कार्यक्रम समिति की बैठक 10 जुलाई, 2015 को आयोजित की गई थीं।

समिति समय-समय पर, चर्चा के विषय और प्राप्त सीएमई प्रस्तावों के अनुसार विशेषज्ञ सलाह की आवश्यकता के आधार पर बैठक में भाग लेने के लिए अध्येताओं को सहयोजित करती है।

बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमः ये सीएमई कार्यक्रम अकादमी की सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम समिति के तत्वाधान में चलाए जा रहे हैं। एनएएमएस द्वारा निधिपोषित बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों की गुणवत्ता और विषय-वस्तु में सुधार करने के लिए निधिपोषण हेतु प्राप्त प्रस्तावों की सबसे पहले एक विषय विशेषज्ञ, जो एनएएमएस के अध्येता भी हैं, द्वारा तकनीकी रूप से समीक्षा की जाती है। इस पद्धति का जुलाई, 2004 से ही अनुपालन किया जा रहा है और इस प्रकार नामोदिष्ट समीक्षकों ने प्रस्तावों का मूल्यांकन किया है और कार्यक्रम की विषय-वस्तु में अगर कोई खामियाँ हैं तो उनकी पहचान की है। समीक्षकों ने कार्यक्रम में समामेलित किए जाने वाले

संशोधनों/आशोधनों का भी सुझाव दिया है। ये सुझाव सूचित किए जाते हैं और ऐसे लगभग सभी सुझाव आयोजकों द्वारा स्वीकार किए गए हैं और उसके बाद ही सीएमई प्रस्तावों को निधिपोषित किया जाता है। अकादमी के अध्येताओं को बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों में भाग लेने और उनका मूल्यांकन करने के लिए पर्यवेक्षकों के रूप में नामोदिष्ट किया जाता है। अकादमी सीएमई कार्यक्रमों की समीक्षा करने के लिए पर्यवेक्षकों के रूप में नामित अध्येताओं को यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता और मानदेय प्रदान कर रही है।

देश में विभिन्न चिकित्सा संस्थानों/व्यावसायिक निकायों से प्राप्त सीएमई प्रस्तावों में से अकादमी ने वित्तीय वर्ष 01 अप्रैल, 2015 से 31 मार्च, 2016 के दौरान 9 बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों के आयोजन के लिए आंशिक वित्तीय सहायता स्वीकृत की है।

01 अप्रैल, 2015 से 31 मार्च, 2016 के दौरान निधिपोषित बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों का ब्यौरा अनुबंध-III के रूप में प्रस्तुत है।

01 अप्रैल, 2015 से 31 मार्च, 2016 के दौरान बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों पर स्वीकृत कुल व्यय 5,34,835 लाख रुपए (केवल पाँच लाख चौंतीस हजार आठ सौ पैंतीस रुपए) है।

अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम: ये संगोष्ठियाँ/ सीएमई कार्यक्रम अकादमी की सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम समिति के तत्वाधान में चलाए जा रहे हैं। सीएमई कार्यक्रम समिति समय-समय पर अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम के रूप में निधिपोषण के लिए राष्ट्रीय और शैक्षणिक संगतता के विषयों की पहचान करती है। बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों के समान ही अकादमी उन अध्येताओं को, जो पर्यवेक्षकों के रूप में सीएमई कार्यक्रमों में भाग लेते हैं और रिपोर्ट दाखिल करते हैं, यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता और मानदेय प्रदान करती है।

अकादमी ने वर्ष 2015-2016 के दौरान 5 अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम/ संगोष्ठी का निधिपोषण किया हैः-

1. 6-7 अप्रैल 2015 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर में आयोजित **"खाद्य सुरक्षा: फार्म से प्लेट भोजन बनाइए सेफ"** पर नैम्स क्षेत्रीय संगोष्ठी

2. 27 अप्रैल 2015 को श्री गुरु राम दास आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, अमृतसर में आयोजित **"टाइप 2 मधुमेह के रोगियों की उपचर्या देखभाल"** पर नैम्स क्षेत्रीय संगोष्ठी

3. 16 अक्टूबर 2015 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना में आयोजित **"मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य: 2015 में और इसके बाद"** पर नैम्स राष्ट्रीय संगोष्ठी

4. 29 अक्टूबर, 2015 को जे.एस.बी. बहुव्यावसायिक शिक्षा केंद्र, नैम्स, नई दिल्ली में आयोजित **"आघात में रोकथाम, प्रबंधन और पुनर्वास - एक बहु पेशेवर टीम दृष्टिकोण"** पर दिशानिर्देश विकसित करने के लिए प्रारंभिक विशेषज्ञ समूह की बैठक

5. 27 नवंबर, 2015 को जे.एस.बी. बहुव्यावसायिक शिक्षा केंद्र, नैम्स, नई दिल्ली में आयोजित: **"एमडीजी: सीखे गए पाठ और आगे एसडीजी की ओर मार्ग"** पर नैम्स-एनएफआई राष्ट्रीय संगोष्ठी

अंत-सांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम आयोजित करने में कुल व्यय 4,70,406 लाख रुपए (केवल चार लाख सत्तर हजार चार सौ छह रुपए) था। ब्यौरे अनुबंध-IV में दिए गए हैं।

चित्र 1 वर्ष 2014-15 और 2015-16 के दौरान बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक कार्यक्रमों पर किए गए व्यय का चित्रांकन करता है।

वर्ष 2014-15 और 2015-16 में सीएमई कार्यक्रमों पर कुल व्यय

हजार रूपयों में

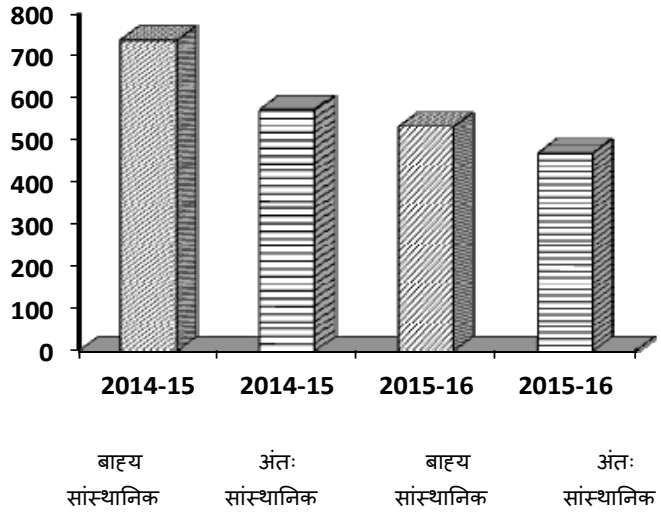

चित्र 1. वर्ष 2014-15 और 2015-16 में बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों में किए गए व्यय का तुलनात्मक प्रदर्शन।

राज्य-चैप्टर-वार बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का विवरण चित्र 2 में दिया गया है।

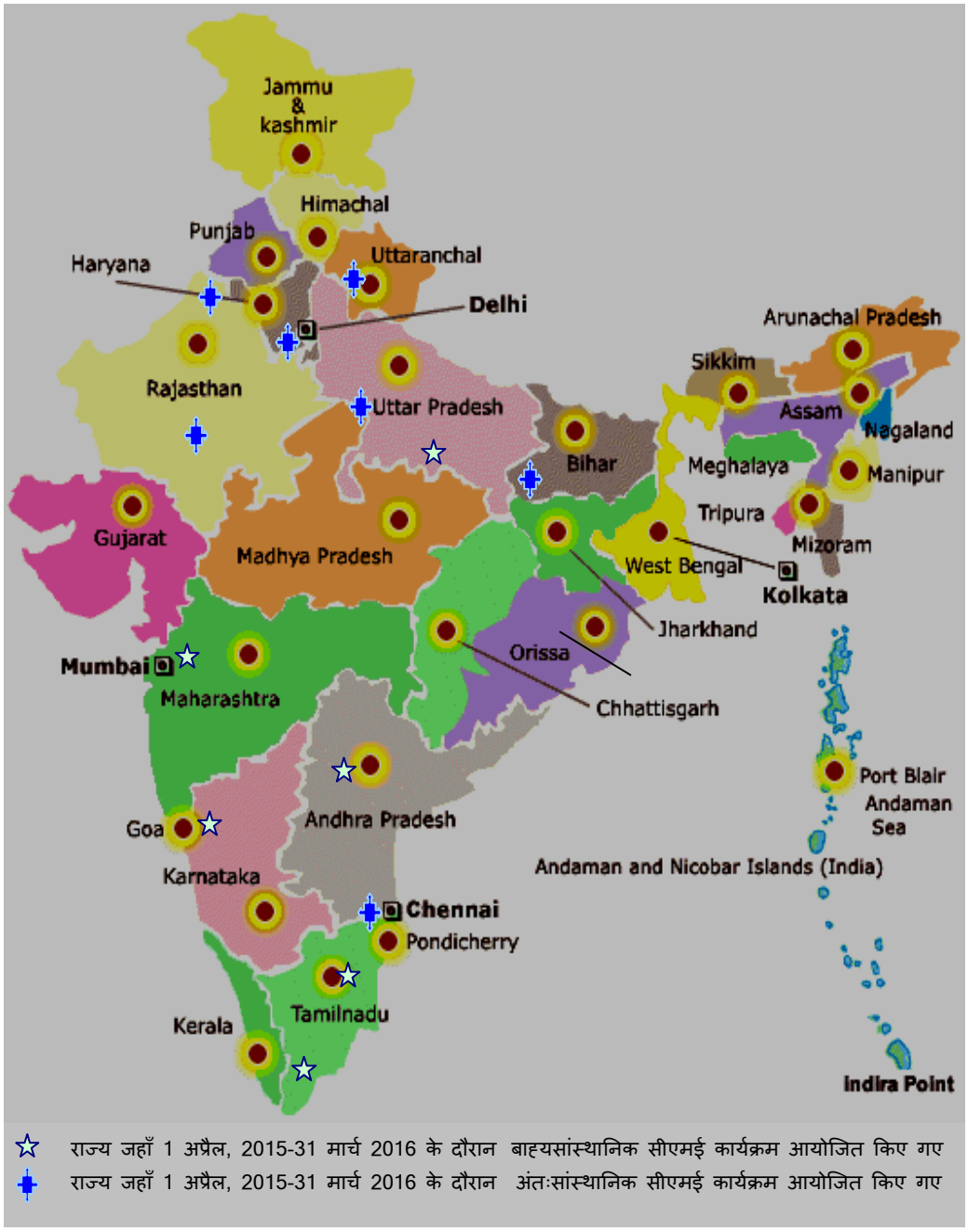

चित्र 2. राज्य चैप्टर-वार वर्ष 2015-16 में बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का प्रदर्शन

वर्ष 2015-16 के लिए बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का विशेषज्ञता-वार विवरण चित्र 3 में दर्शाया गया है।

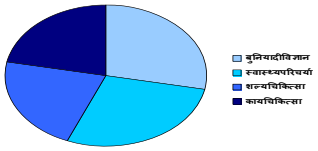

चित्र-3. वर्ष 2015-16 के लिए बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का विशेषज्ञता-वार वितरण

पिछले 3 वर्षों, अर्थात् 2013-14 से 2015-16 में स्वीकृत बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का राज्य-वार वितरण

बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का वर्ष 2013-16 से प्रति वर्ष राज्य-वार वितरण नीचे सारणी में दिया गया है

राज्य	2013-14	2014-15	2015-16	वर्ष 2015-16 के दौरान किया गया व्यय (रुपए)
आंध्र प्रदेश	1	1	-	-
असम	-	-	-	-
बिहार	-	-	-	-
चंडीगढ़	-	-	2	1,05,000
दिल्ली	2	-	-	-
गोवा	-	-	-	-
गुजरात	1	-	1	60,000
हरियाणा	-	-	1	69,535
हिमाचल प्रदेश	-	-	1	52,500
जम्मू और कश्मीर	1	-	-	-
कर्नाटक	1	2	1	36,000
केरल	-	-	-	-
मध्य प्रदेश	-	-	-	-
महाराष्ट्र	1	3	1	75,000
मणिपुर	-	-	-	-
ओडिशा	-	-	-	-
पुडुचेरी	1	2	1	61,800
पंजाब	-	-	-	-
राजस्थान	-	-	-	-
तमिलनाडु	-	1	-	-
उत्तर प्रदेश	-	2	1	75,000
उत्तराखंड	1	-	-	-

राज्य	2013-14	2014-15	2015-16	वर्ष 2015-16 के दौरान किया गया व्यय (रुपए)
पश्चिम बंगाल	-	-	-	-
जोड़	**9**	**11**	**9**	**5,34,835**

राज्य चैप्टर के अधीन सीएमई कार्यक्रमों के अंतर्गत समर्थित गोष्ठियों, संगोष्ठियों, अल्पकालिक पाठ्यक्रमों, और कार्यशालाओं का विवरण नीचे दिया गया है।

अनुबंध-III

एनएएमएस अध्यायों के बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम

अकादमी की वैज्ञानिक गतिविधियों में उसके राज्य चैप्टरों की शैक्षणिक गतिविधियां शामिल होती हैं। वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों के अधीन उनकी गतिविधियों की रिपोर्ट नीचे दी गई हैः

कर्नाटक

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कर्नाटक चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (बेंगलुरु में) आयोजित किया है।

महाराष्ट्र

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान महाराष्ट्र चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (पुणे में) आयोजित किया है।

पुडुचेरी

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान तमिलनाडु एवं पुडुचेरी चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया है।

चंडीगढ़

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान चंडीगढ़ चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से दो बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (दोनों चंडीगढ़ में) आयोजित किए हैं।

गुजरात

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान गुजरात चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (राजकोट में) आयोजित किया है।

हरियाणा

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान हरियाणा चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (मेवाड़ में) आयोजित किया है।

हिमाचल प्रदेश

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान हिमाचल प्रदेश ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (शिमला में) आयोजित किया है।

उत्तर प्रदेश

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान उत्तर प्रदेश चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (लखनऊ में) आयोजित किया है।

अनुबंध-IV

दिनांक 01.04.2015 से 31.03.2016 तक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों पर रिपोर्ट

1. **22 अप्रैल, 2015 को एसएचकेएम शासकीय मेडिकल कॉलेज, मेवात, हरियाणा में आयोजित "स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच औषधि सुरक्षा निगरानी" पर सीएमई कार्यक्रम।**

आयोजन सचिव: डॉ. प्रियंवदा शर्मा, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, भेषजगुण विज्ञान विभाग, एसएचकेएम शासकीय मेडिकल कॉलेज, मेवात, हरियाणा।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

सीएमई के मुख्य उद्देश्य थे:

1. मरीज की सुरक्षा रिपोर्टिंग के लिए व्यवस्था पर एक देशव्यापी जागरूकता पैदा करना;
2. दवा के उपयोग पर निर्णय लेने की प्रक्रिया में नियामक एजेंसियों का समर्थन करना;
3. जानकारी के आदान-प्रदान और डेटा प्रबंधन के लिए अन्य राष्ट्रीय एडीआर रिपोर्टिंग केन्द्रों के साथ सहयोग करना;
4. दवाओं की सुरक्षा पर साक्ष्य आधारित सूचना का सृजन करना।

पर्यवेक्षक (डॉ. वी. एस. माथुर, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया की निगरानी और फामार्कोविजिलेंस के लिए औषध विज्ञानी और चिकित्सकों दोनों की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता है, जिसमें चिकित्सक दवाएं लिख कर और औषध विज्ञानी समग्र रोगी की देखभाल की गतिविधियों में मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एडीआर रिपोर्टिंग केंद्र के प्रबंधन के माध्यम से भाग लेते हैं। इसके अलावा, एसएचकेएम संकाय, पड़ोसी चिकित्सा संस्थानों से अतिथि वक्ताओं को आमंत्रित किया गया था। सीएमई में रोहतक, ग्रेटर नोएडा, अलीगढ़, हापुड़, फरीदाबाद, मेरठ और

मुजफ्फरनगर के मेडिकल कॉलेजों से लगभग 120 डॉक्टरों, नर्सों, फार्मासिस्ट ने भाग लिया। सीएमई सह कार्यशाला सुबह 9.30 बजे आरंभ हुई और 30 मिनट की एक लंच ब्रेक के साथ शाम 6 बजे समाप्त हो गई। विशेषज्ञ वक्ताओं, जिन्होंने प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं (एडीआर) के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे के साथ एक अच्छी तरह से तैयार वैज्ञानिक कार्यक्रम सीएमई का आकर्षण था। वक्ताओं ने पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से अपने संबंधित विषयों पर विचार रखे। प्रत्येक प्रस्तुति के बाद प्रश्न-उत्तर और दर्शकों द्वारा टिप्पणियाँ की गईं। कार्यक्रम में सीडीएससीओ-एडीआर फार्म भरने को स्पष्ट करने के लिए एक प्रदर्शन सह प्रायोगिक गतिविधि शामिल थे। इंटरैक्टिव सत्र के लिए सभी प्रयास किए गए थे और शिक्षाप्रद व्याख्यानों से परहेज किया गया था। वक्ता सीएमई के लक्ष्यों को उजागर करने में सक्षम थेः (क) संभावित एडीआर की जागरूकता में वृद्धि और रोगियों की फाइल में डॉक्टरों, नर्सों, फार्मासिस्ट और यहां तक कि रोगियों द्वारा निर्धारित दवाओं के लिए किसी भी प्रकार की अप्रिय प्रतिक्रिया की रिपोर्टिंग द्वारा टिप्पणी, (ख) साक्ष्य आधारित औषधि चयन और यह याद रखना कि दवाएं एक दोधारी तलवार हैं और सभी दवाएं संभावित विषाक्त हैं यदि उनका दुरुपयोग हो या डॉक्टर के निर्धारित निर्देशों के पालन के बिना ली जाएं जिसके परिणाम गैर-अनुपालन है (ग) सीडीएससीओ फार्म में सभी संदिग्ध एडीआर की रिकॉर्डिंग, (घ) विपणन के बाद निगरानी (पीएमएस) जिसमें हर प्रकार की विधि द्वारा ज्ञात और अब तक अज्ञात हानिकारक प्रभावों का पता लगाया जाए, (च) मेवात में ऐसे समस्या क्षेत्रों की पहचान करना जहां तपेदिक प्रतिरोधी दवाओं, जैसे आईएनएच, रिफैम्पिसिन, पाइराजिनामाइड और एथेमब्युटोल पर निर्भर रोगी एक बड़ी संख्या में हैं, पीएमएस की तुरंत आवश्यकता है और स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों को इन समस्याओं का अध्ययन करने के लिए भेजा जा सकता है। सीएमई हरियाणा के एक दूरस्थ और पिछड़े क्षेत्र में भली-भांति आयोजित और अत्यावश्यक कार्यशाला थी। हरियाणा सरकार ने यहां इस दूरदराज के इलाके में न केवल एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना की है अपितु सभी विशिष्टताओं और अति विशिष्टताओं के साथ एक अति आधुनिक अस्पताल प्रदान किया है, अति योग्य और कुशल सलाहकार कर्मचारियों और बुनियादी संरचना से मुझे और प्रत्येक व्यक्ति को राज्य सरकार के योग्य और सराहनीय प्रयासों पर गर्व अनुभव हुआ।

2. 6-7 जुलाई 2015 को सेंट जॉन अनुसंधान संस्थान, सेंट जॉन राष्ट्रीय स्वास्थय विज्ञान अकादमी, सेंट जॉन मेडिकल कॉलेज, बंगलौर में आयोजित "महामारी विज्ञान, जैव सांख्यिकी और जनसांख्यिकी के सिद्धांत और व्यवहार" पर सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिव: डॉ. प्रेम के. मौनी, अध्यक्ष, महामारी विज्ञान प्रभाग, जैव सांख्यिकी और जनसंख्या स्वास्थ्य, सेंट जॉन अनुसंधान संस्थान एवं सह आचार्य, सामुदायिक स्वास्थ्य विभाग, सेंट जॉन मेडिकल कॉलेज, बंगलौर।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

1. जूनियर चिकित्सा संकाय / स्नातकोत्तर छात्रों को महामारी विज्ञान की पद्धतियों और जैव सांख्यिकीय पद्धतियों में प्रशिक्षित करना जिनका प्रयोग विभिन्न महामारी विज्ञान अध्ययन डिजाइन से उत्पादित डेटा पर किया जा सकता है।
2. पर्याप्त व्यावहारिक अभ्यास के साथ महामारी विज्ञान और जैव सांख्यिकी का व्यावहारिक कार्य ज्ञान प्रदान करना।
3. दैनिक गृह कार्य द्वारा छात्रों का मूल्यांकन करना।
4. प्रतिभागियों से प्राप्त सत्र प्रतिक्रिया द्वारा पाठ्यक्रम के प्रत्येक सत्र का मूल्यांकन करना।
5. इसकी उपयोगिता और भविष्य की योजना बनाने के लिए पाठ्यक्रम के अंत में छात्र प्रतिक्रिया द्वारा समग्र वैज्ञानिक कार्यक्रम का मूल्यांकन करना।

पर्यवेक्षक (डॉ. ए. वी. कुरपाद, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

कार्यक्रम एक अच्छी तरह से प्रकाशित संगोष्ठी कक्ष में आयोजित किया गया था जिसमें सभी प्रतिभागियों के लिए पर्याप्त बैठने की जगह थी। लैपटॉप, इंटरनेट कनेक्शन और सांख्यिकीय पैकेज की उपलब्धता सहित पर्याप्त सुविधा प्रदान की गई थी। सभी प्रतिभागी विचार-विमर्श में सम्मिलित थे, व्याख्यान के दौरान प्रश्नों को उठाया और सक्रिय रूप से व्यावहारिक सत्र में भाग लिया। सभी प्रस्तुतियों को सत्र से पहले प्रतिभागियों के साथ साझा किया गया था। सभी सत्र सुस्पष्ट प्रस्तुतियों की सहायता से किए गए थे और प्रतिभागियों की भागीदारी वाले विचार विमर्श के साथ समर्थित थे। पर्याप्त मात्रा में दृश्य-श्रव्य उपकरण उपलब्ध थे। सभी पाठ्यक्रम सामग्री, व्यावहारिक प्रश्न डेटा, पूर्व परीक्षण, पश्च परीक्षण सत्र मूल्यांकन सभी ई-लर्निंग मंच (टायरो) पर उपलब्ध थे। सभी विचार विमर्श नैदानिक और गैर चिकित्सीय विषयों से उपयुक्त उदाहरणों द्वारा समर्थित थे।

3. 25-26 सितम्बर, 2015 को सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज, पुणे में आयोजित "गायनीकॉन 2015: प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान में क्रिटिकल केयर" पर सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिवः डॉ. (ब्रिगेडियर) मनाश बिस्वास, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग, सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज, पुणे।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

सीएमई के मुख्य उद्देश्य थे:

1. स्त्रीरोग विशेषज्ञ और रेजिडेंट को भ्रूण गुणसूत्र असामान्यताओं के निदान के लिए अंतर्गर्भाशयी अंतःक्रमण प्रक्रियाओं के विषय पर शिक्षित करना।
2. भ्रूण विकृतियों की अल्ट्रासाउंड विशेषताओं के बारे में शिक्षित करना और अंतर्गर्भाशयी भ्रूण समस्याओं की विकृतिशरीर क्रिया विज्ञान में अंतर्दृष्टि देना और भ्रूण चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति से परिचित कराना।
3. सीएमई कार्यक्रम रक्तस्त्राव, सेप्सिस, उच्च रक्तचाप और थ्रोम्बोटिक स्थिति जैसी महत्वपूर्ण मातृत्व स्थितियों के प्रबंधन के लिए प्रोटोकॉल की स्थापना पर ध्यान केंद्रित करेगा।

पर्यवेक्षक (डॉ. कमल बक्शी, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

भ्रूण चिकित्सा की संभावनाओं और प्रगतियों का एक सिंहावलोकन प्रस्तुत किया गया था। इसके बाद एमनियोसेंटेसिस, कोरियोनिक विलस नमूने, कॉर्डोसेंटेसिस, अंतर्गर्भाशयी आधान, गर्भ में कमी और फीटोस्कोपी जैसी विभिन्न अंतर्गर्भाशयी प्रक्रियाओं की वीडियो प्रस्तुति की गई थी। अल्ट्रासाउंड: नुचाल मोटाई, नाक की हड्डी, भ्रूण विसंगतियों और डॉपलर प्रवाह (गर्भाशय और नाल की धमनियों के सामान्य और असामान्य डॉपलर प्रवाह. डक्टस और मस्तिष्क आरटियोरोलर प्रवाह) का काफी व्यापक प्रदर्शन किया गया था। एमआरआई की भूमिका और भ्रूण विसंगतियों के संबंध में इसके सह-संबंध पर प्रकाश डाला गया था। डॉ. अरुण किनारे की प्रस्तुति इसकी स्पष्टता, सामग्री, सरलता, जानकारी, अद्यतन के संबंध में उतकृष्ट थी और साक्ष्य आधारित थी। यह एक अच्छा सत्र था।

प्रसूति में चिकित्सा आपात स्थिति पर सत्र 1: उच्च मातृ और भ्रूण मृत्यु दर वाले प्रसवपूर्व कार्डियोमायोपैथी और गर्भावस्था में पीलिया पर चर्चा की गई। इन कठिन विषयों पर व्याख्यान ने निदान में कमियों और इस प्रकार उप इष्टतम प्रबंधन पर प्रकाश डाला। इन सभी पहलुओं को अच्छी तरह से कवर किया गया। स्नातकोत्तर प्रश्नोत्तरी उत्तम थी। सबने भली प्रकार इसका आनंद लिया। स्नातकोत्तर और युवा स्त्रीरोग विशेषज्ञ के लिए मुक्त लेख सत्र की रेटिंग 2.75 / 5 था। केवल कुछ लेख गुणवत्ता प्रस्तुति के थे। स्त्री रोग आपात स्थितियों पर सत्र: काफी हद तक अच्छी तरह से कवर किया गया। उद्घाटन समारोह शानदार था। सत्र 3 पर प्रसूति / संवेदनाहरण विज्ञानी दुःस्वप्न भी अच्छा था। सीएमई कार्यक्रम की योजना, विषय और संकाय का चयन उत्कृष्ट था। शैक्षिक विचार-विमर्श और कार्यशाला का संचालन बहुत ही उपयुक्त और जानकारीपूर्ण था। संगोष्ठी का वातावरण असाधारण था। प्रतिभागी बहुत उत्साहित थे और अधिकांश समय उपस्थित रहे। उन्होंने भ्रूण चिकित्सा पर कार्यशाला एवं प्रसूति एवं स्त्री रोग में चिकित्सा आपात स्थिति पर सत्र का आनंद लेते प्रतीत हो रहे थे। सलाहकारों द्वारा एक अच्छा विचार-विमर्श हुआ; तथापि; स्नात्कोत्तरों एवं युवा रेजिडेंट द्वारा कार्यशाला के दौरान और आपात स्थितियों पर वैज्ञानिक सत्र में अधिक चर्चा नहीं हुई।

4. 20 नवंबर, 2015 को भारतीय शरीर-रचना विज्ञान समिति के राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ में आयोजित "अल्ट्रासोनोग्राफीः शरीर रचना विज्ञान के शिक्षण एवं अधिगम में भविष्योन्मुख परिदृष्टि" पर सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिव: प्रो. ए. के. श्रीवास्तव, मुख्य आयोजन सचिव, भारतीय शरीर-रचना विज्ञान समिति की 63वीं नैटकॉन, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शरीर रचना विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

सीएमई के अंत में शिक्षार्थी पेट, कपाल, पेशीय कंकाल और भ्रूण अल्ट्रासोनोग्राफी के क्षेत्र में नवीनतम जानकारी से परिचित हो जाएंगे और प्राप्त ज्ञान का उपयोग चिकित्सा शरीर रचना विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षण और अनुसंधान प्रयोजनों के लिए किया जाएगा।

अल्ट्रासोनोग्राफी (यूएसजी) एक अनिवार्य नैदानिक उपकरण के रूप में उभरा है क्योंकि यह सुविधाजनक, सस्ता, गैर इनवेसिव के साथ ही प्रभावी भी है। इसलिए, मेडिकल छात्रों को आरंभ से ही इस बुनियादी उपकरण से अवगत कराया जाना चाहिए। शिक्षण के लिए यूएसजी का समावेश, जीवित शरीर रचना विज्ञान सीखना विषय को रोचक और

चिकित्सकीय प्रासंगिक बनाएगा। इसप्रकार यह सीएमई शरीर रचना विज्ञान के संकाय को शिक्षण और अनुसंधान प्रयोजनों के लिए इस साधन का उपयोग करने में संवेदनशील बनाने में सहायक होगी।

पर्यवेक्षक (डॉ. शैली अवस्थी, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

यह भली प्रकार आयोजित सीएमई थी। प्रतिभागी और आयोजक बहुत उत्साहित थे। संसाधन संकाय अल्ट्रासोनोग्राफी के क्षेत्र में विशेषज्ञ थे और उन्होंने उदर अंतरांग, पेशीय कंकाल प्रणाली और अंगों के संवहनी शरीर रचना विज्ञान के अल्ट्रासोनोग्राफिक शरीर रचना विज्ञान, नवजात शिशु मस्तिष्क के अल्ट्रासाउंड और जहां प्रासंगिक था भ्रूण विज्ञान के सोनोग्राफिक निष्कर्षों के साथ सहसंबंध पर चर्चा की। सत्र प्रत्येक प्रस्तुति के बाद इंटरैक्टिव चर्चा के लिए खुले थे। एक अत्याधुनिक दृश्य-श्रव्य व्यवस्था उपलब्ध थी जो पूरे समय कुशलता से कार्य करती रही और जिसने सभी सत्रों को बहुत सुखद, जानकारीपूर्ण और इंटरैक्टिव बनाया।

5. **4 दिसंबर, 2015 को व्याख्यान थियेटर परिसर, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ में आयोजित "अच्छी नैदानिक पद्धतियों पर सम्मेलन-पूर्व कार्यशाला" पर सीएमई कार्यक्रम।**

आयोजन सचिव: डॉ. बिकाश मेधी, आयोजन सचिव, आईएसआरपीटीकॉन-2015, आचार्य, भेषजगुण विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य थे:

1. जीसीपी के आधारभूत नैतिक सिद्धांतों को समझने का ज्ञान प्रदान करना।
2. जीसीपी पर विभिन्न अंतरराष्ट्रीय दिशा निर्देशों की बुनियादी समझ के विभिन्न पहलुओं पर जागरूक बनाना।
3. नैदानिक अध्ययन और परीक्षण के संचालन में व्यावहारिक समस्याओं को संभालने की क्षमता हासिल करना।

4. अधिसूची वाई दिशानिर्देश के अनुसार देश में चिकित्सा अनुसंधान में वर्तमान नियामक कार्यक्रम के वातावरण को समझना।

पर्यवेक्षक (डॉ. पी. एल. शर्मा, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

कुल मिलाकर कार्यशाला वैज्ञानिक दृष्टि से उत्कृष्ट थी और नैदानिक परीक्षणों एवं अनुसंधान के अभ्यास में जीसीपी के सिद्धांत के कार्यान्वयन के लिए प्रतिभागियों के लिए लाभप्रद थी। शिक्षा जगत से प्रख्यात संकाय और संसाधन व्यक्तियों, उद्योग वित्त पोषण अभिकरणों (आईसीएमआर) और नियामक अभिकरणों ने कार्यशाला में अपने व्याख्यान दिए। अनुसंधान के क्षेत्र में नैतिकता, विभिन्न हितधारकों के उत्तरदायित्वों, नैदानिक ट्रेल्स की नैतिक आवश्यकता, आईसीएच-जीसीपी, भारतीय जीसीपी दिशा निर्देशों और बहुत से महत्वपूर्ण विषयों को कार्यशाला में कवर किया गया। व्याख्यान विचारोत्तेजक थे और अधिकतर शामिल विषयों से एमडी / डीएम / पीएचडी / एमएससी के छात्रों को उनकी परीक्षा की तैयारी में लाभ होगा । कुल मिलाकर कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए लाभप्रद और जानकारीपूर्ण थी।

6. 17 दिसंबर 2015 को सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट में आयोजित "भेषजसतर्कता" पर सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिव: डॉ. सचिन परमार, आयोजन सचिव, इप्सकॉन 2015, सहायक आचार्य, भेषजगुण विज्ञान विभाग, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय परिसर, राजकोट, गुजरात।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

1. विजिफ्लो में एडीआर डेटा प्रविष्टि से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान करना।
2. भेषजसतर्कता के बारे में जागरूकता लाना और भेषजसतर्कता कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन में चिकित्सकों की भूमिका पर प्रकाश डालना।
3. प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं की कम रिपोर्टिंग के संबंध में भारत में पेश आ रही चुनौतियों पर काबू पाने के उपायों के बारे में जागरूकता लाना।
4. ट्रांसलेशनल भेषजसतर्कता पर अंतर्दृष्टि प्रदान करना।

सीएमई कार्यक्रम भारतीय भेषज समिति (आईपीएस) की 48 वीं मुख्य वार्षिक बैठक के साथ आयोजित किया गया था। यह सीएमई चिकित्सा और औषधि विज्ञान के अनुप्रयुक्त पहलुओं में संलग्न व्यक्तियों के साथ प्रयोगात्मक भेषजगुण विज्ञानियों के अनुसंधान की

खाई को पाटने और विशेष रूप से भेषजसतर्कता के क्षेत्र में उन्हें परस्पर वार्तालाप करने और अंतःविषय अनुसंधान भावना जागृत करने में सहायक होगी।

पर्यवेक्षक (डॉ. आर. बालारमन, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

इप्सकॉन 2015 के एक भाग के रूप में भेषजसतर्कता पर एक दिवसीय सीएमई कार्यक्रम अत्यंत सफल था। प्रतिभागियों की संख्या 50 से अधिक थी। उनमें से कई चिकित्सक, दवा उद्योगों में कार्यरत व्यक्ति और चिकित्सा और फार्मेसी कॉलेजों के स्नातकोत्तर छात्र थे। भेषजसतर्कता और प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया निगरानी गतिविधियों के क्षेत्र में कई दिग्गजों के द्वारा दिए गए उत्कृष्ट व्याख्यानों के कारण संगोष्ठी का उद्देश्य पूरा हुआ। प्रारंभिक व्याख्यान भारत में भेषजसतर्कता अभ्यास के आरंभ और इसके क्षेत्र पर था। दूसरे वक्ता ने अस्पतालों और निजी क्लीनिकों में प्रभावी भेषजसतर्कता अभ्यास को लागू करने में चिकित्सकों की भूमिका के बारे में भाषण दिया था। भारत में भेषजसतर्कता कार्यक्रम को लागू करने में एडीआर की कम रिपोर्टिंग, भारत में भेषजसतर्कता कार्यक्रम और आईसीएच दिशानिर्देशों, और पीवीपी1 के नियामक पहलुओं में राष्ट्रीय समन्वय केंद्र की भूमिका में चर्चा की गई थी। अंत में वहाँ एडीआर एवं औषधि जानकारी के कूटीकरण के लिए शब्दावलियों पर एक चर्चा की गई। विजिफ्लो सॉफ्टवेयर के संचालन और इंटरनेट के माध्यम से एडीआर रिपोर्टिंग के लिए उप्साला निगरानी केंद्र पर डेटा प्रविष्टि अभ्यास पर एक व्यावहारिक सत्र था। वहाँ एक सामूहिक गतिविधि की गई जिसके बाद एडीआर रिपोर्टिंग पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम अच्छी तरह से आयोजित और अत्यंत सफल था।

7. **29 दिसंबर, 2015 को नैदानिक अनुसंधान एवं व्यक्तिगत रोगोपचार पर राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पुद्दुचेरी में आयोजित "अनुसंधान पद्धतियों पर सम्मेलन-पूर्व कार्यशाला" पर सीएमई कार्यक्रम।**

आयोजन सचिव: डॉ. एस. सांधिया, सहायक आचार्य, भेषजगुण विज्ञान विभाग, संस्थान खंड (तृतीय तल), जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान परिसर, पुद्दुचेरी - 605006।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

1. अनुसंधान समस्याओं की पहचान करने में सहायता करना

2. उपयुक्त अनुसंधान अध्ययन डिजाइन का उपयोग करने और रूपरेखा बनाने में सहायता करना

3. अनुसंधान प्रोटोकॉल के लेखन में मार्गदर्शन करना

4. अनुसंधान प्रोटोकॉल की आलोचना कैसे की जाए पर मार्गदर्शन करना

पर्यवेक्षक (डॉ. देविंदर मोहन थाप्पा, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

संगोष्ठी का समग्र वातावरण अच्छा और अद्वितीय था। सभी कार्यक्रम के सत्र इंटरैक्टिव थे। अनुसंधान विधि अवधारणाओं पर दृश्य-श्रव्य एड्स, खेल और पहेली का उपयोग कर एक सरल तथा मज़ेदार तरीके से चर्चा की गई। प्रतिभागियों को एक दूसरे के साथ तथा वक्ताओं के साथ बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। प्रत्येक सत्र के अंत में समूह चर्चा आयोजित की गई और सभी प्रतिभागियों को अपने विचार साझा करने के लिए अवसर दिया गया और उनकी शंकाओं को पूछने और स्पष्ट करने की अनुमति दी गई।

8. 18 मार्च 2016 को कुफ्री, शिमला, हिमाचल प्रदेश में आयोजित "आईसीयू के कवक विज्ञान रोग और चिकित्सीय चुनौतियां" पर सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिव: डॉ. अनिल कांगा, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सूक्ष्म जैवविज्ञान विभाग, इंदिरा गाँधी मेडिकल कॉलेज, शिमला, हिमाचल प्रदेश।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

1. चिकित्सा कवक विज्ञान के क्षेत्र में सतत चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अवसर प्रदान करना।

2. भारत में चिकित्सा कवक विज्ञान के क्षेत्र में पिछले दो सालों में किए गए शोध का प्रदर्शन करना।

3. चिकित्सा कवक विज्ञान में सूचना के आदान प्रदान के लिए एक मंच प्रदान करना

4. कवकीय संक्रमण के लिए राष्ट्रीय नियंत्रण कार्यक्रम और प्रबंधन दिशा निर्देशों का विकास करना।

5. कवक रोगजनकों में नए अनुसंधान क्षेत्रों की पहचान करना

6. मेडिकल कॉलेजों में कवक विज्ञान नैदानिक सेवाओं को उन्नत करना।

पर्यवेक्षक (डॉ. नैन्सी मल्ला, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

"भारतीय मानव और पशु कवक विज्ञानी समिति के 11वें राष्ट्रीय सम्मेलन" के भाग के रूप में आयोजित प्रस्तावित सीएमई वैज्ञानिक कार्यक्रम सुनियोजित था। पंजीकृत प्रतिभागी 199 थे जिनमें मुख्य रूप से स्नातकोत्तर छात्र और देश के विभिन्न मेडिकल कालेजों से कनिष्ठ संकाय सदस्य थे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों में कवकीय संक्रमण के बारे में जागरूकता और ज्ञान का प्रसार और भविष्य की अनुसंधान रणनीतियों के निर्धारण की क्षमता उत्पन्न करना था। सीएमई वैज्ञानिक कार्यक्रम आईसीयू में कवकीय संक्रमण, चिकित्सकीय दवा निगरानी और कवकरोधी प्रतिरोध सहित तीन सत्रों में आयोजित किया गया। प्रख्यात शिक्षकों, वैज्ञानिकों और कवकीय संक्रमण के विभिन्न क्षेत्रों और पहलुओं पर काम कर रहे वरिष्ठ अनुसंधान विशेषज्ञों ने उत्कृष्ट व्याख्यान दिए और अपने अनुसंधान अनुभवों को साझा किया। रोगजनक कवक संक्रमण के कारण होने वाली सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या, रुग्णता और मृत्यु दर को ध्यान में रखते हुए विषय काफी प्रासंगिक थे। नैदानिक स्थितियों में कवकरोधी प्रतिरोध की समस्या और परिणाम में सुधार करने के लिए चिकित्सकीय औषध निगरानी पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। विचार-विमर्श इंटरैक्टिव थे और प्रत्येक व्याख्यान के अंत में, कुशल अध्यक्ष द्वारा निर्देशित, सक्रिय विचार-विमर्श आयोजित किए गए। प्रतिभागी बहुत उत्साहित थे जो कि सत्र में उनकी उपस्थिति और विचार विमर्श में सक्रिय भागीदारी से स्पष्ट हो रहा था।

9. 29 मार्च, 2016 को व्याख्यान थिएटर, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में आयोजित "रोगाणुरोधी प्रबन्ध कार्यक्रम में नैदानिक भेषजगुण विज्ञानियों की भूमिका" पर सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिव: डॉ. नुसरत शफीक, अपर आचार्य, भेषजगुण विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

1. रोगाणुरोधी प्रबन्ध कार्यक्रम की आवश्यकता को समझना
2. रोगाणुरोधी प्रबन्ध की तकनीकों को समझना

3. ज्ञान अंतराल की पहचान और क्षेत्र में अनुसंधान डिजाइन की प्रक्रिया को समझना।

पर्यवेक्षक (डॉ. नैन्सी मल्ला, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

सीएमई शैक्षिक कार्यक्रम सुनियोजित था और चर्चा के विषय विषयवस्तु के लिए बहुत प्रासंगिक थे। 96 प्रतिभागियों मुख्य रूप से देश के विभिन्न मेडिकल कालेजों से स्नातकोत्तर छात्रों ने शैक्षिक सत्रों में भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों में रोगाणुरोधी प्रबन्ध पहल के लिए जागरूकता, ज्ञान और आवश्यकता का प्रसार करना था। कार्यक्रम प्रतिभागियों के द्वारा पूर्व-परीक्षा प्रश्न अभ्यास के साथ आरंभ हुआ और बाद में व्याख्यान, कार्यशाला और पश्च-परीक्षा प्रश्न अभ्यास हुए। प्रख्यात शिक्षकों, वैज्ञानिकों और वरिष्ठ विशेषज्ञों ने कार्यक्रम को लागू करने के लिए मूलभूत और उन्नत कार्यनीतियों को प्रस्तुत किया और इसकी अनंतिम सफलता के लिए सूक्ष्म जीव विज्ञानियों, औषधगुण विज्ञानियों और चिकित्सकों के संयुक्त सहयोग की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उद्योग के विशेषज्ञों ने इस प्रयास में उद्योग की भूमिका पर बल दिया। प्रासंगिक अभ्यास में सुधार के लिए अनुसंधान प्रोटोकॉल का विकास करना; डिजाइन, संचालन और रोगाणुरोधी एजेंटों के लिए खुराक परहेजों के अनुकूलन के साथ-साथ भावी आडिट रिपोर्टिंग पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। व्याख्यानों के बाद रोगाणुरोधी के तर्कसंगत प्रिस्क्रिप्शन के लिए साक्ष्य आधारित चिकित्सा के सिद्धांतों को लागू करने के लिए प्रकरण अध्ययन पर कुशल शिक्षकों द्वारा निर्देशित समूह कार्यशालाओं का आयोजन किया गया था। दिए गए प्रकरण अभ्यास/ प्रकरण अध्ययन पर समूह के एक प्रमुख व्यक्ति प्रस्तुति के साथ कार्यशाला सत्र संपन्न हुआ और इस प्रकार, अंत में प्रतिभागियों ने संयुक्त रूप से सभी दिए गए प्रकरण अध्ययनों पर चर्चा की। विचार-विमर्श इंटरैक्टिव था और प्रत्येक व्याख्यान के मध्य तथा अंत में सक्रिय चर्चा आयोजित की गईं। प्रतिभागी बहुत उत्साहित थे जो कि सत्र में उनकी उपस्थिति और विचार विमर्श में सक्रिय भागीदारी से स्पष्ट हो रहा था। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने पश्च-परीक्षा बहु-विकल्प प्रश्न अभ्यास किया।

दिनांक **01.04.2015** से **31.03.2016** तक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों के तहत अनुदान दर्शाती विवरणी

क्र.सं.	*विषय*	*स्वीकृत राशि (रुपए)*
1.	**"स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच औषधि सुरक्षा निगरानी"** पर सीएमई कार्यक्रम मेवात, हरियाणाः 22 अप्रैल, 2015	69,535/-
2.	**"महामारी विज्ञान, जैव सांख्यिकी और जनसांख्यिकी के सिद्धांत और व्यवहार"** पर सीएमई कार्यक्रम बंगलौरः 6-7 जुलाई 2015	36,000/-
3.	**"गायनीकॉन 2015: प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान में क्रिटिकल केयर"** पर सीएमई कार्यक्रम पुणेः 25-26 सितम्बर, 2015	75,000/-
4.	**"अल्ट्रासोनोग्राफीः शरीर रचना विज्ञान के शिक्षण एवं अधिगम में भविष्योन्मुख परिदृष्टि"** पर सीएमई कार्यक्रम लखनऊ: 20 नवम्बर, 2015	75,000/-
5.	**"अच्छी नैदानिक पद्धतियों पर सम्मेलन-पूर्व कार्यशाला"** पर सीएमई कार्यक्रम चंडीगढ़ः 04 दिसम्बर, 2015	52,500/-
6.	**"भेषजसतर्कता"** पर सीएमई कार्यक्रम राजकोट (गुजरात): 17 दिसम्बर, 2015	60,000/-

क्र.सं.	*विषय*	*स्वीकृत राशि (रुपए)*
7.	**"अनुसंधान पद्धतियों पर सम्मेलन-पूर्व कार्यशाला"** पर सीएमई कार्यक्रम पुद्दुचेरीः 29 दिसम्बर, 2015	61,800/-
8.	**"आईसीयू के कवक विज्ञान रोग और चिकित्सीय चुनौतियां"** पर सीएमई कार्यक्रम शिमलाः 18 मार्च, 2016	52,500/-
9.	**"रोगाणुरोधी प्रबन्ध कार्यक्रम में नैदानिक भेषजगुण विज्ञानियों की भूमिका"** पर सीएमई कार्यक्रम चंडीगढ़ः 29 मार्च, 2016	52,500/-

चिकित्सा वैज्ञानिकों का आदान-प्रदान कार्यक्रम (स्वास्थ्य मानवशक्ति विकास)

सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम के अधीन स्वास्थ्य मानवशक्ति विकास के क्षेत्र में अकादमी द्वारा संवर्धित कार्यकलापों में से एक है-कनिष्ठ स्तरों और मध्यम स्तरों पर "चिकित्सा वैज्ञानिकों का आदान-प्रदान"।

अकादमी कनिष्ठ और मध्यम स्तर के विशेषज्ञों/वैज्ञानिकों को सुस्थापित उत्कृष्टता केंद्र पर जाने के लिए और नए कौशल प्राप्त करने के लिए निधि उपलब्ध कराता है। इस योजना के अंतर्गत चयनित नामिती यात्रा व्यय की प्रतिपूर्ति (वास्तविक द्वितीय श्रेणी एसी टू-टियर रेल किराया तक सीमित) और 5000/- रुपए की अधिकतम सीमा के अधीन प्रशिक्षण अवधि के दौरान 300/- रुपए प्रतिदिन की दर पर दैनिक भत्ता के पात्र हैं।

वर्ष 2016 तक एक सौ अठानवे (198) चिकित्सा वैज्ञानिकों/ शिक्षकों का उन्नत प्रशिक्षण के लिए चयन हुआ है और नैम्स से अनुदान सहायता प्राप्त कर उन्होंने अपना प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया है।

अनुबंध- V

01.04.2015 से 31.03.2016 तक अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों पर रिपोर्ट

1. 6-7 अप्रैल 2015 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर में आयोजित **"खाद्य सुरक्षा: फार्म से प्लेट भोजन बनाइए सेफ"** पर नैम्स क्षेत्रीय संगोष्ठी

संचालन अधिकारी: डॉ. पंकजा रवि राघव, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

संगोष्ठी के उद्देश्य थेः

(1) प्रतिभागियों को खेती, प्रसंस्करण, शोधन की तैयारी, पैकेजिंग और परोसने के दौरान खाद्य सुरक्षा के बारे में जागरूक बनाना;

(2) खाद्य सुरक्षा कानून के संबंध में वर्तमान मान्यताओं में सुधार करना;

(3) प्रायोगिक प्रशिक्षण की सहायता से आम व्यवहार में खाद्य मिलावट का पता लगाने के संदर्भ में व्यावहारिक कौशल प्रदान करना।

पर्यवेक्षक (डॉ. उमेश कपिल, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

संगोष्ठी के उद्देश्यों को पूरा किया गया। आयोजकों ने अच्छी तरह प्रलेखित अधिगम संसाधन सामग्री प्रदान की। कुल उपस्थिति 236 थी (144 बाहरी और 92 भीतरी) और कार्यक्रम के दौरान 200 से अधिक प्रतिभागी हर समय उपस्थित थे। इंटरैक्टिव सत्रों के साथ-साथ व्यावहारिक प्रदर्शन भी थे। इंटरैक्टिव सत्र और लघु समूह शिक्षण गतिविधियां थीं। प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रदर्शन / प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। पाठ्यक्रम संकाय द्वारा प्रस्तुति उत्कृष्ट और बहुत जानकारीपूर्ण थी। सीएमई कार्यक्रम के दौरान प्रयुक्त श्रव्यदृश्य व्यवस्था उत्कृष्ट थी। उपलब्ध कराई गई जानकारी साक्ष्य आधारित थी। प्रतिनिधिगण प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, खाद्य मिलावट का पता लगाने के प्रशिक्षण और वैज्ञानिक विचार-विमर्श से प्रभावित थे। उन्होंने सभी सत्रों में उत्साहपूर्वक

भाग लिया और आयोजकों एवं वक्ताओं के साथ अच्छी बातचीत की। संगोष्ठी के बारे में प्रचार-प्रसार अधिक व्यापक रूप से किया जाना चाहिए था जिससे देश के विभिन्न भागों से प्रतिभागी सीएमई में भाग ले पाते।

2. 27 अप्रैल 2015 को श्री गुरु राम दास आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, अमृतसर में आयोजित **"टाइप 2 मधुमेह के रोगियों की उपचर्या देखभाल"** पर नैम्स क्षेत्रीय संगोष्ठी।

संचालन अधिकारीः डॉ. गीता शर्मा, निदेशक एवं प्रधानाचार्य, श्री गुरु राम दास आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, अमृतसर।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

1) यह निर्धारित करना और समझना कि मधुमेह प्रबंधन को प्रभावित करने वाले जीवन शैली कारक कैसे रोगी शिक्षा की रणनीतियों से संबंधित हैं;

2) मधुमेह वाले रोगी का मूल्यांकन पूरा करना और साक्ष्य आधारित रोगी देखभाल योजना को लागू करना;

3) उपापचयी सिंड्रोम, पूर्व मधुमेह या ग्लाइसेमिक नियंत्रण की समस्याओं वाले व्यक्ति की पहचान करना;

4) रोग की वृद्धि को रोकने के लिए एक सम्यक उपचर्या देखभाल योजना विकसित करना;

5) मधुमेह में इष्टतम पोषण, पैरों की देखभाल और आत्म देखभाल प्रबंधन की रणनीतियों को सूचीबद्ध करना।

पर्यवेक्षक (**डॉ. रविंदर गोस्वामी**, **एफएएमएस**) **की रिपोर्ट की विशिष्टताएं**:

संगोष्ठी का वातावरण और प्रतिभागियों का उत्साह अच्छा था। संगोष्ठी का उद्देश्य टाइप 2 मधुमेह वाले रोगी के प्रबंधन और उनके स्तर पर इसकी संभावित जटिलताओं के लिए आवश्यक अत्याधुनिक व्यावहारिक ज्ञान से उपचर्या कार्मिकों को शिक्षित करना था। संगोष्ठी के संयोजक द्वारा उल्लिखित संगोष्ठी के उद्देश्यों को 90% तक पूरा किया गया। हालांकि**,** इस कार्यक्रम में व्याख्यान खचाखच भरे हुए थे। इसके कारण प्रतिभागियों के साथ इंटरैक्टिव सत्र की संभावना कम थी। इसके अलावा**,** प्रतिभागियों को कार्यक्रम की अवधि के दौरान पूरे समय ध्यान केंद्रित करना कठिन लगा। मैंने अनुभव

किया कि लगातार 10 घंटे की समयावधि इस तरह के कार्यक्रम के लिए बहुत अधिक है। यह समयावधि आठ घंटे तक कम की जा सकती है। आयोजकों ने प्रतिभागियों को अच्छी तरह प्रलेखित अधिगम संसाधन सामग्री प्रदान की। पंजीकृत प्रतिभागियों की संख्या 300 थी और वे कार्यक्रम के दौरान उपस्थित थे। कार्यक्रम में शिक्षाप्रद व्याख्यान तो थे परंतु इंटरैक्टिव व्याख्यान बहुत कम थे। प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रदर्शन / प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान नहीं किया गया। पाठ्यक्रम संकाय द्वारा प्रस्तुति बहुत अच्छी थी**,** लेकिन अधिक संख्या में चिकित्सा कार्मिकों को शामिल करके इसमें सुधार की गुंजाइश थी। सीएमई कार्यक्रम के दौरान प्रयुक्त श्रव्यदृश्य व्यवस्था मध्यम गुणवत्ता की थी। प्रोजेक्टर का आकार सामान्य से कम था। उपलब्ध कराई गई जानकारी साक्ष्य आधारित थी।

3. 16 अक्टूबर 2015 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना में आयोजित **"मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य: 2015 में और इसके बाद"** पर नैम्स राष्ट्रीय संगोष्ठी।

संचालन अधिकारीः डॉ. जी. के. सिंह, निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

संगोष्ठी के मुख्य उद्देश्य थेः

1) सहस्त्राब्दि लक्ष्यों के संदर्भ में राष्ट्रीय और राज्य की उपलब्धि की समीक्षा करना;
2) मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर पर्यावरणीय कारकों की भूमिका का आकलन करना;
3) मातृ एवं बाल स्वास्थ्य में सुधार के संदर्भ में स्वास्थ्य की भूमिका, संबंधित पेशेवरों और ज्ञान नेटवर्क पर चर्चा करना;
4) बिहार में विकट इन्सेफेलाइटिस सिंड्रोम की जांच और प्रबंधन में प्राप्त प्रगति पर चर्चा करना;
5) मां से बच्चे को एचआईवी संचरण की रोकथाम के लिए रणनीति के बारे में चर्चा करना।

पर्यवेक्षक (**डॉ. प्रेमा रामाचंद्रन**, **एफएएमएस**) **की रिपोर्ट की विशिष्टताएं**:

संगोष्ठी के उद्देश्य पूरे किए गए थे। उत्कृष्ट इंटरैक्टिव सत्र थे जिसमें प्रतिभागियों ने बहुत उत्साहपूर्वक भाग लिया और उनके प्रश्न बहुत सारगर्भित थे एवं उनकी चिंता दर्शाते थे। प्रतिभागियों को अच्छी तरह प्रलेखित अधिगम संसाधन सामग्री प्रदान की गई। पंजीकृत प्रतिभागी 160 थे जिसमें से 80-100 सुबह के सत्र में और 50-75 शाम के सत्र में थे। प्रत्येक व्याख्यान के बाद विचार-विमर्श हुआ और दो इंटरैक्टिव सत्र थे। अधिकतर प्रतिभागी मुख्य रूप से स्नातक-पूर्व थे और विषय-वस्तु मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य: 2015 में और इसके बाद थी। प्रस्तुतियाँ एमडीजीएस के प्रतिकूल राष्ट्रीय नीतियों, कार्यक्रमों, समीक्षाओं तक पहुंच में सुधार और परिणामों पर केंद्रित थीं। प्रस्तुतियाँ उत्कृष्ट गुणवत्ता की थीं। इस बात पर ध्यान दिया गया कि अधिकांश प्रतिभागी स्नातक छात्र थे और बुनियादी अवधारणाओं का अनुभव ले रहे थे। संगोष्ठी के दौरान प्रयुक्त श्रव्यदृश्य व्यवस्था उत्कृष्ट थी। शैक्षिक सामग्री अर्थात प्रदत्त अत्याधुनिक जानकारी उत्कृष्ट थी। उपलब्ध कराई गई जानकारी साक्ष्य आधारित थी।

4. 29 अक्टूबर, 2015 को विश्व आघात दिवस पर प्रो. जे. एस. बजाज बहुव्यावसायिक शिक्षा केंद्र, श्रीमती कमला रहेजा सभागार, नैम्स, नई दिल्ली में आयोजित **"आघात में रोकथाम, प्रबंधन और पुनर्वास - एक बहु पेशेवर टीम दृष्टिकोण"** पर दिशानिर्देश विकसित करने के लिए प्रारंभिक विशेषज्ञ समूह की बैठक

संचालन अधिकारी: डॉ. संजय वधवा, एफएएमएस, आचार्य, भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

विशेषज्ञ समूह बैठक का मुख्य उद्देश्य "आघात में रोकथाम, प्रबंधन और पुनर्वास - एक बहु पेशेवर टीम दृष्टिकोण" पर दिशा निर्देशों की रचना करना था।

विश्व आघात दिवस के उपलक्ष्य में डॉ. संजय वधवा द्वारा श्रीमती कमला रहेजा सभागार, नैम्स, नई दिल्ली में विशेषज्ञ समूह की बैठक आयोजित की गई थी। नैम्स के प्रो. जे. एस. बजाज बहुव्यावसायिक शिक्षा केंद्र में आयोजित यह पहला शैक्षिक कार्यक्रम था। कार्यक्रम की रूप-रेखा बहुत अच्छे तरीके से बनाई गई थी और बैठक बहुत अच्छी तरह से आयोजित की गई थी। तंत्रिका विज्ञान, विकिरणनिदान, सार्वजनिक स्वास्थ्य, औषध विज्ञान, पोषण, नर्सिंग, ऑर्थोटिक्स, चिकित्सा-सामाजिक कार्य और

भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास के क्षेत्रों के विशेषज्ञ भी कार्यक्रम में सम्मिलित थे। डॉ. संजय वाधवा द्वारा मुद्रित और विश्व आघात दिवस से संबंधित पोस्टर को कार्यक्रम स्थल पर प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया।

बैठक का 29 अक्टूबर, 2015 को दोपहर 1 बजे दीप प्रज्वलित कर और उद्घाटन भाषण देकर नैम्स के अध्यक्ष डॉ. मुकुंद एस. जोशी द्वारा उद्घाटन किया गया। वित्त समिति, नैम्स की अध्यक्ष डॉ. (श्रीमती) एस. एस. देशमुख, सीएमई कार्यक्रम समिति, डॉ. प्रेमा रामचंद्रन, नैम्स परिषद के सदस्य प्रो. आर. चड्ढा और नैम्स के मानद सचिव डॉ. दीप एन. श्रीवास्तव भी दीप प्रज्वलित करने में सम्मिलित हुए। डॉ. वधवा को बधाई और इस कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाओं के अपने संदेश के साथ प्रो. जे. एस. बजाज, प्रतिष्ठित अध्यक्ष, नैम्स एवं अध्यक्ष, शैक्षणिक परिषद, नैम्स ने इस बैठक को आशीर्वाद दिया। बैठक 6 बजे समाप्त हुई।

विशेषज्ञ समूह की बैठक के रूप में इस पहली शैक्षणिक गतिविधि के आयोजन के प्रयासों की सभी विशेषज्ञ प्रतिभागियों द्वारा सराहना की गई। इस गतिविधि को वैश्विक संगठन विश्व आघात अभियान (वर्ल्ड स्ट्रोक कैंपेन) की आधिकारिक वेबसाइट पर, भारत में एक महत्वपूर्ण गतिविधि के रूप में प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया (http://www.worldstrokecampaign.org/india-2015/1091-india-new-delhi-prevention-management-andrehabilitation-in-stroke-a-multiprofessional-team-approach.html)।

एम्स और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली से आघात की रोकथाम, प्रबंधन, और पुनर्वास से संबंधित महत्वपूर्ण क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले विशेषज्ञों को संसाधन व्यक्तियों में सम्मिलित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा दी गई प्रस्तुतियाँ बहुत ही उच्च गुणवत्ता की थीं और दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप देने और उपयोगी सिफारिशें करने के लिए विशेषज्ञ समूह को सक्षम करने हेतु साक्ष्य आधारित जानकारी प्रदान की गई थी।

यह निर्णय लिया गया कि डॉ. संजय वधवा को यथासंभव उचित समय पर व्यापक विचार-विमर्श और भागीदारी के लिए आघात पर इस प्रारंभिक बैठक के बाद एक नैम्स प्रायोजित राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन करना चाहिए।

5. 27 नवंबर, 2015 को जे. एस. बी. बहुव्यावसायिक शिक्षा केंद्र, नैम्स, नई दिल्ली में आयोजित: **"एमडीजी: सीखे गए पाठ और आगे एसडीजी की ओर मार्ग"** पर नैम्स-एनएफआई राष्ट्रीय संगोष्ठी

संचालन अधिकारी: डॉ. प्रेमा रामाचंद्रन, निदेशक, भारतीय पोषण प्रतिष्ठान, सी-13, कुतुब संस्थागत क्षेत्र, नई दिल्ली।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

संगोष्ठी के अंत में प्रतिभागी निम्नलिखित में सक्षम होंगेः

1) सहस्त्राब्दि लक्ष्यों के संदर्भ में राष्ट्रीय और राज्य की उपलब्धि की समीक्षा करना;

2) एसडीजी में प्रस्तावित स्वास्थ्य और पोषण से संबंधित लक्ष्यों पर चर्चा करना और कैसे भारतीय परिदृश्य की शक्तियों के इष्टतम उपयोग द्वारा इन्हें प्राप्त किया जा सकता है और मौजूदा बाधाओं पर काबू पाने का प्रयास करना।

पर्यवेक्षक (डॉ. के. के. शर्मा, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

कुल 114 व्यक्तियों ने दिल्ली में संगोष्ठी में भाग लिया। इसके अलावा, प्रतिभागियों की एक अज्ञात संख्या ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर में संगोष्ठी में भाग लिया क्योंकि संगोष्ठी की कार्यवाही का इन संस्थानों के लिए इंटरेक्टिव वीडियो कांफ्रेंसिंग द्वारा सीधा प्रसारण किया गया। इन सभी केन्द्रों में प्रतिभागियों ने न केवल विचार-विमर्श सुनने के द्वारा अपितु प्रत्येक व्याख्यान के बाद संबंधित वक्ताओं को स्पष्टीकरण आदि के लिए प्रश्न पूछकर इस संगोष्ठी में सक्रिय रूप से भाग लिया। दिल्ली में विचार गोष्ठी के आयोजन स्थल पर पंजीकृत अधिकांश लोगों ने पंजीकरण के समय बताया कि उन्हें सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों और एसडीजी या लक्ष्य के सभी क्षेत्रों में भारत की प्रगति के मुद्दों की अधिक जानकारी नहीं हैं। अधिकांश पंजीकृत प्रतिभागियों के बताया कि वह पहली बार किसी ऐसी संगोष्ठी में भाग ले रहे हैं जहां इन मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जा रहा है।

इसे ध्यान में रखते हुए उन्होंने पूर्व संगोष्ठी प्रश्नावली को पूरा करने में अपनी असमर्थता का संकेत दिया। सभी प्रतिभागी कार्यक्रम में भाग लेने के विषय में बहुत उत्साहित थे और उन्होंने एकाग्र होकर सभी व्याख्यान सुने और बहुत प्रासंगिक सवाल

पूछे और अनेक मुद्दों पर पर स्पष्टीकरण भी मांगा। आयोजकों ने सीएमई कार्यक्रम प्रस्ताव में उल्लिखित उद्देश्यों को पूरा किया। आयोजकों ने वैज्ञानिक कार्यक्रम की रूपरेखा बनाने में उद्देश्यों के अनुसार सभी क्षेत्रों को सम्मिलित कर निर्धारित उद्देश्यों को यथासंभव पूरा करने का प्रयास किया और जहां कुछ खामियां थीं और कुछ विषय छूट गए थे उन्हें संयोजक ने ठीक कर दिया। एमडीजी से एसडीजी के लिए संक्रमण: भारत की चुनौतियां और अवसर पर अंतिम चर्चा के दौरान अपनी समापन टिप्पणी में डॉ. प्रेमा रामचंद्रन ने इससे अवगत करवाया था।

एक अच्छी तरह से आयोजित स्मारिका-सह-पृष्ठभूमि लेख फ़ोल्डर के रूप में प्रत्येक प्रतिनिधि को प्रदान किया गया जिसमें सीएमई कार्यक्रम के सभी विवरण दिए गए थे। अंत तक किसी भी समय लगभग 100 से अधिक प्रतिभागी संगोष्ठी में उपस्थित रहे। वैज्ञानिक कार्यक्रम में शिक्षाप्रद व्याख्यान सम्मिलित थे और महामारी विज्ञान के प्रकरण परिदृश्यों की एक संख्या प्रत्येक वक्ता की प्रस्तुति में सम्मिलित थी। प्रतिभागियों को संसाधन व्यक्तियों के साथ बातचीत करने का पूरा अवसर प्रदान किया गया। हालांकि, वहाँ कोई लघु समूह शिक्षण गतिविधियां नहीं थी क्योंकि उनकी इस संगोष्ठी के उद्देश्यों के अनुसार कोई आवश्यकता नहीं थी। एमडीजी और एसडीजी की वर्तमान स्थिति की कार्यवाही पर सरकार की रिपोर्ट में शामिल राज्य और राष्ट्रीय स्तर के महामारी विज्ञान के प्रमाणों द्वारा समर्थित आधिकारिक डेटा सभी संसाधन व्यक्तियों ने प्रस्तुत किया। न केवल सभागार में आयोजित वैज्ञानिक विचार-विमर्श के दौरान बल्कि पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रसारित विचार-विमर्श और प्रश्न-उत्तर के सत्रों की गुणवत्ता में श्रव्यदृश्य व्यवस्था उत्कृष्ट थी। आयोजकों द्वारा चुने गए सभी वक्ता और संसाधन व्यक्ति देश में एमडीजी और एसडीजी कार्यवाही के संचालन और मूल्यांकन में शामिल भारत सरकार के गणमान्य व्यक्ति, मंत्रालयों के अधिकारी और शिक्षाविद हैं।

01.04.2015 से 31.03.2016 तक अंतःसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों के अधीन अनुदान दर्शाती विवरणी

क्र.सं.	विषय	स्वीकृत राशि (रुपए)
1.	**"खाद्य सुरक्षा: फार्म से प्लेट भोजन बनाइए सेफ"** पर नैम्स क्षेत्रीय संगोष्ठी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान जोधपुरः 6-7 अप्रैल, 2015	1,17,390/-
2.	**"टाइप 2 मधुमेह के रोगियों की उपचर्या देखभाल"** पर नैम्स क्षेत्रीय संगोष्ठी श्री गुरु राम दास आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, अमृतसरः 27 अप्रैल, 2015	1,12,500/-
3.	**"मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य: 2015 में और इसके बाद"** पर नैम्स राष्ट्रीय संगोष्ठी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटनाः 17 अक्टूबर, 2015	1,30,000/-
4.	**"आघात में रोकथाम, प्रबंधन और पुनर्वास - एक बहु पेशेवर टीम दृष्टिकोण"** पर दिशा-निर्देश बनाने के लिए प्रारंभिक विशेषज्ञ समूह की बैठक प्रो. जे. एस. बजाज बहुव्यावसायिक शिक्षा केंद्र, नैम्स, नई दिल्लीः 29 अक्टूबर, 2015	
5.	**"एमडीजी: सीखे गए पाठ और आगे एसडीजी की ओर मार्ग"** पर नैम्स-एनएफआई राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रो. जे. एस. बजाज बहुव्यावसायिक शिक्षा केंद्र, नैम्स, नई दिल्लीः 27 नवंबर, 2015	1,10,516/-

एनएएमएस अध्याय

उत्तरी क्षेत्र

जम्मू और कश्मीर	डॉ. आर. मदान पूर्व सदस्य, लोक सेवा आयोग जम्मू एवं कश्मीर सरकार	निदेशक, मदान अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, 37 ए/सी, गांधी नगर, जम्मू-180004
चंडीगढ़ हिमाचल प्रदेश	डॉ. योगेश चावला निदेशक, पीजीआईएमईआर, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, हेप्टोलोजी विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़-160012	निदेशक, पीजीआईएमईआर आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, हेप्टोलोजी विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012
दिल्ली	डॉ. जे.एन. पांडे पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, काय चिकित्सा विभाग, अ.भा.आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली-110029	वरिष्ठ परामर्शदाता (कायचिकित्सा), सीताराम भारतीया विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, बी-16, महरौली संस्थागत क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
हरियाणा	एयर मार्शल डॉ. एम.एस. बोपाराय पूर्व निदेशक, एएफएमसी, पुणे, और पूर्व महानिदेशक, सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा, नई दिल्ली	915, डिफेंस कालोनी, सेक्टर-17बी, गुड़गांव- 122001
पंजाब	डॉ. एच.एस. संधू पूर्व प्रधानाचार्य, मेडिकल कालेज, अमृतसर	मकान सं. 883, सर्कुलर रोड, नर्स होस्टल के सामने अमृतसर- 143001
उत्तर प्रदेश	डॉ. (श्रीमती) पी.के. मिश्रा, पूर्व प्रधानाचार्या एवं	122, फैजाबाद रोड, इंदिरा पुल के पास,

	संकायाध्यक्ष, काय चिकित्सा संकाय एवं आचार्य एवं विभागाध्यक्ष बाल रोग विज्ञान विभाग किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज लखनऊ-226003, उत्तर प्रदेश।	लखनऊ-226007, उत्तर प्रदेश।
मध्य क्षेत्र		
राजस्थान	डॉ. संजीव मिश्रा निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर	निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान जोधपुर
मध्य प्रदेश	डॉ. बी.सी. बापना (दिवंगत)	
पश्चिम क्षेत्र		
महाराष्ट्र	डॉ. एस.एस. देशमुख पूर्व कुलपति, बंबई विश्वविद्यालय, मुम्बई	समर्थ कृपा, राम मंदिर मार्ग, विले-पार्ले (ईस्ट), मुम्बई-400057
गुजरात	डॉ. हरिभाई एल. पटेल	50/322, सरस्वती नगर, वस्त्रपुर, अहमदाबाद-380015
दक्षिण क्षेत्र		
तमिलनाडु	डॉ. मोहन कामेस्वरन निदेशक, मद्रास ईएनटी अनुसंधान प्रतिष्ठान, चेन्नई	मद्रास ईएनटी अनुसंधान प्रतिष्ठान, 1 क्रॉस स्ट्रीट, ऑफ मुख्य मार्ग, राजा अन्नामलाईपुरम चेन्नई-600028
केरल	डॉ. वी. मोहन कुमार	8-ए, हीरा गेट अपार्टमेंट डीपीआई जंक्शन, जगथी तिरुवनंतपुरम-695014
आंध्र प्रदेश	डॉ. सी. एस. भास्करन (दिवंगत)	

कर्नाटक	डॉ. अनुरा विश्वनाथ कुरपद संकायाध्यक्ष, सेंट जॉन अनुसंधान संस्थान सेंट जॉन राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी, बंगलौर	सेंट जॉन अनुसंधान संस्थान सेंट जॉन राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी, बीडीए कॉम्पलैक्स कोरामंगला, बंगलौर-560034

पूर्व क्षेत्र

पश्चिम बंगाल	डॉ. डी. बक्सी पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अस्थिरोगविज्ञान विभाग, मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, कोलकाता	डीए-3, सेक्टर-1, साल्ट लेक सिटी, कोलकाता-700064
उड़ीसा	डॉ. सुरेश्वर मोहंती तंत्रिकाशल्यचिकित्सा आचार्य एवं प्रधानाचार्य, आयुर्विज्ञान संस्थान, सेक्टर-8 कलिंग नगर, भुवनेश्वर	206 डुप्लेक्स, मनोरमा एस्टेट, रसूलगढ़, भुवनेश्वर-751010
बिहार	डॉ. एस. पी. श्रीवास्तव पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, बालचिकित्सा विभाग, पटना मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, पटना	एस-104, उदयगिरी भवन, बुद्ध मार्ग, पटना-800001, बिहार
झारखंड	डॉ. सुरेश्वर पांडे	आरजेएसआईओआर, रामेश्वरम, बरियातु रोड, रांची-834009, झारखंड
असम	डॉ. देबी चरण चौधरी	ऊषा किरण यू. एन., बेजबरुआ रोड, सिलपुखेरी, गुवाहाटी-781003

एनएएमएस के प्रतिष्ठित आचार्य

नैम्स के प्रतिष्ठित आचार्यों द्वारा दिए गए व्याख्यान/ सारांश की रिपोर्ट

1. **डॉ. टी. डी. चुग, प्रतिष्ठित आचार्य, नैम्स द्वारा दिए गए व्याख्यानों का सारांश।**

क) 27 जुलाई, 2015 को आईएएमएम में "उष्णकटिबंधीय बुखार"।

उष्णकटिबंधीय बुखार उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अधिकतर मौसमी (वर्षा के मौसम के दौरान या वर्षा के बाद) और अक्सर वेक्टर जनित होता है। भारत पर जीवाणु, परजीवी और विषाणु के कारण होने वाले इन संक्रमणों का एक बहुत बड़ा बोझ है। सबसे आम रिकेट्सी संक्रमण, वायरल (डेंगू, चिकनगुनिया, इन्फ्लूएंजा, आंत्रविषाणु), मलेरिया, आंतों का बुखार और लेप्टोस्पायरोसिस हैं। नैदानिक आविर्भाव विविध हैं: बिना स्थानीयकरण संकेत के बुखार या लाल चकत्ते के साथ बुखार, एआरडीएस, मस्तिष्क विकृति, गंभीर वृक्क विफलता, पीलिया या बहु-अंग विफलता। प्रयोगशाला निदान और प्रबंधन में लक्षणीय दृष्टिकोण का उपयोग किया जाता है। रोकथाम और नियंत्रण एक लोक स्वास्थ्य मुद्दा है।

ख) 3-8 अगस्त, 2015 को रोगाणुरोधी प्रबन्ध (प्रतिजीवी विरोध परीक्षण, गुणवत्ता आश्वासन और निगरानी पर डब्ल्यूएचओ फैलोशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम)।

मैंने दो मामलों के अध्ययन के माध्यम से प्रस्तुति दी, गैर जटिल आंत्रिक बुखार का मामला और हीमोडायलिसिस पर ईएसआरडी के एक मामले में एमआरएसए जीवाणुरक्तता का मामला। सत्र 2 घंटे के लिए इंटरैक्टिव था।

"सटीक, समय पर और वहन करने योग्य" सूक्ष्मजैविकी रिपोर्ट पर बल और दवाओं के पीके एवं पीडी की अच्छी जानकारी के साथ प्रतिसूक्ष्मजीवी का प्रयोग।

चिकित्सकों के साथ सूक्ष्म जीव विज्ञानियों और औषधगुण विज्ञानियों की सहभागिता आवश्यक है। इसे नियमित रूप से होना चाहिए।

ग) 16 अगस्त, 2015 को एसजीटी विश्वविद्यालय, गुड़गांव में रोगी सुरक्षा।

आध्यात्मिक गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी, उनके नैतिक दर्शन, मानव मूल्यों, नैतिकता और वर्तमान चिकित्सा अभ्यास के लिए प्रासंगिकता के बारे में संक्षेप में बात की गई।

चिकित्सा त्रुटियाँ, प्रतिकूल औषध की घटनाएं और असुरक्षित इंजेक्शन भारत में एक बहुत बड़ा बोझ हैं। "जटिलताएं राजस्व उत्पन्न करती हैं" अस्वीकार्य है।

चिकित्सा के क्षेत्र में नेतृत्व आज की आवश्यकता है।

घ) 20 सितम्बर, 2015 को कटक, ओडिशा में रोगाणु एवं असंक्रामक रोग।

प्रोफेसर बिक्रम दास केवल एक वैज्ञानिक और सूक्ष्म जीव विज्ञान के शिक्षक नहीं थे बल्कि एक राजनीतिक क्रांतिकारी और साहित्यकार भी थे जिन्होंने कविता, कथा और उपन्यास लिखे थे।

मानव - रोगाणु पारस्परिक आश्रय का सिद्धांत संक्रामक रोगों से ही संबंधित नहीं है, अपितु रोगाणुओं को कैंसर पैदा करने के लिए जाना जाता है: बुर्कीट लिंफोमा, गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर, हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा, गैस्ट्रिक कार्सिनोमा और माल्ट आदि और विभिन्न जीवन शैली रोग (चयापचय रोग, मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग)।

आंत सूक्ष्मजीवोम, प्रोबायोटिक्स और मल सूक्ष्मजीवजात की भूमिका, प्रत्यारोपण पर चर्चा की गई।

च) 19 नवंबर, 2015 को एम्बीकॉन में संक्रामक रोगों का प्रतिरक्षानिदान।

विभिन्न इन-विट्रो प्रतिरक्षा तकनीकों का संक्रामक रोगों के व्यवहार में प्रयोग किया गया है। ये हैं, अवक्षेपण, पूरक निर्धारण, समूहन, निराकरण, प्रतिरक्षा-वैद्युतकणसंचलन, प्रति प्रतिरक्षा-वैद्युतकणसंचलन, केमील्यूमिनिसेंस और हाल ही की वेस्टर्न ब्लॉट, तीव्र इम्यूनोक्रोमैटोग्राफिक परीक्षण, इम्यूनोफ्लूरेसेंस, प्रतिरक्षीऊतकरसायनविज्ञान और प्रतिरक्षी-इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी हैं। उनकी तकनीक यंत्रवत और विभिन्न रोगों जैसे एड्स, हेपटाइटिस ए, बी, सी, ई, ब्रूसिलोसिस, आंत्रिक बुखार, लेप्टोस्पायरोसिस, उपदंश, कैंडिडिआसिस, एसपरगिलोसिस और स्व-प्रतिरक्षित रोगों में नैदानिक प्रभावों पर संवेदनशीलता और विशिष्टता के साथ चर्चा की गई।

छ) 20 नवंबर, 2015 को एम्बीकॉन में बायोमार्कर और संक्रामक रोग।

बायोमार्कर संक्रामक रोगों के निदान, पूर्वानुमान, गंभीरता, रोग की प्रगति, जीवाणु और गैर जीवाणु रोगों में अंतर, सेप्सिस, बहु-अंग विफलता, चिकित्सा प्रतिक्रिया, प्रतिकूल घटनाओं के लिए महत्वपूर्ण हैं और प्रतिजैविक प्रबन्ध कार्यक्रम में रोगाणुरोधी चिकित्सा के लिए एक उपयोगी मार्गदर्शक हैं।

सीआरपी, पीसीटी, आईएल, टीएनएफ अल्फा सहित एक बड़ी संख्या में बायोमार्कर वर्तमान में संक्रामक रोगों में प्रयुक्त हो रहे हैं। क्रमिक अनुमानों के साथ लागत प्रभावी बायोमार्कर के संयोजन का उपयोग सबसे अच्छी विधि है। आईएल-6, 8 सबसे प्रभावी प्रारंभिक मार्करों में हैं। आईएल-6 और सीआरपी का संयोजन एक उत्कृष्ट दृष्टिकोण है। पीसीटी की उत्कृष्ट संवेदनशीलता और विशिष्टता है और पूति के निदान की पुष्टि के बजाय उसे खारिज करने के लिए अधिक अच्छा प्रयोग किया जाता है और एंटीबायोटिक उपचार की अवधि को कम करने के लिए भी अच्छा है। देखभाल जांच का प्रश्न फिर से एक नई और उपयोगी पद्धति है।

ज) 9 फरवरी, 2016 को वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज, दिल्ली में रोगाणुरोधी प्रतिरोध: एक लोक स्वास्थ्य चुनौती।

विश्व में और भारत में रोगाणुरोधी प्रतिरोध का उद्भव और बोझ। प्रस्तुति में "आगे के मार्ग" पर ध्यान केंद्रित किया गया। सूक्ष्म जीव विज्ञान सेवाओं की सटीकता और गुणवत्ता (खराब गुणवत्ता और रोगियों के नमूनों की ढुलाई), चिकित्सकों के साथ सूक्ष्म जीव विज्ञानियों और औषधगुण विज्ञानियों की सहभागिता की कमी पर विस्तार से चर्चा की गई। एंटीबायोटिक दवाओं के प्रयोग के लिए प्रेरक और प्रतिबंधात्मक हस्तक्षेप पर चर्चा की गई। जनता और छात्रों और केमिस्टों के साथ निरंतर अभियानों पर प्रकाश डाला गया।

एनएएमएस वेबसाइट

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) की अपनी वेबसाइट है, जिसका पता **http://nams-india.in** है, जो इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ विश्व के किसी भी हिस्से से पहुंची जा सकती है। अकादमी और इसकी गतिविधियों के बारे में लगभग सभी महत्वपूर्ण जानकारी, अधिगम संसाधन सामग्री, सीएमई कार्यक्रमों का ब्यौरा, वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों के अभिभाषण और वर्तमान प्रौद्योगिकी की अन्य उपयोगी सामग्री आसानी से इस वेबसाइट पर जाकर प्राप्त की जा सकती है। मुख्य पृष्ठ पर निम्नलिखित के बारे में जानकारी आसानी से प्राप्त की जा सकती है:

एनएएमएस नियम और विनियम, पदाधिकारी, परिषद् के सदस्य, अध्येता और सदस्य (वर्ष-वार), सीएमई कार्यक्रम के वित्तपोषण के लिए आवेदन प्रस्तुत करने हेतु दिशानिर्देश, शैक्षणिक कैलेंडर, व्याख्यान और पुरस्कार, एनएएमएस के वर्ष वृत्तांत (प्रकाशित लेखों के सार), एनएएमएस प्रकाशित मोनोग्राफ, एनएएमएस राष्ट्रीय सम्मेलन 2015, डाउनलोड (संगोष्ठियों, सेमिनार, कार्यशालाओं, सीएमई कार्यक्रम के आयोजन के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए प्रारूप और लेखकों के लिए एनएएमएस वर्ष वृत्तांत के लिए लेख भेजने के लिए निर्देश) और एनएएमएस के आगामी वार्षिक सम्मेलन के बारे में जानकारी आदि। वेबसाइट पर वार्षिक रिपोर्ट के साथ ही वर्ष वृत्तांत के विभिन्न अंकों की वर्ष 2013, 2014 और 2015 के दौरान प्रकाशित सामग्री उपलब्ध है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर में आयोजित नैम्स द्वारा प्रायोजित सभी शैक्षणिक गतिविधियों को भी अधिगम संसाधन सामग्री की सॉफ्ट कॉपी के रूप में संग्रहीत किया गया है। इसके अतिरिक्त, नैम्स चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान केंद्र ने नैम्सकॉन 2013, नैम्सकॉन 2014, और एम्स जोधपुर, राजस्थान में आयोजित वैज्ञानिक संगोष्ठियों के सभी कार्यक्रमों को वीडियो रिकॉर्ड किया है और पटना, बिहार में आयोजित नैम्सकॉन 2015 के कार्यक्रमों को भी अकादमी वेबसाइट के साथ जोड़ा गया है।

वित्तीय रिपोर्ट

सरकारी अनुदान

योजना

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अकादमी को सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए 'योजना' के तहत स्वीकृत/ दिए गए सहायता अनुदान की स्थिति और उसके विरुद्ध गत 3 वर्षों (2013-14 से 2015-16) के दौरान किया गया व्यय निम्नानुसार हैः

(लाख रुपए में)

वर्ष	स्वीकृत अनुदान	प्राप्त अनुदान	व्यय (खरीदी गई परिसंपत्तियों सहित)
2013-14	86.40	63.00	79.68
2014-15	110.00	60.00	67.22
2015-16	100.00	65.41	72.23

'योजना' के अंतर्गत वर्ष 2013-14 और 2015-16 के दौरान व्यय का आधिक्य पूर्व वर्षों में व्यय नहीं किए गए अनुदान से पूरा किया गया था।

गैर-योजना

मंत्रालय द्वारा स्वीकृत/ दिए गए सहायता अनुदान की स्थिति और 'गैर-योजना' के तहत गत 3 वर्षों (2013-14 से 2015-16) के दौरान किया गया व्यय निम्नानुसार हैः

(लाख रुपए में)

वर्ष	स्वीकृत अनुदान	प्राप्त अनुदान	व्यय	अभ्युक्तियां
2013-14	60.00	55.54	71.06	व्यय का आधिक्य अकादमी द्वारा सृजित राजस्व से पूरा किया गया है।
2014-15	55.00	55.00	73.99	व्यय का आधिक्य अकादमी द्वारा सृजित राजस्व से पूरा किया गया है।

वर्ष	स्वीकृत अनुदान	प्राप्त अनुदान	व्यय	अभ्युक्तियां
2015-16	55.00	53.00	66.70	व्यय का आधिक्य अकादमी द्वारा सृजित राजस्व से पूरा किया गया है।

वित्त

वर्ष 2015-16 के दौरान अध्येताओं और सदस्यों से आजीवन सदस्यता शुल्क के रूप में 36,97,000/- रुपए की राशि प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त 30,88,511/- रुपए की राशि सावधि जमा पर ब्याज के कारण प्राप्त हुई।

लेखा

वर्ष 2015-16 के लिए लेखे की लेखापरीक्षा चार्टर्ड लेखाकार द्वारा पूरी कर ली गई है। परिषद ने 17 सितम्बर, 2016 को आयोजित अपनी बैठक में लेखा विवरण भी अनुमोदित किया है। अब इनको आम सभा द्वारा अपनाए जाने के लिए सिफारिश की जाती है।

लेखा

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

अंसारी नगर, रिंग रोड, नई दिल्ली।

वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट

हमने राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) ("अकादमी") के संलग्न वित्तीय विवरण की लेखा परीक्षा की है जिसमें 31 मार्च, 2016 की यथास्थिति तुलन-पत्र और समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा, तथा महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य स्पष्टीकारक जानकारी का सारांश शामिल है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों की तैयारी के लिए उत्तरदायी है जो, अकादमी के धर्मार्थ संस्था होने के कारण उस पर लागू, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए गए लेखांकन मानकों के अनुसार अकादमी की वित्तीय स्थिति, वित्तीय निष्पादन का सही और निष्पक्ष रूप प्रस्तुत करें। इस उत्तरदायित्व में वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण की रूपरेखा, कार्यान्वयन और अनुरक्षण निहित है जो एक सच्चा और निष्पक्ष विचार दे और धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण सामग्री के ग़लत बयान से मुक्त हो।

लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारा उत्तरदायित्व अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करना है। हमने भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा की है। वे मानक अपेक्षा करते हैं कि हम नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें और इस बारे में, कि क्या वित्तीय विवरण गलत विवरण से मुक्त हैं, उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की योजना बनाएँ और निष्पादित करें।

लेखापरीक्षा में वित्तीय विवरणों में राशियों और प्रकटनों का समर्थन करने वाले लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त के लिए प्रक्रियाएँ शामिल होती है। चुनी गई प्रक्रियाएँ लेखा परीक्षकों के निर्णय, जिसमें धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण वित्तीय विवरणों के गलत विवरण के जोखिम का आकलन निहित है, पर निर्भर करती हैं । इस जोखिम का आकलन करते हुए लेखा परीक्षक अकादमी द्वारा

वित्तीय विवरणों की तैयारी और सही प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए परिस्थितयों के अनुसार उपयुक्त लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं की रूपरेखा बनाता है। लेखापरीक्षा में प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों की उपयुक्तता का आकलन और प्रबंधन द्वारा बनाए गए महत्वपूर्ण लेखा अनुमानों का औचित्य तथा साथ ही समग्र वित्तीय विवरण के प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी शामिल होता है। हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य पर्याप्त हैं और हमारी लेखापरीक्षा राय के लिए उचित आधार प्रदान करते हैं।

राय

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, वित्तीय विवरण भारत में साधारणतया स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुरूप सही और उचित दृश्य प्रस्तुत करते हैं:

i. तुलन-पत्र के मामले में अकादमी की 31 मार्च, 2016 की यथास्थिति कार्यकरण

ii. आय-व्यय लेखा के मामले में उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए व्यय की अपेक्षा आय का आधिक्य।

विषय का महत्व

अपनी राय को योग्य ठहराए बिना, हम निम्नलिखित की ओर ध्यान आकर्षित करते हैः

- अचल परिसंपत्तियों का वास्तविक सत्यापन और बहियों से उसका समंजन लंबित है।

कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन

हस्ताक्षर
(बी. एल. खन्ना)
साझेदार

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 को यथास्थिति तुलन-पत्र

(राशि रुपए)

संचित निधि/पूंजी निधि और देयताएं	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
संचित/पूंजी निधि	1	3,90,47,298.14	2,97,62,954.40
प्रारक्षित निधि और अधिशेष	2	6,26,519.58	6,26,519.58
पूंजी परिसंपत्ति निधि	3	1,93,94,647.25	2,02,81,660.25
निर्धारित/धर्मादा निधि (सरकारी)	4	-1,82,696.00	4,59,035.00
निर्धारित/धर्मादा निधि (गैर-सरकारी)	5	54,32,645.48	1,13,25,759.72
चालू देयताएं और प्रावधान	6	48,017.00	23,017.00
जोड़		**6,43,66,431.45**	**6,24,78,945.95**
परिसंपत्तियां			
अचल परिसंपत्तियां	7	1,93,94,647.25	2,02,81,660.25
चालू परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम	8	4,49,71,784.20	4,21,97,285.70
जोड़		**6,43,66,431.45**	**6,24,78,945.95**

ह./-	ह./-	ह./-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मनोरमा बेरी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए

आय और व्यय लेखा (समेकित)

(राशि रुपए)

आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अनुसंधान कार्य		
अनुदान	65,41,000.00	60,00,000.00
अर्जित ब्याज	40,373.00	58,018.00
अकादमी		
अनुपस्थिति में स्क्रॉल से आय	2,17,000.00	17,200.00
अनुदान	53,00,000.00	55,00,000.00
शुल्क/ अभिदान	6,19,000.00	4,40,000.00
अर्जित ब्याज	30,88,511.00	32,00,008.00
अन्य आय	30,33,072.24	8,400.00
जोड़ (क)	**1,88,38,956.24**	**1,52,23,626.00**
व्यय		
अनुसंधान कार्य		
स्थापना व्यय	28,48,415.00	23,38,192.00
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	27,64,646.00	20,19,438.00
अनुदानों, अनुसंधान, सीएमई पर व्यय	11,46,694.00	13,33,818.00
नैम्स अनुसंधान केंद्र- जोधपुर के व्यय	2,03,551.00	8,48,281.00
पूंजीगत व्यय	2,59,798.00	1,81,909.00
अकादमी		
स्थापना व्यय	41,52,343.00	44,62,628.00
गैर-योजना पर अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	25,17,896.50	29,36,178.50
जोड़ (ख)	**1,38,93,343.50**	**1,41,20,444.50**
कुल जोड़ (क - ख)	**49,45,612.74**	**11,03,181.50**

ह./-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)
अध्यक्ष

ह./-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह./-
(डॉ मनोरमा बेरी)
कोषाध्यक्ष

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 10 सितम्बर, 2016

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए

अनुसंधान कार्य के लिए आय और व्यय लेखा

(राशि रुपए)

आय	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बिक्री/सेवाओं से आय			
अनुदान	4	65,41,000.00	60,00,000.00
शुल्क/ अभिदान		-	-
अर्जित ब्याज	4	40,373.00	58,018.00
अन्य आय		-	-
जोड़ (क)		**65,81,373.00**	**60,58,018.00**
व्यय			
स्थापना व्यय	4	28,48,415.00	23,38,192.00
अनुसंधान प्रकोष्ठ के अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	4	27,64,646.00	20,19,438.00
अनुदानों, अनुसंधान, सीएमई पर व्यय	4	11,46,694.00	13,33,818.00
नैम्स अनुसंधान केंद्र- जोधपुर के व्यय	4	2,03,551.00	8,48,281.00
पूंजीगत व्यय	4	2,59,798.00	1,81,909.00
जोड़ (ख)		**72,23,104.00**	**67,21,638.00**
व्यय की तुलना में आय के आधिक्य का शेष (क - ख)		(6,41,731.00)	(6,63,620.00)
विशेष प्रारक्षित निधि को अंतरण (प्रत्येक निर्दिष्ट करें)		-	-
सामान्य प्रारक्षित निधि को/ से अंतरण		-	-
अनुसंधान गतिविधियों के लिए अनुसूची 4 के अनुसार ब्यौरा		**(6,41,731.00**)	**(6,63,620.00**)

ह./-	ह./-	ह./-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मनोरमा बेरी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए

अकादमी के लिए आय और व्यय लेखा

(राशि रुपए)

आय	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अनुपस्थिति में स्क्रॉल से आय	9	2,17,000.00	17,200.00
अनुदान	10	53,00,000.00	55,00,000.00
शुल्क/ अभिदान	11	6,19,000.00	4,40,000.00
अर्जित ब्याज	12	30,88,511.00	32,00,008.00
अन्य आय	13	30,33,072.24	8,400.00
जोड़ (क)		**1,22,57,583.24**	**91,65,608.00**
व्यय			
स्थापना व्यय	14	41,52,343.00	44,62,628.00
गैर-योजना पर अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	15	25,17,896.50	29,36,178.50
अनुदानों, आर्थिक सहायता पर व्यय	16	--	--
जोड़ (ख)		**66,70,239.50**	**73,98,806.50**
व्यय की तुलना में आय के आधिक्य का शेष (क - ख)		55,87,343.70	17,66,801.50
विशेष प्रारक्षित निधि को अंतरण (प्रत्येक निर्दिष्ट करें)		-	-
सामान्य प्रारक्षित निधि को/ से अंतरण		-	-
अधिशेष/(कमी)) का शेष संचित/पूंजी निधि को अग्रेनीत		**55,87,343.74**	**17,66,801.50**

ह./-	ह./-	ह./-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मनोरमा बेरी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 की यथास्थिति तुलन-पत्र का भाग होने वाले अनुसूचियां

अनुसूची 1 - संचित/पूंजी निधि

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
वर्ष के प्रारंभ में शेष	2,97,62,954.40		2,53,69,152.90	
जोड़े: प्रवेश शुल्क	36,97,000.00		26,27,000.00	
जोड़े संचित/पूंजी निधि को अंशदान	--		--	
घटाएं: पूंजी परिसंपत्ति निधि को अंतरण	--		--	
जोड़े/(घटाएं): आय और व्यय का लेखा से अंतरित निवल आय/(व्यय) का शेष	55,87,343.74	3,90,47,298.14	17,66,801.50	2,97,62,954.40
वर्ष के अंत में शेष		**3,90,47,298.14**		**2,97,62,954.40**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मनोरमा बेरी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 2 - प्रारक्षित निधि और अधिशेष

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
1.	**पूंजी प्रारक्षित निधिः**				
	पिछले लेखे के अनुसार				
	वर्ष के दौरान वृद्धि				
	घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां				
2.	**पूनर्मूल्यांकन प्रारक्षित निधिः**				
	पिछले लेखे के अनुसार				
	वर्ष के दौरान वृद्धि				
	घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां				
3.	**विशेष प्रारक्षित निधिः**				
	पिछले लेखे के अनुसार				
	वर्ष के दौरान वृद्धि				
	घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां				
4.	**सामान्य प्रारक्षित निधिः**				
	पिछले लेखे के अनुसार				
	वर्ष के दौरान वृद्धि				
	घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां				
5.	**उपस्कर निधि और इमारत निधिः**				
	पिछले लेखे के अनुसार				
	वर्ष के दौरान वृद्धि	--		--	
	घटाएं: पूंजी परिसंपत्ति निधि	--		--	

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
को अंतरण				
6. इमारत निधि (अनुरक्षण)				
पिछले लेखे के अनुसार	6,26,519.58		6,26,519.58	
वर्ष के दौरान वृद्धि				
घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां		6,26,519.58		6,26,519.58
जोड़		**6,26,519.58**		**6,26,519.58**

ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)
अध्यक्ष

ह0/-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह0/-
(डॉ मनोरमा बेरी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 3 - पूंजी परिसंपत्ति निधि

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
निधि का अथशेष	2,02,81,660.25		2,00,99,751.25	
		2,02,81,660.25		2,00,99,751.25
जोड़ें: सीएमई कार्यक्रम अनुदान के अधीन पूंजी परिसंपत्तियां	2,59,798.00		2,23,909.00	
जोड़े: पूंजी परिसंपत्तियां अन्य अनुदान		2,59,798.00		2,23,909.00
घटाएं: रद्दी की गई/ चोरी हुई परिसंपत्तियां	11,46,811.00	11,46,811.00	(42,000.00)	(42,000.00)
		1,93,94,647.25		**2,02,81,660.25**

ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)
अध्यक्ष

ह0/-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह0/-
(डॉ मनोरमा बेरी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (सरकारी योजना निधि)

(सीएमई कार्यक्रम निधि)

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
(क) निधियों का अथशेष		4,59,035.00		11,22,655.00
(ख) निधियों में वृद्धियां				
i. दान/अनुदान(अनुबंध-क)	65,41,000.00		60,00,000.00	
ii. निधि के कारण किए गए निवेश से आय	40,373.00		58,018.00	
iii. अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें)		65,81,373.00		60,58,018.00
घटाएं: पूंजी परिसंपत्ति निधि को अंतरण (अनुसूची 17 की टिप्पणी सं. 9 का संदर्भ लें)				
जोड़ (क + ख)		**70,40,408.00**		**71,80,673.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मनोरमा बेरी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (सरकारी योजना निधि)

(सीएमई कार्यक्रम निधि) ज़ारी.....

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
(ग)	**उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय**				
i.	**पूंजी व्यय**				
	- अचल परिसंपत्तियां	2,59,798.00	**2,59,798.00**	1,81,909.00	**1,81,909.00**
	- अन्य				
ii.	**राजस्व व्यय**				
	- वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि (अनुबंध-ख)	28,48,415.00		23,38,192.00	
	- किराया	-		-	
	- सीएमई कार्यक्रम के लिए अनुदान निर्गमन(अनुबंध-ग)	11,46,694.00		13,33,818.00	
	- अन्य प्रशासनिक व्यय (अनुबंध-घ)	27,64,646.00	69,63,306.00	20,19,438.00	65,39,729.00
	- नैम्स अनुसंधान केंद्र-जोधपुर के व्यय	2,03,551.00		8,48,281.00	
जोड़ (ग)			**72,23,104.00**		**67,21,638.00**
वर्ष के अंत में निवल शेष		(क + ख + ग)	(1,82,696.00)		4,59,035.00

ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)
अध्यक्ष

ह0/-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह0/-
(डॉ मनोरमा बेरी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 का अनुबंध - क

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष	**पिछला वर्ष**
दान/ अनुदान		
अनुदान - सामान्य	35,32,000.00	27,00,000.00
अनुदान - वेतन	27,34,000.00	31,00,000.00
अनुदान - पूंजी	2,75,000.00	2,00,000.00
जोड़	**65,41,000.00**	**60,00,000.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मनोरमा बेरी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 का अनुबंध - ख

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
स्थापना व्यय			
क)	वेतन और मजदूरी	25,60,590.00	21,38,979.00
ख)	भत्ते और बोनस		
ग)	भविष्य निधि में अंशदान	2,13,666.00	2,05,847.00
घ)	अन्य निधि में अंशदान (निर्दिष्ट करें) कें.स.स्वा.यो.	61,472.00	-
	घटाएं: कें.स.स्वा.यो. वसूली	(10,800.00)	(10,800.00)
ङ)	कर्मचारी कल्याण व्यय	23,487.00	4,166.00
च)	कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति पर व्यय और सीमांत लाभ		
छ)	अन्य (निर्दिष्ट करें)		
	जोड़	**28,48,415.00**	**23,38,192.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मनोरमा बेरी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 का अनुबंध - ग

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अनुदानों, आर्थिक सहायताओं आदि पर व्यय			
क)	संस्थानों/संगठनों को सतत शिक्षा चिकित्सा कार्यक्रमों के लिए दिया गया अनुदान (अंतःस्थानिक)	4,10,646.00	5,90,000.00
ख)	संस्थानों/संगठनों को सतत शिक्षा चिकित्सा कार्यक्रमों के लिए दिया गया अनुदान (बाह्यस्थानिक)	7,36,048.00	7,43,818.00
ख)	संस्थानों/संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता		
	जोड़	**11,46,694.00**	**13,33,818.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मनोरमा बेरी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 का अनुबंध - घ

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि			
क)	विद्युत और ऊर्जा, जल	1,50,238.00	96,170.00
ख)	बीमा	6,840.00	6,742.00
ग)	मरम्मत और अनुरक्षण	4,12,307.00	3,95,562.00
घ)	वाहन चालन और अनुरक्षण	25,134.00	1,06,765.00
ङ)	डाक शुल्क, टेलीफोन और संचार प्रभार	2,31,754.00	5,789.00
च)	मुद्रण और लेखन सामग्री	3,35,557.00	8,449.00
छ)	यात्रा और वाहन व्यय	3,25,026.00	7,57,228.00
ज)	सेमिनार/कार्यशालाओं पर व्यय (टेली - शिक्षा)	18,176.00	22,395.00
झ)	अभिदान व्यय		
ञ)	शुल्क पर व्यय		
ट)	लेखापरीक्षकों का पारिश्रमिक	22,900.00	22,472.00
ठ)	आतिथ्य व्यय	32,308.00	15,374.00
ड)	व्यावसायिक/ परामर्श प्रभार	10,80,108.00	4,76,560.00
ढ)	डुबंत और संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान		
ण)	बट्टे खाते डाले गए अप्रत्यादेय शेष		

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
त)	विज्ञापन और प्रचार		
थ)	अन्य (निर्दिष्ट करें)		
	-बैठक शुल्क	1,32,500.00	1,03,500.00
	-बैंक प्रभार	1,798.00	1,817.00
	-अधिगम स्त्रोत सामग्री व्यय	-	-
	-चिकित्सा व्यय	-	615.00
	- पुस्तकें एवं पत्र-पत्रिकाएं	-	-
	जोड़	**27,64,646.00**	**20,19,438.00**

ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)
अध्यक्ष

ह0/-
(डॉ दीपक एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह0/-
(डॉ मनोरमा बेरी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 का अनुबंध – ड़

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
नैम्स अनुसंधान केंद्र - जोधपुर का व्यय विवरण			
क)	सीएमई कार्यक्रम	26,089.00	2,76,521.00
ख)	नैम्स के वार्षिक वृत्तांत का प्रकाशन	1,37,000.00	4,38,500.00
ग)	डाक व्यय	40,462.00	1,33,260.00
	जोड़	**2,03,551.00**	**8,48,281.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मनोरमा बेरी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 5 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (अन्य)

(राशि रुपए)

(गैर-योजना)		निधि-वार आंकड़े							
		1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**
		जन. अमीर चन्द व्याख्यान निधि	आरोग्य आश्रम समिति निधि	बम्बई व्याख्यान निधि	डॉ के.एल. विग स्मारक व्याख्यान निधि	डॉ आर.वी. राजम व्याख्यान निधि	डॉ आर.एम. कासलीवाल निधि	डॉ एस.एस. मिश्रा चिकित्सा पुरस्कार निधि	श्री राम स्मारक पुरस्कार निधि
क)	**निधियों का अथशेष**	67,006.50	59,739.03	84,943.00	2,80,925.55	54,083.69	788.88	(28,127.30)	23,011.54
ख)	**निधियों में वृद्धियां**								
i	दान/अनुदान								
ii	निधि के लिए किए गए निवेश से आय	8,224.00	7,985.00	7,288.00	25,7111.00	7,896.00	3,520.00	2.827.00	3,124.00
iii	अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें) अंशदान								
जोड़ (क + ख)		**75,230.00**	**67,724.03**	**92,231.00**	**3,06,636.55**	**61,979.69**	**4,308.88**	**(25,300.30)**	**26,135.54**
ग)	**उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय**								
i	**पूंजी व्यय**								
	-अचल परिसंपत्तियां								
	-अन्य								
	जोड़	-	-		-	-	-	-	
ii	**राजस्व व्यय**								
	-वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि								
	-किराया								
	-अन्य प्रशासनिक व्यय								
	-अन्य (नकद पुरस्कार व ट्राफी)	43,794.00	16,535.00		30,503.00	33,730.00	1,208.00	1,208.00	-
जोड़		**43,794.00**	**16,535.00**	**-**	**30,503.00**	**33,730.00**	**1,208.00**	**1,208.00**	**-**
iii	**वर्ष के दौरान भुगतान/ अन्य निधि को अंतरण**								-
जोड़ (ग)		**43,794.00**	**16,535.00**	**-**	**30,503.00**	**33,730.00**	**1,208.00**	**1,208.00**	**-**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग)		**31,436.50**	**51,189.03**	**92,231.00**	**2,76,133.55**	**28,249.69**	**3,100.88**	**(26,508.30)**	**26,135.54**

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

अनुसूची 5 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (अन्य)

(राशि रुपए)

(गैर-योजना)		निधि-वार आंकड़े							
		9	10	11	12	13	14	15	16
		श्याम लाल सक्सेना स्मारक पुरस्कार निधि	कर्नल संघम लाल धर्मादा निधि	डॉ वी.आर. खानोल्कर व्याख्यान निधि	डॉ विमला विरमानी पुरस्कार निधि	पश्चिम बंगाल आंचलिक निधि	डॉ पी.एन. छुट्टानी व्याख्यान निधि	डॉ बी.के. आनंद व्याख्यान निधि	नैम्स-2007 अमृतसर पुरस्कार निधि
क)	**निधियों का अथशेष**	(20,784.87)	82,278.20	69,547.66	57,015.53	49,390.07	1,47,343.00	2,80,689.00	1,10,77300
ख)	**निधियों में वृद्धियां**								
i	दान/अनुदान								
ii	निधि के लिए किए गए निवेश से आय	2.420.00	7,305.00	7,784.00	8,126.00	4,026.00	25,457.00	92.660.00	16,293.00
iii	अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें) अंशदान								
जोड़ (क + ख)		**(18,364.87)**	**89,583.20**	**77,331.66**	**65,141.53**	**53,416.07**	**1,72,800.00**	**3,73,349.00**	**1,27,066.00**
ग)	**उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय**								
i	**पूंजी व्यय**								
	-अचल परिसंपत्तियां								
	-अन्य								
	जोड़	-	-	-	-	-	-	-	-
ii	**राजस्व व्यय**								
	-वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि								
	-किराया								
	-अन्य प्रशासनिक व्यय								
	-अन्य (नकद पुरस्कार व ट्राफी)	1,208.00	9,475.00	39,833.00	8,298.00	-	1,283.00	21,990.00	10,909.00
जोड़		**1,208.00**	**9,475.00**	**39,833.00**	**8,298.00**	**-**	**1,283.00**	**21,990.00**	**10,909.00**
iii	**वर्ष के दौरान भुगतान/ अन्य निधि को अंतरण**								
जोड़ (ग)		**1,208.00**	**9,475.00**	**39,833.00**	**8,298.00**	**-**	**1,283.00**	**21,990.00**	**10,909.00**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग)		**(19,572.87)**	**80,108.20**	**37,498.66**	**56,843.53**	**53,416.07**	**1,71,517.00**	**3,51,359.00**	**1,16,157.00**

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

अनुसूची 5 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (अन्य)

(राशि रुपए)

(गैर-योजना)		**निधि-वार आंकड़े**							
		17	**18**	**19**	**20**	**21**	**22**	**23**	**24**
		स्वर्ण जयंती निधि	**नैम्स स्वर्ण जयंती यात्रा अध्येतावृत्ति**	**भारतीय लोक स्वास्थ्य संघ डेंटिस्टी**	**डॉ बलदेव सिंह व्याख्यान निधि**	**पंजाब सरकार**	**डॉ एस.एस. सिद्धू व्याख्यान निधि**	**डॉ ए. इंद्रायन पुरस्कार निधि**	**डॉ जानकी स्मारक व्याख्यान निधि**
क)	**निधियों का अथशेष**	4,79,146.00	4,24,427.00	1,60,338.00	3,61,887.00	79,928.00	1,86,214.00	2,03,700.00	4,48,316.00
ख)	**निधियों में वृद्धियां**								
i	दान/अनुदान								
ii	निधि के लिए किए गए निवेश से आय	40,106.00	29,406.00	16,345.00	29,406.00	-	81,578.00	35,779.00	1,45,693.00
iii	अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें) अंशदान								
जोड़ (क + ख)		**5,19,252.00**	**4,53,833.00**	**1,76,683.00**	**3,91,29300**	**79,928.00**	**2,67,792.00**	**2,39,479.00**	**5,94,009.00**
ग)	**उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय**								
i	**पूंजी व्यय**								
	-अचल परिसंपत्तियां								
	-अन्य								
	जोड़	-	-		-				
ii	**राजस्व व्यय**								
	-वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि								
	-किराया								
	-अन्य प्रशासनिक व्यय								
	-अन्य (नकद पुरस्कार व ट्राफी)	-	-	10,268.00	30,316.00	-	30,498.00	-	1,283.00
जोड़		-	-	**10,268.00**	**30,316.00**	-	**30,498.00**	-	**1,283.00**
iii	**वर्ष के दौरान भुगतान/ अन्य निधि को अंतरण**								
जोड़ (ग)		-	-	**10,268.00**	**30,316.00**	-	**30,498.00**	-	**1,283.00**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग)		**5,19,252.00**	**4,53,833.00**	**1,66,415.00**	**3,60,977.00**	**79,928.00**	**2,37,294.00**	**2,03,700.00**	**5,92,726.00**

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

अनुसूची 5 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (अन्य)

(राशि रुपए)

(गैर-योजना)		**निधि-वार आंकड़े**					
		25	**26**	**27**	**28**	**29**	**30**
		डॉ जे.जी. जॉली व्याख्यान निधि	**डॉ वी. के. भार्गव पुरस्कार निधि**	**डॉ ए. एस. थाम्बिया पुरस्कार निधि**	**प्रो. जे.एस. बजाज पुरस्कार निधि**	**डॉ एन. सूर्यानरण राव पुरस्कार निधि**	**सीपीएफ जमा निधि**
क)	**निधियों का अथशेष**	5,45,406.00	1,73,483.00	1,83,595.00	50,000.00	2,00,000.00	65,10,697.24
ख)	**निधियों में वृद्धियां**						
i	दान/अनुदान						
ii	निधि के लिए किए गए निवेश से आय	45,192.00	35.882.00	35,540.00	15,000.00	16.527.00	2,49,830.00
iii	अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें) अंशदान						
जोड़ (क + ख)		**5,90,598.00**	**2,09,365.00**	**2,19,135.00**	**65,000.00**	**2,16,527.00**	**67,60,527.24**
ग)	**उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय**						
i	**पूंजी व्यय**						
	-अचल परिसंपत्तियां						
	-अन्य						-
	जोड़			-			
ii	**राजस्व व्यय**						
	-वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि						
	-किराया						
	-अन्य प्रशासनिक व्यय						
	-अन्य (नकद पुरस्कार व ट्राफी)	-	958.00	958.00	-	48,577.00	37,35,855.00
जोड़		-	**958.00**	**958.00**	-	**48,577.00**	**37,35,855.00**
iii	**वर्ष के दौरान भुगतान/ अन्य निधि को अंतरण**						**30,24,672.24**
जोड़ (ग)		-	**958.00**	**958.00**	-	**48,577.00**	**67,60,527.24**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग)		**5,90,598.00**	**2,08,407.00**	**2,18,177.00**	**65,000.00**	**1,67,950.00**	-

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

अनुसूची 5 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (अन्य)

(राशि रुपए)

(गैर-योजना)				**कुल जोड़**		
		डॉ सत्य गुप्ता पुरस्कार निधि	**चालू वर्ष**		**पिछला वर्ष**	
क)	**निधियों का अथशेष**			1,13,25,759.00		95,82,022.72
ख)	**निधियों में वृद्धियां**					
i	दान/अनुदान	2,03,315.00	2,03,315.00		4,50,000.00	
ii	निधि के लिए किए गए निवेश से आय		9,91,930.00		23,05,617.00	
iii	अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें) अंशदान		15,000.00	12,10,245.00	1,10,400.00	28,66,017.00
जोड़ (क + ख)		**2,03,315.00**		**1,25,36,004.72**		**1,24,48,039.72**
ग)	**उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय**					
i	**पूंजी व्यय**					
	-अचल परिसंपत्तियां					
	-अन्य					
	जोड़					
ii	**राजस्व व्यय**					
	-वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि					
	-किराया					
	-अन्य प्रशासनिक व्यय					
	-अन्य (नकद पुरस्कार व ट्राफी)					
जोड़			40,78,687.00	-	3,14,217.00	
iii	**वर्ष के दौरान भुगतान/ अन्य निधि को अंतरण**	-	30,24,672,24	71,03,359.24	8,08,063.00	11,22,280.00
जोड़ (ग)		-		**71,03,359.24**		**11,22,280.00**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग)		**2,03,315.00**		**54,32,645.00**		**1,13,25,759.72**

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)
अध्यक्ष

ह0/-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह0/-
(डॉ मनोरमा बेरी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 6- चालू देयताएं

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
चालू देयताएं				
1. जमानत जमा राशि	48,017.00	48,017.00	23,017.00	23,017.00
अग्रिम धन - एक्सप्रैस हाउसकीपर्स 5,000.00				
अग्रिम धन - हैदर कांट्रैक्टर 15,400.00				
अग्रिम धन - एल.आर. शर्मा व कंपनी 2,617.00				
अग्रिम धन - के.एस.एल. इंटरप्राइसिस 25,000.00				
जोड़		**48,017.00**		**23,017.00**

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मनोरमा बेरी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 7- अचल परिसंपत्तियों का विवरण

(राशि रुपए)

विवरण		सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
		वर्ष के प्रारंभ में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धियां	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान वृद्धियों पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष के अंत तक जोड़	चालू वर्ष के अंत में	पिछले वर्ष के अंत में
क	**अचल परिसंपत्तियां**										
1.	**भूमिः**										
क)	फ्री होल्ड	97,405.00		-	97,405.00				-	97,405.00	97,405.00
ख)	पट्टाधारित			-	-				-		
2.	**इमारतः**										
क)	फ्री होल्ड भूमि पर	1,01,70,878.87		-	1,01,70,878.87				-	1,01,70,878.87	1,01,70,878.87
ख)	पट्टाधारित भूमि पर	-	-	-	-				-	-	-
ग)	स्वामित्वाधीन फ्लैट/ परिसर	-	-	-	-				-	-	-

(राशि रुपए)

विवरण		सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
		वर्ष के प्रारंभ में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धियां	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान वृद्धियों पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष के अंत तक जोड़	चालू वर्ष के अंत में	पिछले वर्ष के अंत में
घ)	संगठन के अस्वामित्वाधीन भूमि पर बड़ी संरचना	-	-	-	-				-	-	-
3.	संयत्र, मशीनरी और उपस्कर	17,57,080.00	-	-	17,57,080.00				-	17,57,080.00	17,57,080.00
4	वाहन	10,15,131.00	-		10,15,131.00				--	10,15,131.00	10,15,131.00
5.	फर्नीचर, जुड़नार	18,69,546.98	26,933.00	-	18,96,479.98				-	18,96,479.98	18,69,546.98
6.	कार्यालय उपस्कर	26,01,230.29	80,735.00	4,14,032.00	22,67,933.29				-	22,67,933.29	26,01,230.29
7.	कंप्यूटर/पेरिफेरल्स	22,56,432.47	1,52,130.00	7,32,779.00	16,75,783.47				-	16,75,783.47	22,56,432.47
8.	विद्युत संस्थापनाएं	52,651.48	-	-	52,651.48				-	52,651.48	52,651.48
9.	पुस्तकालय की पुस्तकें	-	-	-	-				-	-	-
10.	नलकूप और	-	-	-	-				-	-	-

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

(राशि रुपए)

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	वर्ष के प्रारंभ में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धियां	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान वृद्धियों पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष के अंत तक जोड़	चालू वर्ष के अंत में	पिछले वर्ष के अंत में
जलापूर्ति										
11. अन्य अचल परिसंपत्तियां	4,61,304.16	-	-	4,61,304.16				-	4,61,304.16	4,61,304.16
चालू वर्ष का योग	**2,02,81,660.25**	**2,59,798.00**	**11,46,811.00**	**1,93,94,647.25**	-	-	-	-	**1,93,94,647.25**	**2,02,81,660.25**
पिछला वर्ष	**2,00,99,751..25**	**2,23,909.00**	**42,000.00**	**2,02,81,660..25**	-	-	-	-		
ख चालू पूंजीगत कार्य										
जोड़	**2,02,81,660.25**	**2,59,798.00**	**11,46,811.00**	**1,93,94,647.25**	-	-	-	-	**1,93,94,647.25**	**2,02,81,660.25**

ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)
अध्यक्ष

ह0/-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह0/-
(डॉ मनोरमा बेरी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 8- चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
क. चालू परिसंपत्तियां				
1. हस्तगत नकद शेष (चेक/ ड्राफ्ट और पेशगी सहित	32,246.00	32,246.00	14,217.00	14,217.00
2. बैंक में शेष				
क) अनुसूचित बैंक में निर्धारित/धर्मादा निधियां				
-चालू खाते पर				
-जमा खाते पर (मार्जिन राशि सहित)	53,67,722.00		96,63,531.00	
-बचत खाते पर	43,20,572.12	96,88,294.12	31,69,554.12	1,28,33,085.12
अन्य				
-चालू खाते पर	12,32,794.50		7,15,465.00	
-जमा खाते पर (मार्जिन राशि सहित)	2,72,75,107.00		2,39,83,821.00	
-बचत खाते पर	21,87,946.39	3,06,95,847.89	25,24,348.39	2,72,23,634.39
ख गैर अनुसूचित बैंक में				
जोड़ (क)		**4,04,18,388.01**		**4,00,70,936.51**

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मनोरमा बेरी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 8- चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि **(राशि रुपए)**

			चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
ख	**ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां**					
1.	अग्रिम					
क	कर्मचारी (त्योहार)		21,020.00		12,920.00	
ख	अन्य			21,020.00		12,920.00
2.	**नकद अथवा वस्तु में या प्राप्त किए जाने वाले मूल्य के लिए वसूली योग्य अग्रिम और अन्य राशियां**					
क	प्रतिभूति राशि		3,18,880.00		3,18,880.00	
	विद्युत	1,54,315				
	महा.टे.नि.लि.	17,371				
	कें.लो.नि.वि.	1,47,069				
	न.दि.न.पा.	125				
	स्टाफ कार पेट्रोल	0				
ख	राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड से देय		13,05,812.19		10,62,458.19	
ग	अन्य उपार्जित ब्याज		18,88,577.00	35,13,269.19	2.00	13,81,340.69
3.	**अन्य**					
क	वसूली योग्य राशि					
ख	आय कर		10,19,107.00	10,19,107.00	7,32,089.00	7,32,089.00
	2006-07	1,14,635.00				
	2008-09	1,91,129.00				
	2012-13	2,12,243.00				
	2013-14	85,321.00				
	2014-15	1,28,761.00				
	2015-16	2,87,018.00				
जोड़				**45,53,396.19**		**21,26,349.19**
जोड़ (क + ख)				**4,49,71,784.20**		**4,21,97,285.70**

ह0/- ह0/- ह0/-

(डॉ मुकुंद एस. जोशी) (डॉ दीप एन. श्रीवास्तव) (डॉ मनोरमा बेरी)

अध्यक्ष **मानद सचिव** **कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली

दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 8 का अनुबंध – ड़ **(राशि रुपए)**

राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड से मिलने वाले 50% भाग का विवरण	**चालू वर्ष**	**पिछला वर्ष**
वेतन (इमारत स्टाफ)	10,48,851.00	
जोड़ें - कें.क.स्वा.यो. योगदान	30,736.00	
जोड़ें - भविष्य निधि योगदान/ प्रशासनिक प्रभार	1,04,503.00	
	11,84,090.00	
घटाएं - कें.क.स्वा.यो. वसूली	1,500.00	
	11,82,590.00	
मजदूरी खाता		
सुरक्षा सेवा प्रभार	5,65,089.00	
हाउसकीपिंग प्रभार	2,78.859.00	
विद्युत व जल प्रभार	3,59,412.00	
मरम्मत व रखरखाव खाता	2,14,021.00	
इमारत मरम्मत व रखरखाव खाता	-	
उद्यान व्यय	11,653.00	
जोड़	26,11,624.00	
50% राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड भाग	13,05,812.00	
जोड़ें - अथशेष	0.19	
	13,05,812.19	10,62,458.19
जोड़	**13,05,812.19**	**10,62,458.19**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मनोरमा बेरी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 9- बिक्री/सेवाओं से आय

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1.	बिक्री से आय		
क)	स्क्रैप, एनल्स, निविदा, टाई/ब्रोच आदि की बिक्री	2,17,000.00	17,200.00
2	सेवाओं से आय		
क)	श्रम और प्रसंस्करण प्रभार	-	-
जोड़		**2,17,000.00**	**17,200.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मनोरमा बेरी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 10- अनुदान/आर्थिक सहायता

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष	**पिछला वर्ष**
(अप्रत्यादेय अनुदान/ प्राप्त आर्थिक सहायता)		
1) केंद्र सरकार	53,00,000.00	55,00,000.00
2) राज्य सरकार (सरकारें)		
3) सरकारी अभिकरण		
4) संस्थान/कल्याण निकाय		
5) अंतर्राष्ट्रीय संगठन		
6) अन्य (निर्दिष्ट करें)		
जोड़	**53,00,000.00**	**55,00,000.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मनोरमा बेरी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 11 - शुल्क/अभिदान

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1) प्रवेश शुल्क		
क) पंजीकरण शुल्क	25,000.00	90,000.00
ख) दाखिला शुल्क		
2) वार्षिक शुल्क/अभिदान	5,94,000.00	3,50,000.00
जोड़	**6,19,000.00**	**4,40,000.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मनोरमा बेरी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 12- अर्जित ब्याज **(राशि रुपए)**

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1)	सावधि जमा पर		
क)	अनुसूचित बैंकों में (2,87,018/- रुपए स्रोत पर कर की कटौती सहित) (पिछला वर्ष 1,28,761/-रुपए)	29,81,421.00	27,90,866.00
ख)	गैर-अनुसूचित बैंको में		
ग)	संस्थानों में		
घ)	अन्य		
2)	बचत खाते पर		
क)	अनुसूचित बैंकों में	1,07,090.00	4,09,142.00
ख)	गैर-अनुसूचित बैंको में		
ग)	संस्थानों में		
घ)	अन्य		
3)	अन्य प्राप्तव्यों पर ब्याज	-	-
जोड़		**30,88,511.00**	**32,00,008.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मनोरमा बेरी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 13- अन्य आय

(राशि रुपए)

			चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1)	परिसंपत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ			
क)	स्वामित्वाधीन परिसंपत्तियां			
ख)	अनुदानों से अधिग्रहित अथवा निःशुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां			
2)	विविध आय			
क)	स्टाफ कार का व्यक्तिगत उपयोग	8,400.00		8,400.00
ख)	सी.पी.एफ. का अधिशेष (समाप्त)	30,24,672.00	30,33,072.24	
जोड़			**30,33,072.24**	**8,400.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मनोरमा बेरी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 14- स्थापना व्यय **(राशि रुपए)**

			चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क)	वेतन और मजदूरी		39,19,676.50	39,97,471.00
ख)	भत्ते और वेतन			
ग)	भविष्य निधि में अंशदान		1,92,262.50	4,74,207.00
घ)	अन्य निधि में अंशदान			
	कें.स.स्वा.योजना	46,104.00	-	-
	घटाएं: कें.स.स्वा.योजना वसूली	5,700.00	40,404.00	9,050.00
ङ)	कर्मचारी कल्याण व्यय			
च)	कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति पर व्यय और सीमांत लाभ			
छ)	अन्य			
जोड़			**41,52,343.00**	**44,62,628.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मनोरमा बेरी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 15- अन्य प्रशासनिक व्यय आदि

(राशि रुपए)

			चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क)	विद्युत और ऊर्जा, जल		1,79,706.00	1,73,553.50
ख)	बीमा		6,263.00	6,173.00
ग)	मरम्मत और अनुरक्षण		2,52,266.50	1,75,606.00
घ)	वाहन चालन और अनुरक्षण			
ङ)	डाक शुल्क, टेलीफोन और संचार प्रभार		2,49,178.00	5,03,006.00
च)	मुद्रण और लेखन सामग्री		4,52,098.00	7,17,249.00
छ)	यात्रा और वाहन व्यय		3,57,101.00	5,37,622.00
ज)	सेमिनार/कार्यशालाओं पर व्यय			
झ)	अभिदान व्यय			
ञ)	शुल्क पर व्यय			
ट)	लेखापरीक्षक का पारिश्रमिक		22,900.00	22,472.00
ठ)	आतिथ्य व्यय		37,827.00	20,715.00
ड)	व्यावसायिक प्रभार		3,30,152.00	3,95,900.00
ढ)	डुबंत और संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान			
ण)	बट्टे खाते डाला गया अप्रत्यादेय शेष		-	-
त)	विज्ञापन और प्रचार		-	-
थ)	अन्य:			
	बैंक प्रभार	4,140.50		2,318.00
	सुरक्षा प्रभार	2,82,544.00		2,57,484.00

			(राशि रुपए)
		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बैठक शुल्क	2,95,000.00		1,18,500.00
चिकित्सा व्यय	5,657.00		1,647.00
ब्रोच/ टाई लागत	24,188.00		
विविध व्यय	18,875.00	6,30,405.00	3,933.00
जोड़		**25,17,896.50**	**29,36,178.50**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मनोरमा बेरी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 16- अनुदानों, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष	**पिछला वर्ष**
क) संस्थानों/संगठनों को दिया गया अनुदान		
ख) संस्थानों/संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता		
जोड़	-	-

अनुदानों/आर्थिक सहायता की राशि के साथ संगठनों का नाम, उनकी गतिविधियां संलग्न हैं।

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मनोरमा बेरी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियाँ और 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा का भाग होने वाली टिप्पणियाँ

क) महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियाँ

1. लेखा परंपरा

वित्तीय वक्तव्य नकदी आधार पर ऐतिहासिक लागत परंपरा के अधीन तैयार किए गए हैं।

2. राजस्व मान्यता

राजस्व, दान, अनुदान प्राप्त होने पर दर्शाए गए हैं।

व्यय भुगतान होने पर दर्शाए गए हैं।

3. अचल परिसंपत्तियाँ

अचल परिसंपत्तियाँ मूल लागत पर दर्शायी गयी हैं।

4. अवमूल्यन

अचल परिसंपत्तियों का कोई अवमूल्यन नहीं किया गया है।

5. अनुदान

अनुदान लेखा में दानकर्ता के विशिष्ट निदेशों के अनुसार दर्शाए गए हैं।

सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों के लिए सरकार से प्राप्त अनुदान (योजना) और उद्दिष्ट निधि आवर्ती प्रकृति के हैं। बैंक में जमा इस निधि से प्राप्त होने वाली आय सीधे इस निधि में जमा करवा दी जाती है और व्ययों को इस निधि में से घटा दिया जाता है।

सरकार से प्राप्त गैर-योजना अनुदान आवर्ती प्रकृति का है। गैर-योजना अनुदान (निवल पूंजी व्यय) आय व व्यय लेखा में जमा किया जाता है और पूंजी व्यय राशि पूंजीगत परिसंपत्तियाँ अनुदान निधि में अंतरित किया जाता है।

ख) लेखा का भाग होने वाली टिप्पणियाँ

6. वर्ष के दौरान सदस्यों से प्राप्त 100% आजीवन सदस्यता शुल्क पूंजी निधि में जमा करवाया गया।

7. व्याख्यानों और पुरस्कार के लिए अकादमी को प्राप्त संचित निधि दानकर्ता के निदेशों के अनुसार उसी विशेष निधि को निर्धारित कर दी गई है और उस राशि को बैंक में अलग से आवधिक जमा योजनाओं में रखा गया है। उस आवधिक जमा से प्राप्त ब्याज की राशि को उसी निधि में जोड़ा जाता है और व्यय उस निधि से घटाए जाते हैं।

8. अकादमी की पुरानी और नई, श्रीमती कमला रहेजा प्रेक्षागृह और बहु-व्यावसायिक शिक्षा के लिए जेएसबी केंद्र, दो इमारतें हैं। अकादमी और राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित नियमों व शर्तों के अधीन पुरानी इमारत का आवास आपस में बाँट रहे हैं। अकादमी सभी अनुरक्षण व्यय वहन कर रही है और इस व्यय का 50% राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड से ले लिया जाता है और अनुरक्षण व्यय में से घटा दिया जाता है।

9. नई इमारत श्रीमती कमला रहेजा प्रेक्षागृह और बहु-व्यावसायिक शिक्षा के लिए जेएसबी केंद्र का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। अकादमी और श्रीमती कमला रहेजा न्यास ने इस इमारत का निर्माण व्यय वहन किया है। अकादमी द्वारा इस इमारत पर किया गया व्यय खाता-बही में संबंधित शीर्ष में डाले गए हैं और श्रीमती कमला रहेजा न्यास द्वारा किया गया व्यय वित्त समिति के अनुमोदन के लिए लंबित है और उस पर वित्त समिति के निदेशों और अनुमोदन के आधार पर विचार किया जाएगा।

10. अचल परिसंपत्तियों का प्रत्यक्ष सत्यापन और खाता-बहियों से इसका मिलान लंबित है।

11. पिछले वर्ष के आंकड़ों को आवश्यकतानुसार पुनर्वर्गीकृत किया गया है।

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मनोरमा बेरी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

उपयोगिता प्रमाण-पत्र

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत), नई दिल्ली की लेखा बहियों की जांच के आधार पर पर और हमें प्रदान की गई सूचना और स्पष्टीकरण के आधार पर, हम प्रमाणित करते हैं कि वर्ष 2015-16 के लिए भारत सरकार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य विभाग द्वारा 53.00.000/- रुपए (केवल तिरपन लाख रुपए) सहायता अनुदान (गैर-योजना) निम्न प्रकार से दिया गया हैः

क्र. सं.	पत्र संख्या एवं दिनांक	राशि (रुपए) (वेतन)	राशि (रुपए) (सामान्य)
1.	जी.20018/6/2015 एमई–II/ दिनांक 28.07.2015	10,00,000	10,00,000
2.	जी.20018/6/2014 एमई–II दिनांक 05.10.2015	15,00,000	-
3.	जी.20018/6/2014 एमई–II दिनांक 26.02.2016	10,00,000	7,00,000
4.	जी.20018/6/2014 एमई–II दिनांक 21.03.2016	1,00,000	-
	कुल रुपए	**36,00,000**	**17,00,000**

और निम्न दिए गए ब्यौरे के अनुसार, उसी प्रयोजन जिसके लिए इसे स्वीकृत किया गया था, वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान उपयोग किया गया है।

वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान सहायता अनुदान (गैर-योजना) का सार निम्नानुसार हैः

क्र. सं.	विवरण	(राशि रुपए)	(राशि रुपए)
1.	दिनांक 01.04.2014 को यथास्थिति व्यय नहीं किया गया सहायता-अनुदान		
2.	जारी सहायता-अनुदान राशि		
	वेतन	36,00,000	
	सामान्य	17,00,000	
	जोड़		**53,00,000**
3.	**व्यय**		
	वेतन	41,52,343	
	सामान्य	25,17,896	
	जोड़		66,70,239
4.	दिनांक 31.03.2016 की यथास्थिति व्यय नहीं किया गया शेष		-13,70,239

कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
ह0/-
(बी. एल. खन्ना)
साझेदार

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2016

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

उपयोगिता प्रमाण-पत्र

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत), नई दिल्ली की लेखा बहियों की जांच के आधार पर पर और हमें प्रदान की गई सूचना और स्पष्टीकरण के आधार पर, हम प्रमाणित करते हैं कि वर्ष 2015-16 के लिए भारत सरकार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य विभाग द्वारा 65,41,000/- रुपए (केवल पैंसठ लाख इकतालीस हज़ार रुपए) सहायता अनुदान (योजना) निम्न प्रकार से दिया गया हैः

क्र. सं.	पत्र संख्या एवं दिनांक	राशि (रुपए) (वेतन)	राशि (रुपए) (सामान्य)	राशि (रुपए) (पूंजी)
1.	जी.20018/10/2015 एमई–II/ दिनांक 08.07.2015	10,00,000	2,00,000	2,00,000
2.	जी.20018/10/2015 एमई–II दिनांक 01.12.2015	7,34,000	18,34,000	-
3.	जी.20018/10/2015 एमई–II दिनांक 15.01.2016	5,00,000	6,98,000	-
4.	जी.20018/10/2015 एमई–II दिनांक 21.03.2016	5,00,000	-	75,000
	कुल रुपए	**27,34,000**	**35,32,000**	**2,75,000**

और निम्न दिए गए ब्यौरे के अनुसार, उसी प्रयोजन जिसके लिए इसे स्वीकृत किया गया था, वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान उपयोग किया गया है।

वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान सहायता अनुदान (योजना) का सार निम्नानुसार हैः

क्र. सं.	पत्र संख्या एवं दिनांक	(राशि रुपए)	(राशि रुपए)
1.	दिनांक 01.04.2015 की यथास्थिति व्यय नहीं किया गया सहायता-अनुदान	10,69,721	10,69,721
2.	जारी सहायता-अनुदान		
	वेतन	27,34,000	
	सामान्य	35,32,000	
	पूंजी	2,75,000	
3.	बचत खाते में जमा राशि पर ब्याज	40,373	
	जोड़		**76,51,094**
	व्यय		
	वेतन	**28,48,415**	
	सामान्य	**41,14,891**	
	पूंजी	**2,59,798**	
	जोड़		**72,23,104**
	दिनांक 31.03.2015 को व्यय नहीं किया गया अधिशेष		**4,27,990**

कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
(बी. एल. खन्ना)
साझेदार
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 10 सितम्बर, 2016

1 अप्रैल से 20 सितम्बर, 2015 तक गतिविधियों की विशिष्टताएं

1. नैम्स परिषद् की दो बैठकें आयोजित हुई थीं। बैठकें दिनांक 17 जुलाई, 2016 और 17 सितम्बर 2016 को आयोजित हुई थीं।

2. नैम्स परिषद् के उन सदस्यों की सूची निम्नलिखित है, जो अपना कार्यकाल समाप्त होने पर वर्ष 2016 के दौरान सेवानिवृत्त हुए और जो परिषद् के सदस्यों के रूप में निर्वाचित हुए हैं।

सेवानिवृत्त सदस्य	निर्वाचित सदस्य
1. डॉ. पी. के. दवे	डॉ. शिव के. सरीन
2. डॉ. योगेश चावला	डॉ. राजेश्वर दयाल
3. डॉ. वी. मोहन कुमार	डॉ. रवि कांत
4. डॉ. मीरा रजानी	डॉ. दिगम्बर बेहेरा
5. एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डॉ. मंजीत सिंह बोपराय	डॉ. संजीव वी. थॉमस

3. वर्ष 2016 के लिए अध्येताओं और सदस्यों के रूप में निम्नलिखित उम्मीदवार निर्वाचित हुए हैं :

अध्येता

1. डॉ. अमित अग्रवाल
2. डॉ. शिंजनी भटनागर
3. डॉ. सुभो चक्रवर्ती
4. डॉ. किशोर कुमार दीपक
5. डॉ. अपराजित बल्लभ डे
6. डॉ. अजय कुमार दुसेजा
7. डॉ. शिविंदर सिंह गिल
8. डॉ. आशिमा गोयल
9. डॉ. शेफाली गुलाटी

10. डॉ. नंदिता गुप्ता
11. डॉ. सिद्धार्थ दत्ता गुप्ता
12. डॉ. सुनील कुमार गुप्ता
13. डॉ. संजीव हांडा
14. डॉ. आर. हेमलता
15. डॉ. सतीश वसंत खादिलकर
16. डॉ. अनुराधा खन्ना
17. डॉ. गोपाल नाथ
18. डॉ. (श्रीमती) सत्यवती राणा
19. डॉ. पुंडी नरसिम्हन रंगराजन
20. डॉ. तारा शंकर रॉय
21. डॉ. संदीप सक्सेना
22. डॉ. सुरेंद्र सिंह
23. डॉ. कावुमपुरथु रमन थंकाप्पन
24. डॉ. अंजन त्रिखा
25. डॉ. सौरभ वार्ष्णेय
26. डॉ. सुबोध वार्ष्णेय

सदस्य

1. डॉ. मोहम्मद इकबाल आलम
2. डॉ. दीप्ति अग्रवाल
3. डॉ. नीरज अग्रवाल
4. डॉ. प्रभात कुमार अग्रवाल
5. डॉ. स्नेहा आर. अंबवानी
6. डॉ. भूपिंदर कौर आनंद
7. डॉ. अब्दुल सलाम अंसारी
8. डॉ. दीक्षा आर्या
9. कर्नल (डॉ.) मिथु बनर्जी
10. डॉ. श्याम बाबू बंसल

11. डॉ. शालू चंद्र बाटला
12. डॉ. प्रेरणा बत्रा
13. डॉ. भारती भंडारी
14. डॉ. रमेश भारती
15. डॉ. क्रांति भावना
16. डॉ. मिलिंद विष्णु भूतकर
17. डॉ. श्रीजीत चक्रवर्ती
18. डॉ. चंद्राशीश चक्रवर्ती
19. डॉ. जयदीप रे चौधरी
20. डॉ. अखिलानंद चौरसिया
21. डॉ. रामेश्वर नाथ चौरसिया
22. डॉ. शुचि कौंसुल
23. डॉ. प्रकृति डैश
24. डॉ. पिनाकी रंजन देबनाथ
25. डॉ. आशीष धीर
26. डॉ. अशोक कुमार दुबे
27. डॉ. रविंदर गर्ग
28. डॉ. संदीप गर्ग
29. डॉ. शालिनी गर्ग
30. डॉ. प्रीति सारा जॉर्ज
31. डॉ. ज्योति एस. घोंघडेमथ
32. डॉ. उज्जला घोषाल
33. डॉ. श्रीनिवास गोपाला
34. डॉ. जतिंदर सिंह गोराया
35. डॉ. अमित गोयल
36. डॉ. जगदीश प्रसाद गोयल
37. डॉ. कमलेश के. गुलिया
38. डॉ. मोनिका गुप्ता
39. डॉ. निधि गुप्ता

40. डॉ. रेणु गुप्ता
41. डॉ. श्याम कुमार गुप्ता
42. डॉ. तूलिका गुप्ता
43. डॉ. सीमा जैन
44. डॉ. वैभव कुमार जैन
45. डॉ. प्रमिला कालरा
46. डॉ. माला कम्बोज
47. डॉ. मणिकवसगम कनगवेल
48. डॉ. कंचन कपूर
49. डॉ. अदिति कपूर
50. डॉ. टी. करुणा
51. डॉ. सुखजोत कौर
52. डॉ. जया कौशिक
53. डॉ. विशाल खुराना
54. डॉ. कीर्ति कौशिक ए. एस.
55. डॉ. गिरीश बाबूराव कुलकर्णी
56. डॉ. सुदीप कुमार
57. डॉ. वीरेन्द्र कुमार
58. डॉ. एम. सेंधिल कुमारन
59. डॉ. संदीप कुंद्रा
60. डॉ. राहुल महाजन
61. डॉ. ईश्वरप्पा महेश
62. डॉ. बलजीत मैनी
63. डॉ. रितुपर्णा मैती
64. डॉ. गौरांगा मजूमदार
65. डॉ. भारती मेहता
66. डॉ. अभिषेक मेवाड़ा
67. डॉ. बिस्वा रंजन मिश्रा
68. डॉ. कमला प्रसाद मिश्रा

69. डॉ. कुंदल मित्तल
70. डॉ. सरिता महापात्रा
71. डॉ. एस. मुरलीनाथ
72. डॉ. तरुण नारंग
73. डॉ. रुचिका रूंगटा नवल
74. डॉ. आशीष कुमार नैयर
75. डॉ. बलराम जी उमर
76. डॉ. रवींद्रनाथ पाधी
77. डॉ. अर्नब पाल
78. डॉ. प्रियांकर पाल
79. डॉ. ऋषि पाल
80. डॉ. पद्मनाभन बी.
81. डॉ. मनोज पांडेय
82. डॉ. संजय पाण्डेय
83. डॉ. पुनीत पारीक
84. डॉ. सुदीप पाठक
85. डॉ. सुषमा पात्रा
86. डॉ. बिनोद कुमार पात्रो
87. डॉ. सुंदर पेरियावन
88. डॉ. शरद प्रभाकर
89. डॉ. वेद प्रकाश
90. डॉ. नीरजा पुरी
91. डॉ. शशांक पुरवार
92. डा दीपेंद्र कुमार राय
93. डॉ. तापस कुमार सबुई
94. डॉ. अभिजीत साहा
95. डॉ. आशीष कुमार साहा
96. डॉ. पुष्प लता संखवार
97. डॉ. नवीन संख्यान

98. डॉ. मोना शर्मा
99. डॉ. रिचा शर्मा
100. डॉ. अनीता नरेंद्र शेट्टी
101. डॉ. (श्रीमती) श्रीमती धर्मपाल शेट्टी
102. डॉ. अल्पना सिंह
103. डॉ. सी. एम. सिंह
104. डॉ. रमनदीप सिंह
105. डॉ. रामजी सिंह
106. डॉ. सरिता सिंह
107. डॉ. सुरजीत सिंह
108. डॉ. वीर बहादुर सिंह
109. डॉ. अनुज सिंघल
110. डॉ. अरविंद सिन्हा
111. डॉ. रामचंद्र सिवाच
112. डॉ. सुजाता सिवाच
113. डॉ. सौरभ श्रीवास्तव
114. डॉ. तपस्या श्रीवास्तव
115. डॉ. मंजीत तलवार
116. डॉ. रघु सुदर्शन थोटा
117. डॉ. राजनारायण रामशंकर तिवारी
118. डॉ. अमिता त्रेहन
119. डॉ. शुचि त्रिपाठी
120. डॉ. वैशाली उपाध्याय
121. डॉ. बी. ऊषा
122. डॉ. अजय कुमार वर्मा
123. डॉ. अमित कुमार वर्मा
124. डॉ. प्रोमिला वर्मा
125. डॉ. वहाजुद्दीन
126. डॉ. भाउराव भीमराव यादव

127. डॉ. हरलोकेश नारायण यादव

128. डॉ. पूनम यादव

129. डॉ. योगेश चंद यादव

4. **विनियमन-V के अधीन निम्नलिखित उम्मीदवारों को अकादमी के सदस्यों (एमएनएएमएस) के रूप में प्रवेश दिया गया है।**

दिनांक 17 जुलाई, 2016 को आयोजित परिषद् की बैठक में अनुमोदित नाम

1. डॉ.. शागोस जी. एस.
2. डॉ. कंदला अपर्णा शर्मा
3. डॉ. रितेश कुमार
4. डॉ. प्रियांक उनियाल
5. डॉ. जोशी हर्षल सतीश
6. डॉ. पुजारी पिनाकिन प्रकाशराव
7. डॉ. वथारकर योगेश रंगराव
8. डॉ. जीतेंद्र कौर
9. डॉ. सुरभि शालिनी
10. डॉ. सरदेसाई अश्विन विवेक
11. डॉ. शालीन प्रवीण शाह
12. डॉ. ढोले योगेश अशोक
13. डॉ. मोहम्मद सैफ हमीद
14. डॉ. नरेश कामावरम
15. डॉ. सतबीर सिंह
16. डॉ. शिकालगर वहीदअली शौकतअली
17. डॉ. शेवाले अमोल तानाजी
18. डॉ. सुजीत के. आर.
19. डॉ. दमन प्रीत कौर जी.
20. डॉ. शिरोलकर मुकुंद सुधीर
21. डॉ. मुकेश कुमार

22. डॉ. नूरूद्दीन एन. के.
23. डॉ. पंकज कुमार
24. डॉ. सुकन्या प्रिंस मैरी ए. जे.
25. डॉ. पालवे अतुल प्रहलाद
26. डॉ. सांगले अविनाश लक्ष्मणराव
27. डॉ. पाटिल हितेंद्र मधुकर
28. डॉ. मधुलिका शर्मा
29. डॉ. जयालक्ष्मी आर.
30. डॉ. सुबिथा एल.
31. डॉ. मधुसूदन राव चिलकापति
32. डॉ. गौरव मित्तल
33. डॉ. हूरबानो खान
34. डॉ. निधि सिंह
35. डॉ. नंदवाना प्रवीण अमृत
36. डॉ. राजेश्वरी के. ए.
37. डॉ. विष्णु कुमारी पंवार
38. डॉ. शेख उज़मा हामिद
39. डॉ. सवे सुश्रुत नितिन
40. डॉ. पाटिल विजयसिंह नामदेव
41. डॉ. माकेश राम एस.
42. डॉ. वरुण कुमार सिंह
43. डॉ. अधीश बसु
44. डॉ. इप्सिता साहा
45. डॉ. कौशिक त्रिपाठी
46. डॉ. जेसन राजन डॉ.क्टर
47. डॉ. सुभाजीत गुहा
48. डॉ. मूसा राजामणि एम.
49. डॉ. दिशा अरोड़ा
50. डॉ. धर्मेंद्र कुमार

51. डॉ. संतोष कुमार महापात्रा
52. डॉ. आकांक्षा रस्तोगी
53. डॉ. पाटिल अभिजीत अनिल
54. डॉ. मोहम्मद सादिक
55. डॉ. विक्रांत शर्मा
56. डॉ. बालामुरुगन के.
57. डॉ. चंदनखेड़े अभिजीत रविंद्र
58. डॉ. भवन दीप गर्ग
59. डॉ. गाइखे विजय विष्णु
60. डॉ. वाघमारे प्रवीण विट्ठलराव
61. डॉ. राम किशन
62. डॉ. सोनल प्रसाद
63. डॉ. उमामागेश्वरी ए.
64. डॉ. पद्मा सुब्रमण्यम
65. डॉ. रंगवाला सकीना गुलामअब्बास
66. डॉ. मरियम हानी
67. डॉ. अंशुमान श्रीवास्तव
68. डॉ. गौरी नागपाल
69. डॉ. ठाकुर आयुष्मती
70. डॉ. सुरेखा श्रद्धा पवन
71. डा मोदी रोहित रमेश
72. डॉ. डोंबले अजय बीरप्पा
73. डॉ. सैयद जफर करम
74. डॉ. वीरा लाकिन दिनेश
75. डॉ. मंजरी अश्विनी कृष्णा
76. डॉ. बरुण कुमार चक्रवर्ती
77. डॉ. रंजू जयप्रकाश
78. डॉ. अजीत कुमार गांधी
79. डॉ. शालिनी जायसवाल

80. डॉ. स्वाति मुखर्जी
81. डॉ. सर्व प्रीत अहलूवालिया
82. डॉ. संपत सिंह झाला
83. डॉ. गांधी कल्पेश
84. डॉ. पंकज गुलाटी
85. डॉ. दिनूप के. पी.
86. डॉ. हेमा गोगिया
87. डॉ. मीर आसिफ उर रहमान
88. डॉ. पाटिल कविता हरि
89. डॉ. आर. मीनाक्षी प्रिया
90. डॉ. देबाशीष बिस्वास
91. डॉ. नचिकेत देसाई
92. डॉ. गीतिका कुरार
93. डॉ. चार्ल्स पैनेक्कल
94. डॉ. शैलेश चंद्र करण
95. डॉ. गौरव संजय
96. डॉ. मोहम्मद शब्बीरुल इस्लाम
97. डॉ. जीतेश पी. एम.
98. डॉ. रजनीश शर्मा
99. डॉ. नितिन पी. एम.
100. डॉ. कुणाल सिकंद
101. डॉ. मनु चोपड़ा
102. डॉ. मनोज वी.
103. डॉ. अंकुर शर्मा
104. डॉ. कमलेश कुमारी
105. डॉ. कविता कृष्णा पाई
106. डॉ. नेहा गोयल
107. डॉ. मित्रा देबज्योति
108. डॉ. अंकुर गुप्ता

109. डॉ. गुंडावदा मानित केतन
110. डॉ. अमृता साहनी
111. डॉ. विजयन एस.
112. डॉ. के. वेंकटरमन
113. डॉ. शाह यश किशोर
114. डॉ. चसकर राहुल मछिंद्रा
115. डॉ. शशिधर पाटिल एम.
116. डॉ. श्रुति कुलकर्णी एम.
117. डॉ. पुलक मुखर्जी
118. डॉ. विनोद टी. जी.
119. डॉ. अर्जुन आर. एच. एच.
120. डॉ. शाह विराज मीनेश
121. डॉ. शारिक उल हसन
122. डॉ. भोंसले प्रवीण रंगनाथ
123. डॉ. जूनेवर विवेक दिवाकरराव
124. डॉ. गिरीश जी. एन.
125. डॉ. राहुल सैनी
126. डॉ. रेगे कंचन रविंद्र
127. डॉ. आकाश अशोक बैंग
128. डॉ. असीम राठेर
129. डॉ. अविनाश कुमार
130. डॉ. नीलेष्मा पांडे
131. डॉ. श्रीगणेश के.
132. डॉ. श्रद्धा दिलीप रस्तोगी
133. डॉ. वैभव जैन
134. डॉ. सनी मलिक
135. डॉ. अनादि पचौरी
136. डॉ. अभिषेक सिंह
137. डॉ. श्वेता सिंह

138. डॉ. तिलवे केदार अजय
139. डॉ. हर्ष वर्धन
140. डॉ. राकेश जॉन
141. डॉ. नीतीश भान
142. डॉ. ए. विजयेंद्र
143. डॉ. खन्ना रेशम संजीव
144. डॉ. अंजना बसु
145. डॉ. वर्मा प्रतीक प्रदीप कुमार
146. डॉ. कुमत विशाल कांतिलाल
147. डॉ. अजय कुमार
148. डॉ. प्रवीणनाथ घंटा
149. डॉ. धोरन अमोल प्रकाश
150. डॉ. गोहिल ध्रुव प्रवीण
151. डॉ. सुशील कुमार अग्रवाल
152. डॉ. अमित मित्तल
153. डॉ. जी. एस. अरुण
154. डॉ. रुचि अग्रवाल
155. डॉ. पंकज गुप्ता
156. डॉ. सईदा तनवीरा हबीब
157. डॉ. कसात पुष्कर दिलीप
158. डॉ. वर्तक पुष्कराज उदय
159. डॉ. अंसारी मोहसिन बरकत
160. डॉ. अनुराग कुमार तिवारी
161. डॉ. गीता सूबे सिंह अहलावत
162. डॉ. सोहिनी सेनगुप्ता
163. डॉ. सुजॉय नियोगी
164. डॉ. विभूति तोमर
165. डॉ. प्रीतम कुमार अग्रवाल
166. डॉ. पूजा नरेश हिंगोरानी

167. डॉ. गौरव गोयल
168. डॉ. मोहित कुमार अरोड़ा
169. डॉ. मुल्ला लुकमान इब्राहिम घुदुलाल
170. डॉ. मुज़ावर जलील शौकतअली
171. डॉ. सुब्रमण्यम एम. एच.
172. डा पूजा गुप्ता
173. डॉ. शुभ्रांशु शेखर जेना
174. डॉ. वी. एस. पवित्रा
175. डॉ. स्मिता ढींगरा
176. डॉ. नरंजी प्रियंका महादेवराव
177. डॉ. विवेक मनचंदा
178. डॉ. अविनाश जैन
179. डॉ. नीथा जोस
180. डॉ. हेमलता
181. डॉ. आशीष राणा
182. डॉ. राजीव कुमार
183. डॉ. घंटे राहुल जीवनराव
184. डॉ. भावना
185. डॉ. लिज़ी विंसेंट
186. डॉ. प्रथीप समराज आर. पी.
187. डॉ. सुराना अनुज पारस
188. डॉ. देशपांडे सौरभ अजित
189. डॉ. पाटिल अतुल रविंद्र
190. डॉ. निखिल वर्मा
191. डॉ. बी. भानु प्रताप
192. डॉ. प्रियदर्शिनी आर.
193. डॉ. मंजूलता तोमर
194. डॉ. अनिर्बन मंडल
195. डॉ. पुनीत कौर साही

196. डॉ. बासा विकास राजेश्वरराव
197. डॉ. आनंद कुमार आर.
198. डॉ. जोबिन मैथ्यू
199. डॉ. मैनाक चंद्र
200. डॉ. अभिषेक बी.
201. डॉ. राव अनीश मुरलीधर
202. डॉ. आई. सुरेश कुमार
203. डॉ. अर्चना श्रीकांतन नायर
204. डॉ. पवार उदय मुगुटराव
205. डॉ. घुले श्वेतल भीमराव
206. डॉ. कोलोथुमविट्ठल एंटनी यूसुफ
207. डॉ. श्वेता खन्ना
208. डॉ. सजनी पी.
209. डॉ. हरि मोहन
210. डॉ. अजय कुमार
211. डॉ. दर्शना दत्तात्रेय रसालकर
212. डॉ. भवन कृष्णा पौनीपगर
213. डॉ. ज्योतिप्रशांत एम.
214. डॉ. धीरेंद्र रे
215. डॉ. शिवरामकृष्णन पी.
216. डॉ. कदागले बसवराज विजयकुमार
217. डॉ. लोकेश कुमार शर्मा
218. डॉ. इंगले हेमंत दादा साहेब
219. डॉ. प्रतिभा रामचंद्र काले
220. डॉ. केकटपुरे आदित्य लक्ष्मीकांत
221. डॉ. काशीकर अनुजा सुनील
222. डॉ. केकटपुरे आशे लक्ष्मीकांत
223. डा सुचित्रा शिवदास
224. डॉ. एस. परिमलम

225. डॉ. आशीष सिंह हरिओम सिंह ठाकुर
226. डॉ. रेशमी एस. नायर
227. डॉ. विवेक तिवारी
228. डॉ. त्रिवेदी भक्ति प्रद्युमनकुमार
229. डॉ. भटनागर अभिनव सुधीरकुमार
230. डॉ. आर. वीरकुमारन
231. डॉ. मोहम्मद रियाज वी. पी.
232. डॉ. बदनेरकर निखिल सुनीलकुमार
233. डॉ. शितोले राजेंद्र पोपटराव
234. डॉ. उमामाहेश्वरी आर.
235. डॉ. सुब्रत सामंत
236. डॉ. बालकावड़े नीलेश उन्मेश
237. डॉ. शेमीना वी.
238. डॉ. घुर्ये गौरव उदय
239. डॉ. कदम प्रसाद कल्याणराव
240. डॉ. दिव्या जी.
241. डॉ. दोषी दिशा शैलेश
242. डॉ. शैलेंद्र कुमार मोटवानी
243. डॉ. जीना के. जे.
244. डॉ. प्रशांत परमेश्वरन
245. डॉ. गिरीश फ्रांसिस
246. डॉ. अर्जित अग्रवाल
247. डॉ. इंद्रजीत सिंह मोंगा
248. डॉ. नलिनी गुप्ता
249. डॉ. सुतार विनायक नारायण
250. डॉ. प्राची जैन
251. डॉ. गांधी अक्षय राजेंद्र
252. डॉ. प्रवीण गुप्ता
253. डॉ. संदीप कुमार बिसोई

254. डॉ. दीपाश्री दौलताबाद
255. डॉ. प्रद्युम्न कृष्णा मजूमदार
256. डॉ. प्रवीण कुमार सिंह
257. डॉ. सुनील
258. डॉ. राजीव कुमार चौबे
259. डॉ. ईशान कुमार
260. डॉ. माइलवागानन
261. डॉ. शोभना बी.
262. डॉ. गोकुल जी.
263. डॉ. जियाना लियाकत
264. डॉ. श्यामसुंदर रेंडेडला
265. डॉ. कोठावाला हितेश कांति
266. डॉ. उर्मि खन्ना
267. डॉ. संचित गर्ग
268. डॉ. सलीम जहांगीर
269. डॉ. विजयमोहन एन.
270. डॉ. धाइगुड़े सुधीर भीमराव
271. डॉ. पंकज गुप्ता
272. डॉ. मुकुल सतीजा
273. डॉ. रिषभ जाजू
274. डॉ. तनय शर्मा
275. डॉ. विवेक द्विवेदी
276. डॉ. शालीन राणा
277. डॉ. देव प्रकाश शर्मा
278. डॉ. गुप्ता कल्पना मुरारीलाल
279. डॉ. रघुवीर चंदर अलुरी
280. डॉ. अनिरुद्ध सरकार
281. डॉ. अमरदीप सिंह
282. डॉ. रोहित नारा

283. डॉ. अतुल मल्होत्रा
284. डॉ. पारुल अरोड़ा
285. डॉ. वंदना सचदेवा
286. डॉ. प्रिया अमिताभ
287. डॉ. उर्गुंडे अतुल मलिकार्जुन
288. डॉ. पाटिल अमोलकुमार
289. डॉ. लक्ष्मण सिंह चरन
290. डॉ. श्रॉफ लोकेश मोहन
291. डॉ. विक्रम प्रभु एस.
292. डॉ. संयतनवा मित्रा
293. डॉ. अर्चना रानी
294. डॉ. गौतम किरण टी.
295. डॉ. मिथुन मनोहर एम.
296. डॉ. अरुण ओ.
297. डॉ. बगाड़िया जीमिश दीपक
298. डॉ. विशेष खन्ना
299. डॉ. आकाश
300. डॉ. बालाराजू एम.
301. डॉ. सरत मेनन आर.
302. डॉ. आदितेंद्रादित्या सिंह भाटी
303. डॉ. इंगले विनोद छगनराव
304. डॉ. जॉय अजॉयकुमार घोषाल
305. डॉ. सन्नी अग्रवाल
306. डॉ. आकाश दीप अग्रवाल
307. डॉ. शाह अमीष जयंतीलाल
308. डॉ. अजीत यूसुफ वेणीयूर
309. डॉ. श्वेता राजपूत
310. डॉ. नीलांजना घोष
311. डॉ. तारके चंद्रकांत रावसाहेब

312. डॉ. पल्लवी वर्मा
313. डॉ. नाइक समीर श्रीरामराव
314. डॉ. सिन्हा शिवेंद्र कुमार
315. डॉ. पाटिल वीरेंद्र विजयसिंह
316. डॉ. श्यामल दास
317. डॉ. माथुर रजत कुमार
318. डॉ. अंकित थोरा
319. डॉ. कर्थिका एम.
320. डॉ. अपराजिता गोयल
321. डॉ. नैसर्गी आदित्य मिलिंद
322. डॉ. पुरी नदीशा राजेश
323. डॉ. सुवि मैनुएल
324. डॉ. देशमुख अभिजीत बाबूराव
325. डॉ. दीप्ति साइमन
326. डॉ. मोमिन मोहद्दीस अहमद
327. डॉ. गोंधले हर्षल प्रदीप
328. डॉ. गजानंद धाकेड़
329. डॉ. केविन श्याम
330. डॉ. पवार-परमेश्वर जानकीराम
331. डॉ. भोइते अमोल शशिकांत
332. डॉ. मेहता पुरवा रंजीत
333. डॉ. शीबिना वी. आर.
334. डॉ. मोहक विजयकुमार रूपारेलिया
335. डॉ. अरुण कुमार अग्रवाल
336. डॉ. पंकज नागौरी
337. डॉ. मयंक उप्पल
338. डॉ. सुभदीप मंडल
339. डॉ. समीर सक्कीर हुसैन
340. डॉ. प्रियंका घोष

341. डॉ. सीमा परीजा
342. डॉ. रश्मि काविंद्रन
343. डॉ. माला दास
344. डॉ. सीमांतिका घोष
345. डॉ. संदीप कुमार
346. डॉ. सोनिया गुप्ता
347. डॉ. पाटिल सौरभ शेषराव
348. डॉ. बानुगड़े संदीप मधुकर
349. डॉ. शरणबसप्पा एस. धनवाडकर
350. डॉ. देशपांडे संजय पंकज
351. डॉ. आकाश विलास धुरु
352. डॉ. पंकज अरोड़ा
353. डॉ. बीजू पी. पी.
354. डॉ. सेठ रचित भरतकुमार
355. डॉ. कोल्टे अंकुश सुभाष
356. डॉ. राजकिरण कन्हैया राठी
357. डॉ. दादा मारुति कोली
358. डॉ. शाहनंद ध्वनि अनिल
359. डॉ. सरकार तंद्रा
360. डॉ. यादवीर गर्ग
361. डॉ. अंकिता बिसानी
362. डॉ. रणपरिया कल्पेश बाबूलाल
363. डॉ. रंजीत के. आर.
364. डॉ. गांधी कोमल अनिल
365. डॉ. बछव मनोज विलास
366. डॉ. अनुष मोहन
367. डॉ. योगेश जोपट
368. डॉ. वाघमारे सुदत्ता भीमराव
369. डॉ. राजीव एस. वी.

370. डॉ. पलक अरोड़ा
371. डॉ. के. कार्तिक कुमार
372. डॉ. राहुल पोपली
373. डॉ. मनु पॉल
374. डॉ. रजनीश कुमार
375. डॉ. जाधव महेश मोहनराव
376. डॉ. लोंधे आनंद मधुकर
377. डॉ. कामरान जमान
378. डॉ. मनीष चोमल
379. डॉ. कनिका गेरा
380. डॉ. गौरव ठकराल
381. डॉ. शेंडे उन्नति मनोहर
382. डॉ. किरणाके विजेंद्र वसंतराव
383. डॉ. लियोन वेंगाझइल अलेक्जेंडर
384. डॉ. प्रदीप शेनॉय एम.
385. डॉ. बेलेहल्ली पवन
386. डॉ. नितिन कुमार बाजपेयी
387. डॉ. दोदिया विरलकुमार नटवरसिंह
388. डॉ. विजयानंद टी. सी.
389. डॉ. चावला हितेश गुरबचन लाल
390. डॉ. आर. जयश्री
391. डॉ. रवि कुमार शर्मा
392. डॉ. वरुण मालू
393. डॉ. सौरभ कुमार पात्रो
394. डॉ. दीपक शर्मा
395. डॉ. एम. अंबारसन
396. डॉ. राजगुरु विक्रम अशोक
397. डॉ. कृतिकामीनाक्षी जे.
398. डॉ. असफियनेस स्टेनली एक्स.

399. डॉ. विक्नेस्वरन जी.

400. डॉ. कैलाश एस.

401. डॉ. रविंद्र बी. के.

402. डॉ. स्वाति अग्रवाल

403. डॉ. रंजन भट्टाचार्य

404. डॉ. पटेल चितरंजन परिमल

405. डॉ. राकुल नांबियार के.

406. डॉ. राठौर खुशवंत भागीरथ

407. डॉ. त्रिपाठी अग्रजा विजय नारायण

408. डॉ. केया चक्रवर्ती

409. डॉ. स्वरभानु परेल

410. डॉ. समेंद्र कुमार कारखुर

411. डॉ. चांदनी शर्मा

412. डॉ. दीप्ति सिंह

413. डॉ. मौमिता भौवाल

414. डॉ. विवेक दुदेजा

415. डॉ. सुगीत एम. टी.

416. डॉ. यश भरत शाह

417. डॉ. वैष्णव पूजा देवकिशन

418. डॉ. गजेरा वत्सल गिरीश

419. डॉ. सुभाष यू.

420. डॉ. जोइ एम. दास

421. डॉ. दैवा ए.

दिनांक 17 सितम्बर, 2016 को आयोजित परिषद् की बैठक में अनुमोदित नाम

1. डॉ. आदित्य गार्गव

2. डॉ शीरिन पी. मैथ्यू

3. डॉ नंदीश एस.

4. डॉ शिंत्रे हेमंत सुनील

5. डॉ प्रसिन प्रदीप
6. डॉ ऋद्धि आर्य
7. डॉ बिन्दू रानी
8. डॉ रजत रंजन
9. डॉ कुमार सौरभ
10. डॉ समर्थ आर्या
11. डॉ नेहा लाधा
12. डॉ रोनी बेन्सन
13. डॉ शैलेश पाइ
14. डॉ चंदना आर. डी.
15. डॉ लिशा गोविंद के. वी.
16. डॉ हाफिज़ुर रहमान
17. डॉ गुरू एस.
18. डॉ यूसुफ मैथ्यू कादापुरम
19. डॉ साबिन जॉर्ज
20. डॉ हिमांशु विजय
21. डॉ चिन्मय बिस्वास
22. डॉ मोहम्मद कालीम
23. डॉ विशिष्ट सिंह
24. डॉ रूही श्रीवास्तव
25. डॉ ज्योति ओ. कुमारी
26. डॉ अंकिता मित्तल
27. डॉ रीताद्युति मुखोपाध्याय
28. डॉ अरुण आर.
29. डॉ अभिरूचि चटर्जी
30. डॉ विकल्प वशिष्ठ
31. डॉ अभिषेक जायसवाल
32. डॉ ओजस्वी शंकर
33. डॉ मंजूषा पी. पी.

34. डॉ सैकत साहू
35. डॉ सुधीर कुमार काले
36. डॉ जोशी नचिकेत मिलिंद
37. डॉ हेमेंद्र कुमार अग्रवाल
38. डॉ सचिन के. एस.
39. डॉ अपर्णा पाइ यू.
40. डॉ रमेश वी.
41. डॉ सेरिन कुरिएकोस
42. डॉ संतोष एम.
43. डॉ अजय प्रसाद ऋषि पी.
44. डॉ मुरली कृष्णा एम. एम.
45. डॉ वादिवेल एस.
46. डॉ वसंतकुमार वी.
47. डॉ अरुण कुमार आर.
48. डॉ जॉन जोसेफ
49. डॉ शशिकुमार एस.
50. डॉ विनय के.
51. डॉ जगनीत गिल
52. डॉ अब्दुल गफूर पी. एम.
53. डॉ के. सुष्मिता
54. डॉ बरबिंद सारंग रेणुकादासराव
55. डॉ धर्मेंद्र मलिक
56. डॉ अनुराधा
57. डॉ मनोज मौनी
58. डॉ देशपांडे शैलेश सुरेश
59. डॉ जॉन सुरेश कुमार टी. आर.
60. डॉ अंजना डिक्सन
61. डॉ हरीश कुमार एम.
62. डॉ बाबू राजन ए. के.

63. डॉ कापू रविंद्रनाथ
64. डॉ गौरव जैन
65. डॉ मैसूर अमूल्य
66. डॉ जेस्सानी लक्ष्मण गोबिंदराम
67. डॉ पारस गुप्ता
68. डॉ आशीष बडाया
69. डॉ हेमंत वामनशंकर
70. डॉ अवल नागेश्वर रेड्डी
71. डा सामंत अंबरीश अभिजीत
72. डॉ चंद्रशेखर
73. डॉ चव्हाण प्रशांत पंढारीनाथ
74. डॉ त्यागी राहुल
75. डॉ पूर्णिमा
76. डॉ नमिता टी.
77. डॉ नेहा टंडन
78. डॉ ख्यास ओमेर कुन्हीन
79. डॉ बालासुब्रहमण्या के. आर.
80. डा पूजा तिवारी
81. डॉ फलक पूजा अशोक
82. डॉ बासले महबूबाआलम विलायतअहमद
83. डॉ अंकुर गुप्ता
84. डॉ प्रीति साहू
85. डॉ षण्मुगनाथन आर.
86. डॉ संदीप जॉर्ज विलायाकत
87. डॉ डिसूजा जोनाथन जेम्स थेल्मा
88. डॉ नईम शफीक जगानी
89. डॉ बोराना चिराग प्रकाश
90. डॉ इमरान जान
91. डॉ कापसे उपेंद्रकुमार साहबराव

92. डॉ राहुल कुमार
93. डॉ युगल करखूर
94. डॉ कार्तिक सुब्रमण्यम
95. डॉ अभिषेक सिंह
96. डॉ माथुर नेहा सत्यप्रकाश
97. डॉ चौबे सनिता राधेश्याम
98. डॉ आशीष निगम
99. डॉ अनिल वी.
100. डॉ आजाद अहमद शाह
101. डॉ अभिषेक कुमार संभारिया
102. डॉ गुप्ता राहुल हरिवंश
103. डॉ पाटिल रूपाली सुभाष
104. डॉ शरणकुमार जबशेट्टी
105. डॉ शिखर गुप्ता
106. डॉ श्वेता गंडोत्रा
107. डॉ सौरभ शंकर चक्रवर्ती
108. डॉ पटेल निश्चिल हेमंत
109. डॉ संगीत कुमार अग्रवाल
110. डॉ कुणाल राजेशकुमार चंपानेरी
111. डॉ नीरजा भारती
112. डॉ प्रधान प्रदीप आदित्य
113. डॉ रवि प्रकाश
114. डॉ शीरजा बाली
115. डॉ मल्लिका सेनगुप्ता
116. डॉ शेखर सांघी

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)
विद्ययाऽमृतमश्नुते

5. संगोष्ठी/ कार्यशाला/ सीएमई कार्यक्रम

देश में विभिन्न चिकित्सा संस्थानों से प्राप्त सीएमई के प्रस्तावों में से अकादमी ने नीचे दिए गए ब्यौरे के अनुसार दिनांक 1.04.2016 से 30.09.2016 तक 3 बाह्यसांस्थानिक और 2 अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम स्वीकृत किए हैं।

दिनांक 01.04.2016 से 17.09.2016 तक बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों के अधीन अनुदान दर्शाने वाली विवरणी

क्रम संख्या	विषय	जारी राशि (रुपए)
1	"लोक स्वास्थ्य प्रबंधन के सिद्धांतों के अनुप्रयोग द्वारा विश्वव्यापी स्वास्थ्य कवरेज हासिल करना" पर सीएमई कार्यक्रम 16 - 17 मई 2016, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़।	74,500/-
2	"निवारक मनोरोग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी" पर सीएमई कार्यक्रम 11 सितम्बर 2016, एम्स, नई दिल्ली।	75,000/-
3	"महामारी विज्ञान, जैव सांख्यिकी और स्वास्थ्य अनुसंधान क्रियाविधि" पर सीएमई कार्यक्रम 11 -12 जुलाई 2016, सैंट जॉन अनुसंधान संस्थान, सैंट जॉन राष्ट्रीय स्वास्थ्य विज्ञान अकादमी, बंगलौर।	36,000/-

दिनांक 1.04.2016 से 17.09.2016 तक अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों के अधीन अनुदान दर्शाने वाली विवरणी

क्रम संख्या	विषय	जारी राशि (रुपए)
1	"ऑस्टियोपोरोसिस" पर नैम्स - पीजीआई संगोष्ठी स्वास्थ्य शिक्षा एवं अनुसंधान स्नातकोत्तर संस्थान, चंडीगढ़। 23 अप्रैल, 2016	1,00,000/-
2	"तंबाकू अथवा स्वास्थ्य - बेहतर विकल्प चुनिए" पर नैम्स संगोष्ठी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर। 21 अक्टूबर, 2016	1,41,000/-

6. एनएएमएस वैज्ञानिक संगोष्ठी

प्रत्येक वर्ष, एनएएमएस के वार्षिक सम्मेलन के दौरान देश की स्वास्थ्य परिचर्या संबंधी आवश्यकताओं के अत्यधिक संगत विषय पर एक वैज्ञानिक संगोष्ठी आयोजित की जाती है। 22 अक्टूबर 2016 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर (छत्तीसगढ़) में वार्षिक सम्मेलन के दौरान नैम्स वैज्ञानिक संगोष्ठी का विषय 'आयुष - समेकित चिकित्सा की आवश्यकता' है।

7. जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार

परिषद् ने 17 जुलाई, 2016 को आयोजित बैठक में नियम 34 (डी) के तहत डॉ. स्नेहलता देशमुख, एफएएमएस, को व्यावसायिक उत्कृष्टता के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ उच्च स्तर की विशेषज्ञता को मान्यता देते हुए वर्ष 2016 के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार प्रदान किए जाने का अनुमोदन किया है। वर्तमान में नैम्स की वित्त समिति का अध्यक्ष होने के साथ उन्होंने योग्य रूप से विभिन्न क्षमताओं में अकादमी की सेवा की है और पेशेवर अभ्यास में ईमानदारी एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नैतिकता के लिए आजीवन निष्ठावान रहने, और भारत में व्यावसायिक संगठनों में एवं राष्ट्रीय

आयुर्विज्ञान अकादमी दोनों में नेतृत्व की भूमिका, के लिए वह जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार प्राप्त करने के योग्य हैं।

8. स्वर्ण जयंती स्मारक पुरस्कार व्याख्यान

साख समिति की अनुशंसा के आधार पर और परिषद् की सहमति से, वर्ष के दौरान अध्येता चुने गए सबसे युवा जैवचिकित्सा वैज्ञानिक को अकादमी की वार्षिक सभा में स्वर्ण जयंती स्मारक पुरस्कार व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

डॉ. जुगल किशोर, एफएएमएस, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, वर्धमान मेडिकल कॉलेज, वर्ष 2015 के दौरान अध्येता चुने गए सबसे युवा जैवचिकित्सा वैज्ञानिक थे। वे 23 अक्तूबर 2016 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर, छत्तीसगढ़ में वार्षिक सभा में स्वर्ण जयंती स्मारक पुरस्कार व्याख्यान देंगे। उनके व्याख्यान का विषय "सामुदायिक चिकित्सा के स्नातकोत्तर चिकित्सा पाठ्यक्रम में आवश्यक कौशल" है।